केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
17 वर्षों से निरंतर....
Website:- www.malwaherald.com
RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

मित्रता कोई स्वार्थ नहीं है बल्कि एक विश्वास है जहां सुख में हंसी मजाक से लेकर संकट तक साथ देने की जिम्मेदारी होती है

वर्ष : 17 अंक : 46 | उज्जैन, रविवार 26 जुलाई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

राजनीति का उद्देश्य समाज कल्याण है, नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविन्द नारायण सिंह से सेवा और समर्पण की लेनी चाहिए सीख : मुख्यमंत्री

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. श्री सिंह की जयंती पर किया नमन

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह की जयंती पर शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा के सेंट्रल हॉल में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। पुष्पांजलि कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह के परिजन उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता पाना नहीं, समाज का कल्याण करना है। आज की नई पीढ़ी को पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह के जीवन से सेवा, समर्पण और नैतिकता की सीख लेनी चाहिए। वे बेहद सरल जीवन और सहज व्यवहार के लिए प्रसिद्ध थे। जनता से उनका सीधा संवाद उनकी सबसे बड़ी शक्ति था। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों और सामान्य नागरिकों की समस्याओं को निकट से समझा। ऐसे व्यक्तित्व सदैव समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उनकी कार्यशैली आज भी जनप्रतिनिधियों के लिए प्रेरणास्रोत है। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह का जीवन युवाओं को ईमानदारी, संघर्ष और राष्ट्र सेवा का संदेश देता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि श्री गोविन्द नारायण सिंह वर्ष 1967 में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने, जब प्रदेश की राजनीति एक नए दौर से गुजर रही थी। उन्होंने प्रशासन में जवाबदेही और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का प्रयास किया. लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत बनाने और जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप शासन चलाने की दिशा में कार्य किया। उनका कार्यकाल राजनीतिक परिवर्तन का महत्वपूर्ण प्रतीक माना जाता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह की जयंती पर हम सभी उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लें। उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हम विकसित, समृद्ध और आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के निर्माण के लिए कार्य करेंगे। प्रदेश में जनकल्याण, सुशासन और सतत् विकास के मार्ग पर लगातार आगे बढ़ना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह का जन्म 25 जुलाई 1920 को रामपुर बघेलान में हुआ था। एम.ए., एलएलबी. तक शिक्षा ग्रहण कर उन्होंने अपने सार्वजनिक एवं राजनैतिक जीवन प्रारंभ किया। उन्होंने चतुर्थ विधानसभा (1967-1972) में 30 जुलाई 1967 से 12 मार्च 1969 तक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में प्रदेश के विकास को एक नई दिशा दी थी। श्री सिंह का 10 मई 2005 को देहावसान हो गया।

मीडिया से चर्चा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पुष्पांजलि कार्यक्रम के पश्चात मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री स्व. गोविंद नारायण सिंह राज्य में तत्कालीन संविद सरकार की राजनीति के केंद्र बिंदु थे। वे रीवा के निवासी थे। उन्होंने सादगी, निष्पक्षता के साथ समाज सेवा के क्षेत्र में विशेष पहचान बनाई थी। पूर्व मुख्यमंत्री श्री सिंह ने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आज उनकी जयंती के अवसर पर हम सभी उनका स्मरण कर रहे हैं। श्री सिंह ने राजमाता सिंधिया के कार्यकाल में जनता की आवाज बनकर यह भरोसा दिलाया था कि पक्ष हो या विपक्ष, अब राजनीति में बदलाव का समय है।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. सिंह प्रदेश की राजनीति में लोकतांत्रिक परंपरा की मिसाल बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेंद्र सिंह तोमर ने राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व विधानसभा अध्यक्षों की जयंती और पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि कार्यक्रम कराने की उत्कृष्ट पहल की है।

न्यूज ब्रीफ

दक्षिण सिक्किम में भूस्खलन का कहरः सड़क बहाली कार्य के दौरान दो श्रमिकों की मौत, चार घायल

गंगटोक/ जीएनएस। दक्षिण सिक्किम के नामची जिले के राबोंग उपमंडल स्थित फामताम-मकरजंग (बरफुंग) क्षेत्र में शनिवार को हुए भीषण भूस्खलन ने दो परिवारों की खुशियां छीन लीं। भूस्खलन से अवरुद्ध सड़क को बहाल करने के दौरान अचानक पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर गिरने से दो श्रमिकों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। हादसे के बाद जिला प्रशासन, पुलिस, स्थानीय ग्रामीणों और सुरक्षा बलों ने तत्काल राहत एवं बचाव अभियान चलाकर घायलों को सुरक्षित बाहर निकाला। जानकारी के अनुसार फामताम गांव के निकट बरमेली पुल के पास शनिवार सुबह लगभग 11ः50 बजे यह हादसा हुआ। सादा गांव और फामताम गांव के बीच भूस्खलन से बाधित सड़क को यातायात के लिए खोलने के उद्देश्य से छह श्रमिक मलबा हटाने के कार्य में जुटे थे। इसी दौरान अचानक पहाड़ी का एक हिस्सा भरभराकर नीचे आ गया और भारी मलबे तथा चट्टानों की चपेट में सभी श्रमिक आ गए। इस दुर्घटना में लाल बहादुर राई (18) और मन बहादुर गुरूंग (61) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अनिल राई, मोहन बहादुर छेत्री, महेंद्र राई और सोनम वांगदी भूटिया घायल हो गए। स्थानीय लोगों और बचाव दल की मदद से सभी घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। प्रशासन के अनुसार घायलों में एक को गंभीर चोटें आने के कारण बेहतर उपचार के लिए नामची जिला अस्पताल रेफर किया गया है, जहां उसकी हालत स्थिर बनी हुई है। एक अन्य घायल का उपचार रवांगला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है जबकि शेष घायलों को भी चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही नामची की जिला अधिकारी अनुपा तामलिंग, अतिरिक्त जिला अधिकारी, रवांगला के उपमंडलाधिकारी, सिक्किम पुलिस, सड़क एवं पुल विभाग के अधिकारी तथा स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। क्षेत्र के विधायक रिक्सल दोर्जी भूटिया ने भी घटनास्थल का दौरा कर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को प्रभावितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। जिला प्रशासन ने बताया कि लगातार वर्षा के कारण पहाड़ी अब भी अस्थिर बनी हुई है। ऐसे में मलबा हटाने और सड़क बहाली का कार्य पूरी सतर्कता के साथ किया जा रहा है। प्रशासन ने कहा कि क्षेत्र का सुरक्षा आकलन लगातार जारी है और स्थिति पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है, ताकि भविष्य में इस प्रकार की किसी अन्य दुर्घटना को रोका जा सके।

धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा को बसपा मुखिया मायावती ने बताया उचित फैसला, पहले देते तो था बेहतर

लखनऊ/ जीएनएस। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने नीट यूजी को लेकर नई दिल्ली में चल रहे छात्र-छात्राओं के आंदोलन के दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के इस्तीफा पर अपनी प्रतिक्रिया दी। मायावती ने इसको लेकर एक्स पर पोस्ट किया। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि देश के छात्र-छात्राओं और युवाओं के आंदोलन के चलते कारण आज केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा देने का फैसला उचित है। उनको यह निर्णय पहले ही ले लेना चाहिए था तो और बेहतर होता। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही हमारी पार्टी केन्द्र सरकार से यह भी अपेक्षा करती है कि पुलिसकर्मियों पर भी एक्शन ले। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में जिन पुलिसकर्मियों ने जंतर-मंतर पर शांतिमय ढंग से प्रदर्शन कर रहे निहत्ते लड़के व लड़कियों पर बरबर्तापूर्वक लाठी और डंडों आदि से चोट पहुंचायी है, जिससे छात्र-छात्राएं और युवा बड़ी संख्या में गंभीर रूप से घायल हुए, उन पर भी सख्त कार्रवाई की जानी चाहिये।

कोलकाता में पत्रकारों पर हमले की सीएम शुभेंदु अधिकारी ने की निंदा, अस्पताल पहुंचकर घायलों का जाना हाल

कोलकाता/ जीएनएस। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के आंदोलन के समर्थन में शुक्रवार को एसएफआई समेत विभिन्न वाम छात्र संगठनों की ओर से कोलकाता की सड़कों पर प्रदर्शन के दौरान पत्रकारों पर हुए हमले की मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने कड़ी निंदा की है।

मुख्यमंत्री ने देर शाम कोलकाता के सरकारी एसएसकेएम अस्पताल पहुंचकर वहां भर्ती सभी घायल पत्रकारों से मिलकर उनका हाल जाना। मुख्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन को प्रत्येक घायल पत्रकार के समुचित व बेहतर उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने पत्रकारों पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि विरोध-प्रदर्शन के नाम पर गुंडागर्दी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने पुलिस को तत्काल हमलावरों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही कहा कि दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कदम उठाए जाएंगे।

मालूम हो कि कोलकाता के धर्मतल्ला में विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों में जबरदस्त झड़प हुई। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर ईंट, जूते और बोतलें फेंकीं।

इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले दागे। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान घटना का कवर कर रहे पत्रकारों पर भी हमले किए, जिसमें कई पत्रकार गंभीर रूप से घायल हो गए।

भारत का रूस को जवाब, ओडेसा में निशाना बने जहाज में अनाज था, हथियार नहीं

नई दिल्ली/ जीएनएस। यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह के पास वाणिज्यिक जहाज एमवी गोल्डन लियो पर हुए हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत के मामले में भारत ने शुक्रवार को रूस के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें संकेत दिया गया था कि जहाज यूक्रेन के लिए हथियार या सैन्य सामग्री ले जा रहा था।विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि जहाज में केवल अनाज का कार्गो था।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस वार्ता में कहा कि भारतीय समुद्री प्रशासन (डीजीएमए) से मिली जानकारी के अनुसार गिनी-बिसाउ में पंजीकृत एमवी गोल्डन लियो ने 19 जुलाई को रवाना होने से पहले अनाज लोड किया था।

उन्होंने दोहराया कि वाणिज्यिक जहाजों और नाविकों को किसी भी परिस्थिति में निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए।

19 जुलाई को ओडेसा बंदरगाह से रवाना होते समय हुए इस हमले में जहाज पर सवार 17 क्रू सदस्यों में से चार भारतीय नाविकों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में भर्ती है। यूक्रेन ने इस हमले के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया है।

घटना के बाद भारत ने नई दिल्ली स्थित रूसी दूतावास के एक वरिष्ठ राजनयिक को तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भी मनीला में रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव से मुलाकात के दौरान यह मुद्दा उठाया।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत वाणिज्यिक जहाजों की सुरक्षा और समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवाजाही के पक्ष में है तथा पीड़ित परिवारों की सहायता और मृतकों के शव स्वदेश लाने की प्रक्रिया में जुटा है।

कोलकाता को कर योगदान में अग्रणी बनाने की आवश्यकता, स्वपन दासगुप्ता का बड़ा बयान

कोलकाता/ जीएनएस। बंगाल के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में स्वैच्छिक कर अनुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है।

उन्होंने कहा कि कोलकाता को कर योगदान में अग्रणी बनाने की आवश्यकता है। आयकर विभाग, पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम द्वारा 167वें आयकर दिवस पर कोलकाता के अलीपुर स्थित धन्यधान्य आडिटोरियम में आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही।

दासगुप्ता ने कहा कि सरल और करदाता हितैषी कर व्यवस्था से अनुपालन बढ़ेगा, कारोबार करना आसान होगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। आयकर विभाग के पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम क्षेत्रीय कार्यालय ने 167वां आयकर दिवस यहां उत्साह के साथ मनाया।

इस अवसर पर वर्ष 1860 में भारत में आयकर व्यवस्था की शुरुआत को याद करते हुए राष्ट्र निर्माण और आर्थिक विकास में करदाताओं की भूमिका को रेखांकित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य के वित्त मंत्री स्वपन दासगुप्ता थे, जबकि पूर्व टेनिस खिलाड़ी लिएंडर एड्रियन पेस विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। आयकर विभाग, पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम की प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सुरभि वर्मा गर्ग सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

लिएंडर पेस ने प्रादेशिक सेना कोष संग्रह में आयकर विभाग के योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि करदाता राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए सरकार के प्रयास प्रशंसनीय हैं।

प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त सुरभि वर्मा गर्ग ने कहा कि एक अप्रैल 2026 से लागू नया आयकर अधिनियम-2025 कर प्रशासन को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और नागरिक केंद्रित बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

उन्होंने बताया कि विभाग ने नए कानून के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए प्रारंभ-2026 अभियान शुरू किया है। उन्होंने बताया कि कर साथी नामक कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित चैटबाट करदाताओं को चौबीसों घंटे कर संबंधी जानकारी उपलब्ध करा रहा है।

वहीं कर सेतु के माध्यम से पुराने आयकर अधिनियम-1961 से नए आयकर अधिनियम-2025 में बदलाव को समझाने में मदद दी जा रही है। साथ ही आयकर वेबसाइट 2.0 को उन्नत बनाकर करदाताओं को बेहतर डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

सुरभि वर्मा गर्ग ने बताया कि विभाग की शिकायत निवारण प्रणाली के तहत औसतन 28 दिनों में शिकायतों का समाधान किया जा रहा है और लगभग 95 प्रतिशत शिकायतों का सफलतापूर्वक निस्तारण हो रहा है।

उन्होंने कर्मयोगी पहल का भी उल्लेख किया, जिसके माध्यम से अधिकारियों के कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

हर वर्ष 24 जुलाई को आयकर दिवस मनाया जाता है। इसी दिन वर्ष 1860 में सर जेम्स विल्सन ने भारत में आयकर व्यवस्था की शुरुआत की थी।

भैंसों के तबेले से दो करोड़ का डोडाचूरा बरामद, बंदूक-कारतूस और लग्जरी गाड़ियां भी जब्त

उदयपुर/ जीएनएस। पुलिस और जांच एजेंसियों ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक भैंसों के तबेले से करीब 2 करोड़ रुपए मूल्य का डोडाचूरा बरामद किया है। कार्रवाई के दौरान मौके से बंदूक, कारतूस और कई लग्जरी वाहन भी जब्त किए गए।

जानकारी के अनुसार, पुलिस को तबेले में अवैध मादक पदार्थ छिपाकर रखने की सूचना मिली थी। इसके बाद टीम ने दबिश देकर बड़ी मात्रा में डोडाचूरा बरामद किया। तलाशी के दौरान अवैध हथियार और कारतूस मिलने से मामले की गंभीरता और बढ़ गई।

जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि डोडाचूरा की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर सप्लाई किया जाना था। बरामद लग्जरी वाहनों के दस्तावेजों की भी जांच की जा रही है।

पुलिस का मानना है कि इस मामले के तार किसी बड़े तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। आरोपियों की तलाश और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। अधिकारियों ने कहा कि मामले में एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

वैवाहिक विवादों में बच्चों को मोहरा बनाना दुर्भाग्यपूर्ण, सुप्रीम कोर्ट ने रद किया झूठा POCSO केस

नई दिल्ली/ जीएनएस। विवाह टूटने के बाद आपसी रंजिश निकालने के लिए किस हद तक जाया जा सकता है, इसका एक दर्दनाक और चिंताजनक मामला सुप्रीम कोर्ट के सामने आया है।

कोर्ट ने हाल ही में वैवाहिक विवादों के चलते झूठे मुकदमों में ससुराल पक्ष के लोगों को फंसाए जाने और इस प्रक्रिया में मासूम बच्चों को एक-दूसरे के खिलाफ मोहरा बनाए जाने पर गहरी चिंता और दुख व्यक्त किया है।

सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट के रुख पर जताई नाराजगी- सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट के रुख पर नाराजगी जताते हुए एक नाबालिग बच्चे की बुआ के खिलाफ दर्ज पोक्सो मामले को खारिज कर दिया और कहा कि वैवाहिक विवादों में रिश्तेदारों को घसीटना और बच्चों का मोहरा बनना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यह पूरा मामला एक कड़वे तलाक और बच्चों की कस्टडी की जंग से जुड़ा है। एक तलाकशुदा मां ने अपने ही नाबालिग बेटे की तरफ से उसकी बुआ (पिता की बहन) पर बेहद गंभीर और चौंकाने वाले यौन उत्पीड़न (पोक्सो मामले के तहत) के आरोप लगाए थे।

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की गहराई से पड़ताल की और पाया कि यह एफआइआर किसी वास्तविक अपराध का परिणाम नहीं, बल्कि पिता द्वारा दर्ज कराई गई एक अन्य शिकायत के जवाब में केवल बदला लेने की नीयत से रचा गया षड्यंत्र थी।

धर्मेंद्र प्रधान ने शिक्षा मंत्री के पद से दिया इस्तीफा, CJP प्रदर्शन के बीच बड़ा फैसला

नई दिल्ली/ जीएनएस। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे छात्रों के प्रदर्शन के बीच बड़ी खबर सामने आ रही है। जिस शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर नीट छात्र धरना प्रदर्शन दे रहे थे, उन्होंने आखिरकर इस्तीफा दे दिया है।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि मेरे युवा साथियों, मैं पिछले 4 दशकों से अधिक समय से छात्र, शिक्षक और शिक्षा सुधार के लिए समर्पित रहा हूं। मेरा सदैव यह विश्वास रहा है कि एक सशक्त, समावेशी और दूरदर्शी शिक्षा व्यवस्था ही सशक्त राष्ट्र की आधारशिला होती है।

युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं का सम्मान- मैं देश के युवाओं की आकांक्षाओं, भावनाओं और उनकी न्यायोचित अपेक्षाओं का गहरा सम्मान करता हूं। भारत की युवा पीढ़ी के सपनों को साकार करना हम सभी के राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन का नैतिक संकल्प रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में राष्ट्र की सेवा करने का जो अवसर मुझे प्राप्त हुआ उसके लिए मैं प्रधानमंत्री मोदी का आभार प्रकट करता हूं।

सीबीटी मोड में परीक्षा कराने का लिया निर्णय- किंतु 3 मई 2026 को हुई हृश्वश्वञ्ज-त की परीक्षा में सामने आई अनियमितता पाई गई। भारत सरकार ने इसको तुरंत संज्ञान में लेते हुए जांच सीबीआई को सौंपी और परीक्षा को रद किया एवं पुनः परीक्षा की तिथि घोषित की गई। इसके साथ ही अगले वर्ष से इस परीक्षा को सीबीटी मोड में करने का निर्णय लिया गया।

इस दौरान हमारी प्रमुख प्राथमिकता यह रही कि 20 लाख से अधिक छात्रों की परीक्षा सुचारू रूप से आयोजित की जाए। इसके लिए whole of government approach के तहत काम किया गया। इसमें भारत सरकार के साथ राज्य सरकार, विशेषकर जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

किसानों का कल्याण सर्वोपरि : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव, दतिया से वर्चुअली खरगोन के बलराम कृषि महोत्सव से जुड़े

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि किसानों का कल्याण सर्वोपरि है। राज्य सरकार ने कृषक कल्याण वर्ष - 2026 के अंतर्गत अनेक गतिविधियां आयोजित की हैं। जहां वर्ष की प्रथम छमाही में कृषि उपकरणों की तकनीक, उन्नत कृषि के संबंध में कार्यशालाएं आयोजित की गईं, वहीं दूसरी छमाही में बलराम कृषि महोत्सव आयोजित किए जा रहे हैं। बलराम कृषि महोत्सव का यह सिलसिला 15 जुलाई को इंदौर से प्रारंभ किया गया है। इस क्रम में 23 जुलाई को आलीराजपुर में कृषि महोत्सव का आयोजन भी हुआ।

किसानों को हेलमेट वितरण का नवाचार- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को दतिया से खरगोन के कृषि महोत्सव में वर्चुअली जुड़कर संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में सिंचाई का रकबा निरंतर बढ़ रहा है। किसानों के लिए पर्याप्त बिजली की व्यवस्था की गई है। यही नहीं कृषक कल्याण वर्ष में गांव से दो पहियों से दूध और सब्जियां लेकर शहरों तक आने-जाने वाले किसान भाईयों को जीवन रक्षा के लिए हेलमेट भी प्रदान किए गए हैं। यह किसानों के लिए नवाचार भी है और सुविधा भी।

आगामी 13 नवम्बर तक जिले-जिले में होंगे बलराम कृषि महोत्सव- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में आगामी 13 नवम्बर तक बलराम कृषि महोत्सव के साथ ही अन्य अनेक आयोजन होंगे। खेती-किसानी पर आधारित गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के समग्र विकास के संकल्प के साथ कार्य हो रहा है। किसान उन्नत कृषि अपनाएं, लाभ बढ़ाएं- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खरगोन के बलराम कृषि महोत्सव में शामिल सभी किसान भाईयों को बधाई देते हुए कहा कि उन्नत कृ?षि को अपनाकर अपने लाभ में वृद्धि के प्रयास करें। किसानों को दिन और रात में भी पर्याप्त बिजली की पूर्ति की जाएगी। मध्यप्रदेश सरकार ने कृषि कल्याण वर्ष में 16 विभागों की सहभागिता सुनिश्चित की है, जिसके फलस्वरूप किसानों की आय वृद्धि के रोडमैप को क्रियान्वित किया जाएगा। खरगोन बलराम कृषि महोत्सव में बड़ी संख्या में किसानों के अलावा जनप्रतिनिधि, आम नागरिक और अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

आयुक्त ने पौधारोपण स्थलों का किया निरीक्षण, 83 हेक्टेयर में विकसित होगा हरित क्षेत्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत इंदौर नगर निगम शहर में व्यापक स्तर पर हरित क्षेत्र विकसित करने की तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। इसी क्रम में निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने दातूनी पहाड़ी (देव गुराड़िया) और गुलमर्ग परिसर स्थित प्रस्तावित पौधारोपण स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री शांतिलाल यादव सहित नगर निगम और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि दातूनी पहाड़ी क्षेत्र में नगर निगम और वन विभाग के संयुक्त प्रयास से 83 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। इस क्षेत्र को शहर के प्रमुख हरित क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और भू-क्षरण की रोकथाम में मदद मिलेगी। इसके बाद आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के पीछे स्थित गुलमर्ग परिसर की लगभग 18 एकड़ भूमि का भी निरीक्षण किया। यहां भी बड़े स्तर पर पौधारोपण कर शहर का हरित आवरण बढ़ाने की तैयारी की जा रही है। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधारोपण से पहले भूमि का समतलीकरण, गड्ढों की खुदाई, सिंचाई व्यवस्था, सुरक्षा के लिए फेंसिंग तथा पौधों के दीर्घकालीन संरक्षण की सभी तैयारियां तय समय-सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि पौधारोपण के बाद नियमित निगरानी, पर्याप्त सिंचाई और उचित रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि लगाए गए अधिकतम पौधे जीवित रहकर विकसित हो सकें और अभियान अपने उद्देश्य में सफल हो।

भागीरथपुरा के मामले में अब नहीं चलेगा बहाना, दूषित पानी पर तय होगी अधिकारियों की जवाबदेही

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के समक्ष पेश रिपोर्ट के बाद भागीरथपुरा दूषित पानी कांड में अधिकारियों की जवाबदेही का मुद्दा एक बार फिर केंद्र में आ गया है। एनजीटी ने स्पष्ट कहा है कि जलापूर्ति संचालन, रखरखाव और निगरानी में लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी। दरअसल शासन ने मामले में जिम्मेदारों के विरुद्ध अब तक जितनी भी कार्रवाई की वह कागजी भरपाई नजर आती है। चौकाने वाली बात तो यह कि 36 अप्राकृतिक मौतें होतें के बावजूद मर्ग कायम कर जांच की जरूरत नहीं समझी गई। इक्का-दुक्का अधिकारियों के ट्रांसफर और छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई कर शासन ने अपनी जिम्मेदारी पूरी कर ली। दिसंबर 2025 के अंत में इंदौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने की वजह से मौत का सिलसिला शुरू हुआ था। देखते ही देखते दूषित पानी पीने से 36 लोगों की मौत हो गई। लापरवाही की हद तो यह कि दूषित पानी की वजह से क्षेत्र के रहवासियों के बीमार होने का सिलसिला 10 दिन पहले से शुरू हो गया था, लेकिन न नगर निगम ने इस पर ध्यान दिया न स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने। लगातार मौत के बाद देशभर में बवाल मचा जिसके बाद छह लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण की तैयारियां तेज, आयुक्त ने स्थलों का किया निरीक्षण

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत इंदौर नगर निगम शहर में बड़े स्तर पर हरित क्षेत्र विकसित करने की दिशा में तैयारियों को अंतिम रूप दे रहा है। इसी क्रम में निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने दातूनी पहाड़ी (देव गुराड़िया) और गुलमर्ग परिसर स्थित प्रस्तावित पौधारोपण स्थलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव, कार्यपालन यंत्री शांतिलाल यादव सहित नगर निगम और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने बताया कि दातूनी पहाड़ी (देव गुराड़िया) क्षेत्र में नगर निगम और वन विभाग के संयुक्त प्रयास से 83 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर व्यापक पौधारोपण किया जाएगा। इस क्षेत्र को शहर के प्रमुख हरित क्षेत्रों के रूप में विकसित करने की योजना है, जिससे पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन और भू-क्षरण की रोकथाम में मदद मिलेगी। इसके बाद आयुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना के पीछे स्थित गुलमर्ग परिसर की लगभग 18 एकड़ भूमि का भी निरीक्षण किया। यहां भी बड़े पैमाने पर पौधारोपण कर हरित आवरण बढ़ाने की योजना बनाई गई है। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पौधारोपण से पहले भूमि का समतलीकरण, गड्ढों की खुदाई, सिंचाई व्यवस्था, सुरक्षा के लिए फेंसिंग और पौधों के संरक्षण संबंधी सभी तैयारियां समय-सीमा में पूरी की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि पौधारोपण के बाद नियमित निगरानी, पर्याप्त सिंचाई और रखरखाव सुनिश्चित किया जाए, ताकि लगाए गए अधिकतम पौधे जीवित रहकर विकसित हो सकें।

महू में सरकारी जमीन से बिना अनुमति मुरम निकालना पड़ा भारी, 43 लाख रुपये का लगाया जुर्माना

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सरकारी जमीन पर बिना अनुमति मुरम निकालने के मामले में जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। महू तहसील के ग्राम खेड़ली में सरकारी चारागाह की जमीन से अवैध रूप से मुरम निकालने के मामले में अपर कलेक्टर ने दो आरोपियों पर 43.37 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। पहले यह जुर्माना 21.68 लाख रुपये तय किया गया था, लेकिन आयुक्त द्वारा दिए गए दोबारा सुनवाई के निर्देश के बाद हुई सुनवाई में भी अवैध खनन सही साबित हुआ। पूरे मामले की सुनवाई के बाद जुर्माना दोगुना कर दिया गया। मौके से एक पोकलेन मशीन भी जब्त की गई दरअसल ग्राम खेड़ली में खनिज विभाग ने जांच की तो सरकारी चारागाह की जमीन से बिना अनुमति 1445.095 घनमीटर मुरम निकालना पाई गई। मौके से एक पोकलेन मशीन भी जब्त की गई। जांच में मशीन ऑपरेटर, ग्रामीणों के बयान और राजस्व रिकॉर्ड के आधार पर शुभम पाल का नाम सामने आया, जबकि मशीन इलियास खान की बताई गई। मामला अपर कलेक्टर न्यायालय में पहुंचा। सुनवाई के दौरान मशीन मालिक ने पोकलेन वापस देने की मांग की, लेकिन न्यायालय ने आवेदन खारिज कर दिया।

महिला वॉकाथॉन में गूंजा नशे से दूरी है ज़रूरी का संदेश, 3 हजार से अधिक महिलाओं ने लिया नशामुक्त समाज का संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत शुक्रवार को आयोजित महिला वॉकाथॉन में शहर की 3,000 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशामुक्त समाज का संदेश दिया। किशोरवय बालिकाओं से लेकर वरिष्ठ महिलाओं तक ने एकजुट होकर समाज से नशे को खत्म करने का संकल्प लिया और लोगों से Say No to Drugs का आह्वान किया।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में आयोजित इस वॉकाथॉन का उद्देश्य युवाओं और समाज के हर वर्ग को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ और सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम में छात्राएं, खिलाड़ी, सामाजिक एवं शैक्षणिक संस्थाओं की प्रतिनिधियां, पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज की प्रशिक्षु महिला आरक्षक, पुलिस अधिकारी और कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए।

वॉकाथॉन की शुरुआत से पहले प्रतिभागियों ने जुम्बा सेशन में हिस्सा लेकर उत्साह के साथ वार्म-अप किया। इसके बाद पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नहीं, बल्कि परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी प्रभावित करता है। उन्होंने कहा कि यदि महिलाएं इस अभियान का नेतृत्व करेंगी तो नशे जैसी सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करना अधिक आसान होगा।

इस दौरान पुलिस आयुक्त ने सभी महिलाओं को नशामुक्त समाज के निर्माण की शपथ दिलाई और उनसे स्वयं नशे से दूर रहने के साथ परिवार, मित्रों और समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करने का आह्वान किया।

इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने महिला वॉकाथॉन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नेहरू स्टेडियम से शुरू हुई यह वॉकाथॉन जीपीओ चौराहा, शिवाजी वाटिका और गीता भवन मार्ग से होते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम पहुंचकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में प्रतिभागियों ने नशे से दूरी है ज़रूरी, Say No to Drugs, स्वस्थ जीवन, नशामुक्त जीवन और नारी का संकल्प–नशामुक्त हो हर परिवार जैसे नारों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया।

इंदौर पुलिस ने नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने परिवार व समाज को भी इस जनजागरूकता अभियान से जोड़कर नशामुक्त इंदौर और नशामुक्त भारत के निर्माण में सहभागी बनें।

इंदौर पुलिस की नई पहलः सभी थानों को मिली नारकोटिक्स ड्रग डिटेक्शन किट, जांच होगी और अधिक वैज्ञानिक

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए सभी पुलिस थानों और जोनों को नारकोटिक्स ड्रग डिटेक्शन किट उपलब्ध कराई है। इसके साथ ही इंदौर मध्यप्रदेश का पहला पुलिस कमिश्नरेट बन गया है, जहां प्रत्येक थाने में यह आधुनिक किट उपलब्ध रहेगी।

पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने सभी जोनों के पुलिस उपायुक्तों (डीसीपी) और थाना प्रभारियों को ड्रग डिटेक्शन किट वितरित की। उन्होंने बताया कि इन आधुनिक किटों के माध्यम से एनडीपीएस अधिनियम के तहत जब्त मादक पदार्थों की प्रारंभिक वैज्ञानिक जांच अब अधिक तेज, सटीक और प्रभावी ढंग से की जा सकेगी। इससे अनुसंधान की गुणवत्ता बेहतर होगी, विवेचना अधिक मजबूत बनेगी और पुलिस की कार्रवाई में पारदर्शिता तथा कार्यकुशलता बढ़ेगी।

पुलिस आयुक्त ने कहा कि इंदौर पुलिस नशे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के साथ-साथ आधुनिक तकनीक और वैज्ञानिक संसाधनों के उपयोग को भी प्राथमिकता दे रही है। इसका उद्देश्य मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना तथा जांच प्रक्रिया को और अधिक विश्वसनीय बनाना है।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध/मुख्यालय) आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था) मयंक अवस्थी, सभी पुलिस उपायुक्त, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तथा विभिन्न जोनों के पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

इंदौर पुलिस का कहना है कि नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत जनजागरूकता के साथ-साथ प्रवर्तन और अनुसंधान को आधुनिक तकनीकों से सशक्त बनाने के प्रयास लगातार जारी रहेंगे।

मेट्रो प्रोजेक्ट की मशीनों से धंस रहा 119 साल पुराना रानी सराय, दीवारों में आ रही दरारें

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की ऐतिहासिक धरोहर रानी सराय धंसने लगी है। 119 वर्ष पुरानी यह धरोहर मेट्रो प्रोजेक्ट की भारी मशीनों को सहन नहीं कर पा रही है। खोदाई और कंपन के कारण जगह जगह दरारें पड़ गई। कुछ जगह तो जमीन धंस गई। पुलिस कर्मचारी पत्थर-ईट से गड्ढे दबा रहे हैं।

रीगल तिराहे के समीप बने नियंत्रण कक्ष पर मेट्रो के लिए अंडर ग्राउंड स्टेशन बनना प्रस्तावित है और दिन रात चौबीसों घंटे कंपन हो रहा है। भारी मशीनों के कारण कंपन होता है और 1907 में बनी रानी सराय की दीवारों और विशाल पत्थरों के जोड़ों में दरारें दिखाई देने लगी हैं। परिसर में चल रही खोदाई से मुगर शैली में बनी दो मंजिला इमारत (नियंत्रण कक्ष) का बुनियादी ढांचा धंसने की आशंका बढ़ गई है। जोन-1 के डीसीपी नरेंद्रसिंह रावत के आफिस के समीप तो जमीन धंसने से गड्ढा बन गया है। इसके पहले मेट्रो ट्रेक के लिए परिसर में लगे वर्षों पुराने पेड़ों को काटने पर विरोध हुआ था। इस इमारत को महाराजा शिवाजीराव होलकर की पत्नी महारानी वाराणसी बाई ने यात्रियों के ठहरने के लिए बनाया था। 1907 में बनी इस इमारत की उस वक्त करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत आई थी।

आयुक्त प्रणाली के पूर्व इस इमारत में डीआइजी कार्यालय संचालित होता था। नियंत्रण कक्ष पलासिया शिफ्ट होने के बाद डीसीपी जोन-1 नरेंद्रसिंह रावत,डीसीपी जोन-3 अभिषेक रंजन और डीसीपी(अपराध)राजेश त्रिपाठी के साथ एडीसीपी ओमप्रकाश व राजेश दंडोतिया का आफिस है। अपराध शाखा के एसीपी और निरीक्षक भी इसी इमारत में बैठते है।

कनाड़िया पुलिस की बड़ी कार्रवाईः 927 पेटी अवैध शराब के साथ पांच आरोपी गिरफ्तार, 1.10 करोड़ का माल जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर पुलिस ने अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए थाना कनाड़िया क्षेत्र में 927 पेटी अवैध शराब जब्त कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान शराब से भरा एक ट्रक और एक हुंडई एक्सेंट कार भी जब्त की है। जब्त शराब, वाहनों सहित कुल मशरूका की कीमत करीब 1.10 करोड़ बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई को मुखबिर से सूचना मिली थी कि यूपी नंबर का एक ट्रक बायपास रोड से भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर एचआर रिसोर्ट बायपास के पास घेराबंदी कर ट्रक को रोका गया। जांच में ट्रक से 912 पेटी अवैध शराब बरामद हुई। ट्रक में सवार आकाश सिंह अहिरवार और राहुल नामदेव शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। इस पर दोनों को गिरफ्तार कर आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज किया गया।

पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने इंदौर के विजय वैष्णव और उसके दो साथियों के भी शराब तस्करी में शामिल होने की जानकारी दी। इसके आधार पर 25 जुलाई को पुलिस ने चिनार हिल्स के पास से विजय वैष्णव, दीपांशु सोनोने और नीतेश प्रजापति को एक हुंडई एक्सेंट कार में 15 पेटी अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने पांचों आरोपियों के कब्जे से कुल 927 पेटी अवैध शराब (करीब 11,124 लीटर), एक अशोक लीलैंड ट्रक और एक हुंडई एक्सेंट कार जब्त की है। जब्त शराब की कीमत लगभग 55 लाख, ट्रक की कीमत 50 लाख और कार की कीमत 5 लाख आंकी गई है।

पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर शराब के स्रोत, सप्लाई नेटवर्क और इस अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही है। मामले की विवेचना जारी है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी विजय वैष्णव के खिलाफ पहले से भी धोखाधड़ी और आबकारी अधिनियम सहित कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

इंदौर में संबल योजना की राशि दिलाने के नाम पर रिश्वत लेने वाले वार्ड प्रभारी और सहायक की सेवाएं समाप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संबल योजना की दो लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कराने के एवज में रिश्वत मांगने वाली नगर निगम की वार्ड प्रभारी संध्या पथरोड़ और वार्ड प्रभारी सहायक हरभजनसिंह सलूजा की सेवाएं समाप्त कर दी गई हैं।

निगमायुक्त ने दोनों रिश्वतखोरों के वेतन आहरण पर भी रोक लगा दी है। लोकायुक्त ने पथरोड और सलूजा को गुरुवार को पांच हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था। इसके बाद से कयास लगाए जा रहे थे कि आरोपितों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार सुबह ही निगमायुक्त क्षितिज सिंघल ने दोनों आरोपितों की सेवाएं समाप्त करने के आदेश जारी कर दिए।

यह है मामला- लिंबोदी निवासी आशीष चौधरी ने 17 जुलाई को लोकायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि उसके पिता जितेंद्र चौधरी की मृत्यु के बाद संबल योजना के तहत मिलने वाली दो लाख रुपये की सहायता राशि स्वीकृत कराने के लिए आरोपित संध्या पथरोड और हरभजनसिंह सलूजा 20 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे थे। बाद में सौदा तीन किस्तों में 15 हजार रुपये देने की बात पर तय हो गया।

गुरुवार को लोकायुक्त की टीम ने भंवरकुआ क्षेत्र स्थित डीडी गार्डन के पीछे ट्रैप कार्रवाई कर आरोपित संध्या पथरोड को शिकायतकर्ता से पांच हजार रुपये लेते ही रंगे हाथ पकड़ा था। दोनों आरोपितों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 तथा बीएनएस की धारा 61(2) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

जोन और मुख्यालय के बीच झुलती रहती है फाइलें- मुख्यमंत्री संबल योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के सदस्य की मृत्यु पर दो लाख रुपये सहायता का प्रविधान है। सहायता राशि प्राप्त करने के लिए फाइल नगर निगम के जोनल कार्यालय से आगे बढ़ती है। जानकारी के मुताबिक वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत 100 से ज्यादा फाइलें निगम मुख्यालय और जोन कार्यालय के बीच लंबित हैं। आरोप यह भी हैं कि कर्मचारी 10 से 20 प्रतिशत रिश्वत की मांग करते हैं।

जब तक रिश्वत की बात तय नहीं हो जाती तब तक फाइलें आगे नहीं बढ़ती। इस बारे में सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायतें होती हैं, लेकिन इन शिकायतों को इस टीप के साथ समाप्त कर दिया जाता है कि फाइल नगर निगम में लंबित है। वार्ड प्रभारी और सहायक द्वारा रिश्वत मांगे जाने का मामला सामने आने के बाद निगमायुक्त ने योजना से जुड़ी लंबित फाइलों की जानकारी बुलवाई है। उन्होंने लंबित फाइलें जल्द से जल्द निराकृत करने के निर्देश भी दिए।

सफ़ेद मूसली उगाकर बेटे को अमेरिका मे पढ़ाया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश देश मे हो रही जैविक खेती मे 27 प्रतिशत से अधिक की भागीदारी के साथ प्रथम स्थान पर है। राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत 1513 क्लस्टर में 1 लाख 89 हजार किसानों को जोड़ा गया है। प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों के लिए देशी गोपालन पर 900 रूपये प्रतिमाह अनुदान का प्रावधान है।

आज खरगोन में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से चर्चा की। किसानों ने कहा कि राज्य सरकार के कृषि को आगे बढ़ाने की योजना से यह साबित हो गया है कि तकनीकी के साथ-साथ खेती का भी विकास होना जरूरी है।

कई वर्षों से जैविक खेती करते हुए विशेषज्ञता हासिल करने वाले अविनाश दांगी बताते हैं कि उनके जैविक उत्पाद 13 राज्यों में सप्लाई हो रहा है। मसाला फसलों में हल्दी धनिया और मिर्च उगा रहे।

अविनाश दांगी के पास 54 एकड़ खेत है। वे पूरे खेत मे जैविक खेती करते हैं। खेत पर करीब 40 गौवंश है। आठ सदस्यों का पूरा परिवार खेती में लगा है।

दांगी कहते हैं कि सरकार ने प्राकृतिक खेती करने वाले छोटे किसानों को भरपूर मदद की है। सरकार फर्टिलाइजर पर सब्सिडी देती है। जैविक खेती करने वाले किसान इनका उपयोग नहीं करते इसलिए उन्हें यह सब्सिडी का पैसा स्वाभाविक रूप से मिलना चाहिए।

सफेद मूसली की खेती कर रहे अनिल वर्मा कहते हैं कि सरकार ने हमें भरपूर सहयोग दिया है। राज्य सरकार की खेती संबंधी नीतियों ने हमारा उत्साह बढ़ाया है। इस खेती के दम पर मैंने अपने बेटे प्रीतेश को अमेरिका पढ़ने भेजा। वह ओहियो विश्वविद्यालय से कंप्यूटर साइंस एआई मे मास्टर्स कर रहे हैं और यही कॉलेज में पढ़ाने भी लग गए। खेती किसानों के मुद्दे समझने में मदद भी करते हैं।

प्रदेश में चल रहे बलराम कृषि महोत्सव के अंतर्गत आज खरगोन में आयोजन में मुख्यमंत्री ने किसानों से ऑनलाइन संवाद किया और किसानों की सराहना की। मुख्यमंत्री की सादगी से किसान भाई अभिभूत हो गए।

श्री अनिल बताते हैं कि वे सफेद मूसली के अलावा पपीता, प्याज और सोया की फसल भी लेते हैं। उनके पास दो कुएं और ट्यूबवेल है। वे बताते हैं कि अच्छी क्वालिटी की सफेद मूसली की बाजार में बहुत डिमांड है। क्षेत्र में करीब 1500 एकड़ में सफेद मूसली की खेती हो रही है। इसमें एक हजार किसान जुटे हैं। एक साल में 5 से 7 लाख का मुनाफा हो जाता है। पहले मूसली के छिलकों को हाथ से निकलते थे। इसमें मजदूर ज्यादा लगाने पड़ते थे। छिलके निकालने की मशीन पर केंद्र से 35 प्रतिशत की सब्सिडी मिली।

फास्ट ट्रैक कोर्ट में 3 माह में होगा परीक्षा जैसे अन्य मामलों का निराकरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सरकार शिक्षक और विद्यार्थी वर्ग के कल्याण से जुड़े सभी विषयों पर अत्यंत गंभीर और संवेदनशील है। शिक्षा के क्षेत्र में सुधार और विद्यार्थियों के हित में लगातार महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश की जनता के हित में जब भी कोई निर्णय लिया जाता है, मध्यप्रदेश उसे लागू करने और निर्णय के अनुरूप नीतिगत व्यवस्था बनाने वाला पहला राज्य होता है। समय की जरूरत है कि युवाओं से संबंधित न्यायिक फैसले द्रुत गति से हों। इसके लिए मध्यप्रदेश में 4 फास्ट ट्रैक कोर्ट्स (भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में) बनाये जायेंगे। पेपर लीक और परीक्षा सहित अन्य मामलों का फास्ट ट्रैक कोर्ट में मात्र 3 माह में निराकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शनिवार को मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित सेंट्रल हॉल में मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के मन में विद्यार्थियों के कल्याण और उनसे जुड़े सभी विषयों को लेकर बेहद सकारात्मक भाव हैं। उन्होंने कहा कि जैसे ही नीट पेपर लीक की खबर सामने आई, उसकी जांच के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी ने तत्काल कार्रवाई करते हुए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित की। प्रकरण दर्ज हुआ और देशभर में तेज गति से आरोपियों की गिरफ्तारियां भी की गई, फिर दोबारा नीट परीक्षा कराई गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार पूरी सहानुभूति और संवेदना विद्यार्थियों के साथ है। हम हर परिस्थिति में विद्यार्थियों के साथ खड़े हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भरोसा दिलाया कि भविष्य में नीट परीक्षाएं बेहतर और पारदर्शी तरीके से सम्पन्न हों, इसके लिए स्टैंडर्ड ऑफ प्रोटोकॉल्स (एसओपी) तैयार कर सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा मध्यप्रदेश वह राज्य है, जहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 देश में सबसे पहले लागू की गई। पिछले ढाई साल के कार्यकाल में राज्य सरकार ने 3 नए शासकीय विश्वविद्यालय प्रारंभ किए हैं। प्रदेश में विकास की गतिविधियों को गति देकर तेज़ी लाने के साथ-साथ युवाओं और विद्यार्थियों के लिए कल्याण की चिंता कर इनके हित में निर्णय लेना भी हमारा कर्तव्य है। विद्यार्थियों के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय हमारी सरकार ले चुकी है और यह आगे भी लगातार जारी रहेंगी।

मंदसौर की चौपट यातायात व्यवस्था पहुंची लोक अदालत : एसपी, ट्रॉफिक टीआई और सीएमओ के खिलाफ याचिका प्रस्तुत

अभिभाषक डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने उठाई मांग, 8 अगस्त को होगी अगली सुनवाई, प्रमुख चौराहों पर ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती की मांग

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की चौपट यातायात व्यवस्था को लेकर मामला लोकोपयोगी सेवा की लोक अदालत में पहुंचा है। जहां पर अभिभाषक सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. राघवेन्द्रसिंह तोमर ने विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम 1987 अध्याय-6-ए के तहत लोकोपयोगी सेवा की लोक अदालत में पुलिस अधीक्षक, यातायात थाना प्रभारी एवं सीएमओ नगर पालिका के विरुद्ध याचिका प्रस्तुत की है। पुलिस अधीक्षक मन्दसौर को पक्षकार इसलिये बनाया गया है कि इनके अधिन यातायात पुलिस रहती है। जबकि यातायात थाना प्रभारी यातायात व्यवस्था सुचारू रूप से संचालित करने के लिये जिम्मेदार अधिकारी है तथा मंदसौर नगरपालिका के मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर की व्यवस्थाओ के लिये जिम्मेदार अधिकारी है। माननीय न्यायालय ने याचिका को सुनवाई हेतु स्वीकार कर लिया है। विपक्षीगण को सूचना पत्र जारी होंगे। अगली सुनवाई 8 अगस्त को होगी।

जानकारी देते हुए याचिकाकर्ता डॉ. तोमर ने बताया कि शहर के विभिन्न मार्ग जो विपक्षीगण के अधिन मंदसौर नगरपालिका की सीमा में है से हजारो लोग रोज शहर में आते जाते है एवं भगवान पशुपतिनाथ मंदिर में आते जाते है। लेकिन, नगर के प्रत्येक चौराहे पर यातायात व्यवस्था हेतू कोई कर्मचारीयो की तैनाती न होने के कारण सभी को दुर्घटना का खतरा बना हुआ रहता है कई बार बच्चो की स्कुल बसे व अन्य वाहन इस अव्यवस्था का शिकार होते है।

उन्होंने बताया कि रेवास देवड़ा रोड़ पर रामटेकरी चौराहा से लेकर उत्सव पेट्रोल पंप, रामटेकरी गरबा चौराहा, डबल स्टोरी कुमावत धर्मशाला रोड़ के पास पुराने आदर्श स्कूल तिराहे तक पुरे रास्ते मे अव्यवस्थित रूप से वाहन खड़े रहते है यहा पर कई बार जाम लग जाता है जिससे आने जाने वालो को बहुत परेशानिया उठाना पड़ती है, क्योकि इस मार्ग से रेवास देवड़ा आदि गाव व प्रतापगढ रोड़, एम आई टी कालेज, बायपास, मेडिकल कालेज, 500 क्वार्टर, देव डूंगरी माताजी धार्मिक स्थल आने जाने वालो की संख्या बढ़ती जा रही है। यातायात दबाव होने के कारण यहा की व्यवस्थाए ठीक होना आवश्यक है।

इसी प्रकार श्री कोल्ड चौराहा से लेकर महाराणा प्रताप चौराहा, संजय गांधी उद्यान रास्ता, पुलिस कंट्रोल रूम, सब्जी मंडी चौराहा, गुप्ता कचौरी चौराहा, सहकारी बैंक चौराहा, सरदार पटेल चौराहा, स्टेशन चौराहा, पुलिस पेट्रोल पंप चौराहा तथा जिला जेल के सामने किसी भी प्रकार की यातायात व्यवस्था विपक्षीगण द्वारा निर्धारित नही की जाने से इन स्थानो पर प्रतिदिन दिनभर जाम जैसी स्थिती निर्मीत रहती है तथा कई वाहन आपस मे टकरा जाने से विवाद होते रहते है। पुलिस पेट्रोल पंप चौराहे पर तो यातायात थाना स्थित है इसके बावजूद भी इस चौराहे पर कोई भी ट्राफिक व्यवस्था के लिये तैनाती नहीं की गई है। इस प्रकार विपक्षीगण द्वारा घोर लापरवाही की जा रही है।

इसी प्रकार सिविल हास्पिटल चौराहा, गांधी चौराहा, युवराज क्लब रोड, नेहरू बस स्टेंड बालाजी चौराहा, भारत माता चौराहा, कालीदास मार्ग, घंटाघर, सदरबाजार, मंडी गेट, सम्राट मार्केट, कालाखेत, शुक्ला चौक, नयापुरा रोड़ तथा पशुपतिनाथ रोड जैसे महत्वपुर्ण स्थानो पर विपक्षीगण द्वारा यातायात व्यवस्था के लिये किसी प्रकार की कोई तैनाती नहीं की गई है। विपक्षीगण सिर्फ गरीबो व छोटे मोटे रोजगार करने वाले सब्जी बेचने वालो पर दबाव बनाकर चालानी कार्यवाही करते है, इसके अलावा व्यवस्था को सुधारने के लिये किसी प्रकार का कोई प्रयास इनके द्वारा नहीं किया गया, जिस कारण नगर की यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। सभी आने जाने वाले आम नागरीकों के साथ साथ विशिष्ट जनों को भी इस अव्यवस्था का शिकार समय समय पर होना पड़ रहा है। विपक्षीगण व उनके अधीन विभाग की घोर लापरवाही के कारण आज तक शहर से उक्त समस्या का समाधान नही किया है। बार बार शिकायत करने पर भी कोई भी कार्यवाही नहीं की जा रही है। जिस कारण आम जन के साथ इस संबंध में शहर के प्रत्येक व्यक्ति के मन मे भारी आकोष उत्पन्न हो रहा है। क्योंकि इस अव्यवस्था के कारण भविष्य में और कोई बड़ी गंभीर दुर्घटना घटित हो सकती है। जिस कारण भी श्रीमान न्यायालय के समक्ष यह आवेदन पत्र प्रस्तुत करना आवश्यक हुआ है।

याचिका में चाही गई सहायता

अ-विपक्षीगण को निर्देशित किया जावे कि शहर की अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था को तुरंत सुधारा जावे। प्रत्येक मुख्य चौराहो पर यातायात विभाग के कर्मचारीयो की नियुक्ति की जावे। तथा उनकी निगरानी की जावे कि वह अपने कर्तव्यो का पालन कर रहे है या नहीं।

ब-विपक्षीगण की इस घोर लापरवाही के कारण प्रार्थी व आने जाने वाले राहगीरो को समय के साथ साथ शारिरिक व मानसिंक पीडा व आर्थिक हानि के लिये जो भी न्यायोचित कार्यवाही हो वह विपक्षीगण के विरूद्ध की जावे।

स-अन्य सहायता जो भी श्रीमान न्यायालय उचित समझे प्रदान की जावे।

एसपी कप फुटबॉल टूर्नामेंट के जरिए युवाओं को मिलेगा नशामुक्ति का संदेश

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित प्रदेशव्यापी नशे से दूरी है जरूरी अभियान 2.0 के अंतर्गत युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से जागरूक करने तथा उन्हें खेल एवं सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से जिला पुलिस नीमच द्वारा एसपी कप फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रतियोगिता 26 से 30 जुलाई 2026 तक दशहरा मैदान, नीमच में आयोजित की जाएगी। पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास के निर्देशन में आयोजित इस पहल का उद्देश्य खेलों के माध्यम से युवाओं में नशामुक्त जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। प्रतियोगिता में जिले की 17 फुटबॉल टीमें भाग लेंगी, जो खेल भावना के साथ-साथ नशामुक्ति का संदेश भी जन-जन तक पहुंचाएंगी। टूर्नामेंट की तैयारियों के संबंध में पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने पुलिस कंट्रोल रूम में विभिन्न फुटबॉल क्लबों के सचिवों की बैठक लेकर आयोजन की रूपरेखा पर चर्चा की। बैठक में प्रतियोगिता के सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा सभी टीमों से खेल भावना एवं अनुशासन के साथ सहभागिता सुनिश्चित करने का आग्रह किया गया।

जिला पुलिस द्वारा अभियान के दौरान प्रतिदिन विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयोजित यह फुटबॉल प्रतियोगिता युवाओं को नशे से दूर रखते हुए खेलों के प्रति प्रेरित करने और समाज में नशामुक्ति के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने की एक अभिनव पहल है।

विधायक डॉ. राजेन्द्र पांडेय के प्रयासों से दो प्रमुख सड़क निर्माण कार्यों स्वीकृति मिली

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावरा विधानसभा क्षेत्र में विकास की प्राथमिकता को लेकर विधायक डॉ राजेन्द्र पांडेय द्वारा किये जा रहे निरन्तर प्रयासों को सफलता मिलती जा रही है। क्षेत्र के दो प्रमुख सड़क मार्गो के लिए 56 करोड़ 50 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति जारी हो गई है। जिससे क्षेत्र में हर्ष का वातावरण है। आगामी दिनों के कार्य प्रारंभ हो सकेगा। उल्लेखनीय है कि विधायक डॉ पांडेय जावरा विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रो की सड़क मार्गो के निर्माण के लिए लम्बे समय से प्रयासरत है। जिसके फलस्वरूप समय समय पर स्वीकृति भी प्राप्त हो रही है। बीते दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की घोषणा के बाद स्वीकृति के लिए किए जा रहे प्रयासों में सफलता मिल गयी है। लोक निर्माण विभाग ने 56 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से दो प्रमुख सड़क मार्गो की प्रशासकीय स्वीकृति जारी कर दी है। जिसमे 20 कि.मी. लम्बे ग्राम राकोदा से माऊखेड़ी-रियावन-कालूखेड़ा मार्ग एवं 9.50 कि.मी. लम्बे ग्राम मावता से रियावन-बडायला माताजी पहुँच मार्ग निर्माण है। इस सम्बंध में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने विधायक डॉ पांडेय को इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासकीय स्वीकृति जारी होने के साथ ही टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। आगामी दिनों में कार्य भी प्रारम्भ हो सकेगा। विधायक डॉ पांडेय ने बताया कि विकास का क्रम निरन्तर जारी रहेगा। क्षेत्र में सम्पर्क मार्गो को भी प्राथमिकता दी जा रही है। क्षेत्र में लगभग 20 करोड़ से अधिक की लागत के 5 प्रमुख सड़क मार्गो के प्रस्ताव दिए है। जिनकी स्वीकृति भी शीघ्र प्राप्त होगी।

एक झटके में बिना सूचना के कर्मचारियों निकालना, क्या यह दादागिरी है, घर की दुकान है या मनमानी है?

54 आउटसोर्सिंग स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को कॉमथेन सिक्योरिटी सर्विस द्वारा हटाया, पूर्व विधायक सिसौदिया ने दिया वक्तव्य

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गत दिवस मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गोविंद सिंह चौहान को कलेक्टर अदिति गर्ग की अनुशंसा पर कमिश्नर उज्जैन द्वारा निलंबित किया, विभिन्न आरोपों में कॉमथेन आउटसोर्स सर्विस द्वारा मोटी रकम लेकर नियुक्तियां दिए जाने का आरोप भी सम्मिलित था।

पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने अपने वक्तव्य में कहा है कि 23 जुलाई 2026 का एक पत्र सोशल मीडिया पर आज वायरल हो रहा है कि आउटसोर्स सर्विस कंपनी ने मंदसौर जिले के खंड चिकित्सा अधिकारी ब्लॉक सीतामऊ, मल्हारगढ़, मेलखेड़ा, (गरोठ) तथा संधारा (भानपुरा) को 1 जुलाई 2026 से कार्य मुक्त कर दिया जाए, सर्विस कंपनी समय पर वेतन भुगतान नहीं मिलने का बहाना करते हुए दबाव बनाने की रणनीति के अंतर्गत इन कर्मचारियों को कार्य मुक्त किए जाने को लेकर यह प्रक्रिया अपना रहीं है। कंपनी अचानक सीएमएचओ के निलंबन की कार्रवाई के बाद अभी तत्काल यह कह रही है कि मार्च और अप्रैल का भुगतान किया जा चुका है।

लेकिन, लंबित बिलों का भुगतान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा नहीं किया जा रहा है, इसलिए कंपनी को आर्थिक परेशानियों से जूझना पड़ रहा है, कंपनी ने यह बात 1 जुलाई से पहले क्यों नहीं की आज जो पत्र जारी किया है, वह 1 जुलाई को क्यों नहीं जारी किया गया, आज 23 जुलाई को पत्र क्यों जारी किया गया? वह भी इस आशय के साथ की 1 जुलाई से आउटसोर्सिंग के कर्मचारियों को मुक्त कर दिया जाए, क्या यह दादागिरी है, मनमानी है, घर की दुकान है?,

आउट सोर्सिंग कंपनी शुरू से विवादित रही है, देवास में यह ब्लैकलिस्टेड घोषित हो चुकी है, मंदसौर में भी बताया जा रहा है कि बगैर प्रक्रिया और बगैर टेंडर के दो वर्षों तक जिले में निलंबित मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर गोविंद चौहान के दिशा - निर्देश पर मिली भगत के साथ काम किया था और शुरू से ही मंदसौर जिले में यह कंपनी विवादित रही है। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य प्रशासन विभाग कॉमथेन आउटसोर्सिंग कंपनी की इस कारगुजारी और मनमानी को संज्ञान में लें तथा संपूर्ण प्रक्रिया को नियमानुसार कर्मचारियों का हित ध्यान रखते हुए करने में सहायक सिद्ध बने।

कोतवाली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एमडी तस्करी मामले में 'एंबुलेंस वाला' जमील गिरफ्तार

इंदौर क्राइम ब्रांच के एनडीपीएस केस में भी रहा आरोपी, अब तक 8 गिरफ्तार, कई फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुये दिनांक 07 मई 2026 को थाना कोतवाली पुलिस के द्वारा अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुये आरोपी इमरान पिता मीरगुल उर्फ बंटी पठान उम्र 25 साल निवासी ग्राम दावतखेडी मंदसौर के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 500 ग्राम एमडी व 500 अफीम जप्त किया जाकर आरोपी को गिरफ्तार किया था एवं थाना शहर कोतवाली पर एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18,22,29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया जाकर अनुसंधान मे लिया गया था।

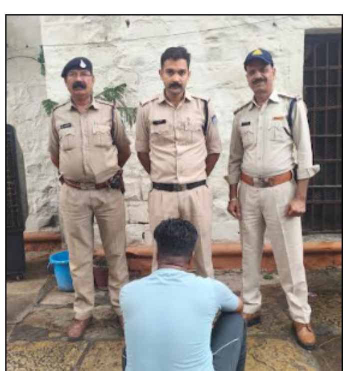

उक्त प्रकरण में आरोपी इमरान पठान से प्रारंभिक पूछताछ की जाकर आरोपी का 07 दिवस का पुलिस रिमांड पुलिस के द्वारा प्राप्त किया गया था। उक्त प्रकरण मे आरोपी इमरान से पूछताछ के दौरान घटना से संबधित अन्य आरोपीयों के बारे मे जानकारी दी थी। जानकारी अनुसार प्रकरण मे पुलिस के द्वारा पूर्व में अनेक आरोपियो की भूमिका के संबध में जानकारी देते हुये अपराध में उनकी संलिप्तता की जानकारी दी थी। जिस पर कोतवाली पुलिस द्वारा 06 अन्य आरोपीयों 01-महावीर पिता रामसिह चोहान जाति राजपूत उम्र 45 साल निवासी शनि विहार कोलोनी, 02-सादिक पिता शाकिर गढवी मुल्तानी उम्र 26 साल निवासी नरसिहपुरा मंदसोर, 03- सलमान पिता अनवर शाह उम्र 29 साल निवासी श्रृंगार गली 04- शाकिर उर्फ चेला पिता शब्बीर उर्फ बाबु खा मेवाती उम्र 61 साल निवासी मदारपुरा चांदनी चौक मंदसौर 05- असलम हुसैन पिता अख्तर हुसैन उम्र 43 साल नि खिलचीपुरा मंदसौर 06- परमानंद उर्फ बाबु सिंधी पिता ईश्वर सिंधी उम्र 53 साल निवासी कोलगर गली जनकुपुरा मंदसौर को पूर्व में गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया था, जो बाद न्यायालय द्वारा सभी गिरफ्तार आरोपियो को जेल भेजा गया। उक्त प्रकरण में मुख्य आरोपी से की गई पूछताछ के क्रम में कोतवाली पुलिस दवारा कार्यवाही करते हुये आरोपी जमील पिता जाकीर शाह जाति फकीर उम्र 32 साल निवासी धारियाखेडी जिला मंदसौर हाल मुकाम लाल बाग रामपुरा जिला नीमच को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। जिसे गिरफ्तार कर जेल भेजने बाबत माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया है। उक्त प्रकरण मे अन्य अनेक आरोपी है जिनकी भी गिरफ्तारी किया जाना शेष है, अनुसंधान जारी है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह राठौर थाना प्रभारी कोतवाली व थाना शहर कोतवाली मदंसौर की पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही।

कृषि अधिकारियों ने किया खेतों एवं शासकीय कृषि प्रक्षेत्र का निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के उप संचालक श्री नगीनसिंह रावत के नेतृत्व में विभागीय अधिकारियों के संयुक्त दल ने शुक्रवार को मनासा एवं रामपुरा क्षेत्र के विभिन्न गांवों के साथ ही शासकीय कृषि प्रक्षेत्र महागढ़ का निरीक्षण कर खरीफ फसलों की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया।

संयुक्त दल ने ग्राम दूधलई, जन्नोद, लसुडिया इस्तमुरार, हरीपुरा सहित आसपास के विभिन्न गांवों के खेतों का भ्रमण कर सोयाबीन, मक्का, मूंगफली एवं उड़द की फसलों का निरीक्षण किया। विगत चार-पांच दिनों से हुई लगातार वर्षा के कारण खरीफ फसलों की स्थिति संतोषजनक पाई गई। निरीक्षण के दौरान मिट्टी में नमी तथा फसलों में कीट एवं रोगों की संभावित स्थिति का आकलन किया गया। किसानों को फसलों की नियमित निगरानी रखने तथा आवश्यकता होने पर वैज्ञानिक अनुशंसाओं के अनुरूप समय पर नियंत्रण उपाय अपनाने की सलाह दी गई।

अधिकारियों ने अधिक खरपतवार प्रभावित खेतों में समय पर निंदाई-गुड़ाई कराने की सलाह देते हुए वर्तमान मौसम के अनुरूप फसलों के समुचित प्रबंधन एवं आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय अपनाने पर बल दिया।

इसके पश्चात संयुक्त दल ने शासकीय कृषि प्रक्षेत्र महागढ़ का निरीक्षण कर सोयाबीन फसल की स्थिति, कीट एवं रोग प्रबंधन तथा प्रक्षेत्र में चल रहे खरपतवारनाशी स्प्रे कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का अवलोकन किया। इस दौरान फसलों की नियमित मॉनिटरिंग, वैज्ञानिक कृषि प्रबंधन एवं समयबद्ध खरपतवार नियंत्रण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि फसलों की स्वस्थ वृद्धि एवं बेहतर उत्पादन सुनिश्चित हो सके।

भ्रमण के दौरान किसानों को उर्वरक वितरण की ई-विकास प्रणाली के माध्यम से ई-टोकन बुक करने की प्रक्रिया की जानकारी भी दी गई। किसानों ने बताया कि इस व्यवस्था से उन्हें उर्वरक प्राप्त करने में सुविधा हो रही है तथा निर्धारित मूल्य पर पारदर्शी तरीके से खाद उपलब्ध हो रही है।

उप संचालक कृषि ने किसानों से अपील की कि उर्वरक, बीज अथवा कीटनाशक दवाइयां खरीदते समय विक्रेता से पक्का बिल अवश्य प्राप्त करें। यदि कोई विक्रेता बिल देने से इनकार करे अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक राशि वसूल करे, तो इसकी सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

गुरु पूर्णिमा पखवाड़ा अंतर्गत करियर मार्गदर्शन एवं प्रेरक व्याख्यान आयोजित

स्पष्ट लक्ष्य,अनुशासन और सतत अध्ययन से ही बनता है सफल व्यक्तित्व - सीईओ जेडपी श्री वैष्णव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राज्य शिक्षा केंद्र, भोपाल के निर्देशानुसार जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), नीमच में आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत शुक्रवार को करियर मार्गदर्शन एवं प्रेरक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अमन वैष्णव ने प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका का बोध कराया तथा जीवन में अनुशासन, सतत अध्ययन, समय प्रबंधन और सकारात्मक सोच को सफलता का मूल मंत्र बताया।

उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। स्पष्ट लक्ष्य, निरंतर परिश्रम, सीखने की ललक, तकनीकी दक्षता तथा श्रेष्ठ मार्गदर्शन ही व्यक्ति को जीवन में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाते हैं। उन्होंने प्रशिक्षुओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, व्यक्तित्व विकास, संवाद कौशल, प्रशासनिक सेवाओं एवं विभिन्न रोजगार एवं करियर के अवसरों की जानकारी देते हुए स्वयं को समय के अनुरूप निरंतर विकसित करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि शिक्षक का दायित्व केवल शिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि वह समाज और राष्ट्र निर्माण का प्रमुख आधार है। प्रत्येक शिक्षक को अपने कार्यकाल के दौरान यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उसके योगदान से समाज और राष्ट्र को सकारात्मक दिशा मिले।

व्याख्यान के दौरान प्रशिक्षुओं ने उत्साहपूर्वक विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे, जिनका मुख्य अतिथि ने सरल, व्यवहारिक एवं प्रेरक उदाहरणों के माध्यम से समाधान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती गायत्री सापेड़िया ने तथा आभार प्रदर्शन सुश्री वर्षा भारती ने किया। कार्यक्रम में डाइट परिवार के संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं लगभग 105 प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

डाइट नीमच में 15 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित गुरु पूर्णिमा पखवाड़े के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, योग एवं ध्यान, स्वच्छता एवं जनजागरूकता अभियान सहित विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। आगामी 27 जुलाई को भाषण प्रतियोगिता तथा 29 जुलाई को समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं का सम्मान किया जाएगा। इस पखवाड़े का उद्देश्य भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा, नैतिक मूल्यों, व्यक्तित्व विकास एवं राष्ट्र निर्माण की भावना को सुदृढ़ करना है।

मंदसौर में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सशक्त बनाने हेतु राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

लघु उद्योग भारती एवं पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण का संयुक्त प्रयास

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लघु उद्योग भारती मंदसौर इकाई द्वारा पेंशन निधि विनियामक एवं विकास प्राधिकरण के सहयोग से होटल वृंदा बाय अग्रवाल्स, मंदसौर में राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली विषयक जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 40 सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुकेश कुमार गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रबंधक, इंडियन बैंक, इंदौर, पूजा सोलंकी, वरिष्ठ प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, मंदसौर मुख्य शाखा तथा यूटीआई पेंशन फंड के प्रतिनिधि ने सक्रिय भागीदारी करते हुए एमएसएमई के लिए सुव्यवस्थित सेवानिवृत्ति योजना की आवश्यकता एवं एनपीएस के लाभों पर विस्तार से जानकारी प्रदान की।

कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. सौरभ तोमर, अध्यक्ष, लघु उद्योग भारती मंदसौर के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने कहा कि एमएसएमई देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनके कर्मचारियों की दीर्घकालिक वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना उद्योगों की सामाजिक जिम्मेदारी भी है। इसके पश्चात प्रगति सिंह, सहायक निदेशक, एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश शासन ने विशेष संबोधन देते हुए उद्यमियों से कर्मचारियों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए एनपीएस जैसी योजनाओं को अपनाने का आग्रह किया। अजिंक्य देशपांडे, सहायक प्रबंधक, पीएफआरडीए ने एनपीएस का विस्तृत परिचय प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह योजना कर्मचारियों को वित्तीय सुरक्षा एवं सम्मानजनक सेवानिवृत्ति जीवन प्रदान करने का प्रभावी माध्यम है। उन्होंने एमएसएमई से आग्रह किया कि वे अपने कर्मचारियों को इस महत्वपूर्ण पेंशन एवं निवेश योजना की जानकारी दें, जिससे उनमें नियमित निवेश की आदत विकसित हो तथा भविष्य सुरक्षित हो सके। तकनीकी सत्र में अजिंक्य देशपांडे (सहायक प्रबंधक, पीएफआरडीए), अमोल कलमकर (सहायक प्रबंधक, यूटीआई पेंशन निधि) तथा अभिजीत मिश्रा (प्रबंधक, इंडियन बैंक) ने एनपीएस की पंजीयन प्रक्रिया, पेंशन लाभों एवं विभिन्न निवेश विकल्पों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने औद्योगिक इकाइयों में विशेष जागरूकता शिविर आयोजित कर कर्मचारियों को जानकारी देने में सहयोग का आश्वासन भी दिया। उपस्थित एमएसएमई ने इस पहल का स्वागत करते हुए सहयोग की सहमति व्यक्त की। लघु उद्योग भारती मंदसौर एवं पीएफआरडीए का यह संयुक्त प्रयास मध्यप्रदेश के एमएसएमई क्षेत्र में आर्थिक समावेशन, वित्तीय जागरूकता एवं दीर्घकालिक सामाजिक सुरक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी श्रीकांत अग्रवाल सहित अनेक सदस्य एवं मंदसौर के गणमान्य उद्यमी उपस्थित रहे। अंत में हर्षित सोंगरा, सचिव, लघु उद्योग भारती मंदसौर ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन स्मृति-चिह्न वितरण एवं पारस्परिक परिचय तथा लंच के साथ हुआ।

2 साल पूरे होने से 6 दिन पहले हटीं अदिति गर्ग, भोपाल से आए कलेक्टर बनकर दिव्यांक सिंह

मुख्य सचिव के पदभार के 24 घंटे में मंदसौर सहित कई कलेक्टर बदले

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन ने शुक्रवार देर रात बड़ा प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 20 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए। नए मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल के पदभार संभालने के 24 घंटे के भीतर जारी आदेश में मंदसौर कलेक्टर अदिति गर्ग को भी बदला गया है। 2015 बैच की आईएएस अधिकारी अदिति गर्ग का तबादला कर उन्हें संचालनालय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति में अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अदिति गर्ग ने 29 जुलाई 2024 को मंदसौर कलेक्टर का पदभार लिया था, उनका 2 वर्ष का कार्यकाल 6 दिन बाद पूरा होना था। अदिति गर्ग के स्थान पर 2017 बैच के आईएएस अधिकारी दिव्यांक सिंह को मंदसौर का नया कलेक्टर नियुक्त किया गया है। दिव्यांक सिंह वर्तमान में भोपाल में अपर आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के पद पर पदस्थ थे। वे जल्द ही मंदसौर में कार्यभार संभालेंगे। भोपाल से जारी आदेश में प्रदेश के विभिन्न जिलों के कलेक्टरों सहित विभागों में पदस्थ अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां दी गई हैं।

सम्पादकीय

व्यक्ति-क्रांति से धर्म-क्रांति के पुरोधाः युगद्रष्टा आचार्य भिक्षु

भारतीय आध्यात्मिक परम्परा में कुछ महापुरुष ऐसे हुए हैं जिन्होंने केवल धर्म का उपदेश नहीं दिया, बल्कि धर्म की आत्मा को पुनः प्रतिष्ठित किया। वे परम्परा के अनुयायी भर नहीं बने, बल्कि समय की आवश्यकताओं के अनुरूप धर्म को नया जीवन, नई दृष्टि और नई दिशा दी। ऐसे ही युगद्रष्टा थे आचार्य श्री भिक्षु। उन्होंने धर्म को कर्मकाण्ड, आडम्बर और रूढ़ियों के बंधनों से मुक्त कर सत्य, अहिंसा, संयम, आत्मानुशासन और चरित्र-निर्माण की सुदृढ़ भूमि पर स्थापित किया। इसीलिए वे केवल तेरापंथ धर्मसंघ के संस्थापक नहीं, बल्कि भारतीय धार्मिक चेतना में धर्म-क्रांति के महान पुरोधा माने जाते हैं। आचार्य भिक्षु के जन्म त्रिशताब्दी वर्ष का समापन 27 जुलाई 2026 को हो रहा है। पूरे वर्ष देश-विदेश में विविध आध्यात्मिक, वैचारिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उनके जीवन और दर्शन का व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ। इस राष्ट्रीय अभियान का नेतृत्व तेरापंथ धर्मसंघ की 113 वर्ष पुरानी सर्वोच्च संस्था जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा ने किया। आचार्य कालूगणी की प्रेरणा से स्थापित और आचार्य तुलसी के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित इस संस्था ने त्रिशताब्दी वर्ष को केवल उत्सव तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे मूल्य-जागरण का राष्ट्रीय अभियान बना दिया।

जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के अध्यक्ष श्री महेन्द्र नाहटा ने आचार्य भिक्षु को श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हुए कहा कि आचार्य भिक्षु केवल एक महान संत नहीं, बल्कि दिव्य चेतना और युगदृष्टा व्यक्तित्व के धनी थे। लगभग 300 वर्ष पूर्व उन्होंने जिस धर्मसंघ की स्थापना सत्य, अहिंसा, मर्यादा, अनुशासन और चरित्र के आधार पर की थी, वह आज भी निरंतर गतिशील होकर देश और दुनिया को नैतिकता, मानवीय मूल्यों और आध्यात्मिक जीवन की नई दिशा दे रहा है। उन्होंने कहा कि आचार्य भिक्षु का दर्शन किसी एक संप्रदाय की सीमाओं में बंधा नहीं है, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए प्रेरणा का स्रोत है। व्यक्ति-निर्माण से समाज-निर्माण और समाज-निर्माण से विश्व-कल्याण का उनका चिंतन आज के अशांत और मूल्य-संकट से जूझते विश्व के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। आचार्य भिक्षु का जीवन हमें सिखाता है कि सत्य पर अडिग रहकर, मर्यादा का पालन करते हुए और आत्मानुशासन को जीवन का आधार बनाकर ही स्थायी शांति और समृद्धि का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है।

आचार्य भिक्षु ऐसे समय में प्रकट हुए जब धर्म का स्वरूप अपने मूल उद्देश्य से भटक चुका था। बाह्याचार को धर्म मान लिया गया था, कर्मकाण्ड को साधना समझा जाने लगा था और सम्प्रदायगत प्रतिस्पर्धा ने आध्यात्मिकता की गरिमा को धूमिल कर दिया था। ऐसे वातावरण में उन्होंने निर्भीक होकर घोषणा की कि धर्म का संबंध बाहरी प्रदर्शन से नहीं, बल्कि मनुष्य के अंतःकरण की पवित्रता से है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जहां सत्य नहीं-वहां धर्म नहीं, जहां अहिंसा नहीं-वहां साधना नहीं और जहां चरित्र नहीं-वहां आध्यात्मिकता केवल आडम्बर है। आचार्य भिक्षु का सबसे बड़ा योगदान यह था कि उन्होंने साधुता की नई परिभाषा प्रस्तुत की। उनके अनुसार साधु होना केवल वेश बदल लेना नहीं, बल्कि अपने भीतर के अहंकार, लोभ, मोह और स्वार्थ का त्याग करना है। उन्होंने साधु जीवन को समाज के लिए आदर्श, अनुशासन और आत्मसंयम का जीवंत उदाहरण बनाया। उन्होंने कहा कि साधु का मूल्य उसके ज्ञान से पहले उसके चरित्र में है, उसके उपदेश से पहले उसके आचरण में है। इसीलिए उन्होंने साधु जीवन को कठोर मर्यादाओं से जोड़ा और स्वयं उनका अक्षरशः पालन किया।

आचार्य भिक्षु ने केवल उपदेश नहीं दिए, बल्कि मर्यादाओं का सुव्यवस्थित विधान निर्मित किया। ये मर्यादाएं किसी प्रकार का बंधन नहीं थीं, बल्कि साधना की सुरक्षा-रेखाएं थीं। उनका विश्वास था कि मर्यादा के बिना न व्यक्ति टिक सकता है, न संगठन और न ही धर्म। अनुशासन को उन्होंने धर्मसंघ की आत्मा माना। यही कारण है कि तेरापंथ धर्मसंघ की विशिष्ट पहचान उसकी मर्यादा, अनुशासन और एकसूत्रता रही है। आचार्य भिक्षु ने संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में केवल तेरह श्रावकों के साथ नए धर्मसंघ की स्थापना की। उन्होंने कभी संख्या को सफलता का आधार नहीं माना। उनके लिए गुणवत्ता, चरित्र और सत्य ही वास्तविक शक्ति थे। उन्होंने अपने धर्मसंघ को प्रभु के चरणों में समर्पित करते हुए कहा- 'यह तेरा पंथ है।'

आध्यात्मिक ज्ञान तर्क का नहीं अनुभव का विषय है

बूझ सरीखी बात है, कहन सरीखी नाहि।
जेते ज्ञानी देखिए, तेते संसै माहि॥

-संत कबीर

संत कबीर के इस अमूल्य दोहे में आध्यात्मिक जीवन का गहन सत्य निहित है। वे कहते हैं कि आत्मसाक्षात्कार और स्व-स्वरूप का ज्ञान तर्क, वाद-विवाद या शब्दों के माध्यम से प्राप्त नहीं होता। यह अनुभव का विषय है। केवल शास्त्रों का अध्ययन या वाचिक ज्ञान मनुष्य को सत्य तक नहीं पहुँचाता; सत्य का बोध तभी होता है जब उसे स्वयं अपने भीतर अनुभव किया जाए।

परम पूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रणीत सहजयोग इसी अनुभूति का सहज एवं वैज्ञानिक मार्ग है। यह किसी मत, पंथ या दर्शन का विषय नहीं, बल्कि आत्मसाक्षात्कार की प्रत्यक्ष अनुभूति कराने वाली ध्यान-पद्धति है। सहजयोग का उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के भीतर स्थित उस दिव्य चेतना को जागृत करना है, जो उसे मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक संतुलन प्रदान करती है।

सामान्यतः जब हम ध्यान करने के लिए आँखें बंद करते हैं, तब मन विचारों के अनवरत प्रवाह में उलझा रहता है। अतीत की स्मृतियाँ और भविष्य की चिंताएँ हमें वर्तमान क्षण में स्थिर नहीं रहने देतीं। हम कुछ ही क्षणों के लिए भी पूर्णतः शांत नहीं रह पाते। ऐसे में स्वयं से एक प्रश्न पूछना उचित होगा, क्या मैं एक क्षण के लिए भी निर्विचार रह सकता हूँ?

सहजयोग में साधक को अपने सूक्ष्म तंत्र—सात चक्रों, तीन नाड़ियों (इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना) तथा कुंडलिनी शक्ति—का परिचय कराया जाता है। आत्मसाक्षात्कार के पश्चात कुंडलिनी का जागरण साधक को सुषुम्ना मार्ग से सहस्रार चक्र तक ले जाता है, जहाँ वह निर्विचार चेतना का अनुभव करता है। यह वह अवस्था है जिसमें मन विचारों से परे होकर पूर्ण शांति, जागरूकता और आनंद का अनुभव करता है।

सहजयोग में साधक को साधना के प्रारंभ में ही निर्विचार चेतना का अनुभव प्राप्त हो जाता है। इसके पश्चात आत्मपरीक्षण और नियमित ध्यान के माध्यम से वह अपने चित्त को निर्मल बनाता है, अपने दोषों को पहचानकर उनसे मुक्त होने का प्रयास करता है तथा अपने जीवन को अधिक संतुलित, प्रेमपूर्ण और सदाचारी बनाता है।

सहजयोग की विशेषता यह है कि इसमें आध्यात्मिक ज्ञान केवल सिद्धांत नहीं रहता, बल्कि प्रत्यक्ष अनुभूति बन जाता है। विभिन्न धर्मग्रंथों में जिस आत्मज्ञान, परम आनंद और ईश्वर से एकत्व का वर्णन उपमाओं एवं दृष्टांतों के माध्यम से किया गया है, सहजयोग में साधक उसे स्वयं अनुभव कर सकता है। यही अनुभव उसके जीवन में स्थायी शांति, करुणा, विवेक और आनंद का संचार करता है।

आज की भागदौड़, तनाव और मानसिक अशांति से भरी जीवनशैली में सहजयोग प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं से जुड़ने, अपने भीतर की शांति को पहचानने और एक संतुलित जीवन जीने का सरल एवं प्रभावी मार्ग प्रदान करता है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह पूर्णतः सहज, सार्वभौमिक और निःशुल्क है।

डिजिटल दौर की पत्रकारिताः सुविधा बढ़ी, विश्वसनीयता की कसौटी भी

खबरों का सफर अब समाचार कक्षों से नहीं, हथेली पर जगमगाती स्क्रीन से तय हो रहा है। उँगली के एक स्वाइप से बहती समाचार-धारा और कुछ सेकंड के वीडियो करोड़ों लोगों की सूचना-दुनिया तय कर रहे हैं। रॉयटर्स इंस्टीट्यूट की डिजिटल न्यूज रिपोर्ट 2026 इस बदलाव का प्रामाणिक दस्तावेज है। रिपोर्ट के अनुसार 48 देशों में पहली बार सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म्स (54त्न) समाचारों के प्रमुख स्रोत बनकर टेलीविजन (52त्न) तथा समाचार वेबसाइट्स/ऐप्स (51त्न) से आगे निकल गए हैं। अब लोग निश्चित समय पर समाचारों की प्रतीक्षा नहीं करते, बल्कि स्क्रॉल करते हुए, छोटी वीडियो क्लिप और न्यूज़ कंटेंट क्रिएटर्स की दृष्टि से घटनाओं को समझते हैं। यह बदलाव केवल तकनीक का नहीं, बल्कि सूचना-उपभोग, ध्यान और विचार-निर्माण की बदलती संस्कृति का संकेत है।

सूचना की इस नई दौड़ में ठहराव हार रहा है, रफ्तार जीत रही है। लंबे विश्लेषणों की जगह शॉर्ट वीडियो प्रभावी हो रहे हैं। युवा वर्ग शॉर्ट वीडियो, विजुअल कंटेंट और त्वरित जानकारी को प्राथमिकता दे रहा है। नतीजतन सोशल मीडिया और वीडियो प्लेटफॉर्म समाचारों के प्रमुख स्रोत बन चुके हैं। भारत सहित कई उभरते देशों में बदलाव तेज है, जहाँ डिजिटल पहुँच बढ़ रही है। इसका असर पारंपरिक समाचार संस्थानों पर पड़ा है, जिनके पाठक और वेबसाइट ट्रैफिक घट रहे हैं। अब प्रतिस्पर्धा समाचारों की नहीं, दर्शकों का ध्यान बनाए रखने की है। ध्यान अवधि घटने के बावजूद विश्वसनीय और गहन सामग्री का महत्व बढ़ा है। भारत में यूट्यूब समाचारों का प्रमुख स्रोत है, जहाँ 58 प्रतिशत लोग इससे समाचार लेते हैं। सूचना की दुनिया में अब सवाल इंसान पूछ रहा है, जवाब मशीन दे रही है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में लगभग 7 प्रतिशत लोग समाचारों के लिए एआई चैटबॉट का उपयोग कर रहे थे, जो 2026 में बढ़कर 10 प्रतिशत हो गए। भारत और अन्य विकासशील देशों में इसका उपयोग वैश्विक औसत से अधिक है, जबकि यूरोप और अमेरिका में अभी भी सतर्कता बरती जा रही है। किसी भी प्रश्न पर कुछ ही क्षणों में संदर्भ, स्रोतों की तुलना और संक्षिप्त सार देना इसकी सबसे बड़ी क्षमता है। लेकिन यही सुविधा गंभीर चुनौती भी है। यदि तथ्यों का सत्यापन कमजोर पड़ता है, तो निष्पक्षता पर प्रश्न उठ सकते हैं। फिलहाल समाचार जगत में इसकी बढ़ती मौजूदगी भविष्य की स्पष्ट आहट दे रही है।

सूचना के इस दौर में प्रभाव अब संस्थानों से अधिक व्यक्तियों का बढ़ रहा है। रिपोर्ट में मीडिया विशेषज्ञ निक न्यूमैन ने राजनीति और जनमत निर्माण पर इनके प्रभाव को रेखांकित किया है। ये कंटेंट क्रिएटर्स कुछ मिनटों के वीडियो में जटिल विषयों को सरल बनाते हैं और लंबे संवादों से दर्शकों से जुड़ाव बढ़ाते हैं। यही आत्मीयता उन्हें पारंपरिक समाचार संस्थानों से अलग पहचान देती है। किंतु इसी लोकप्रियता के साथ नई चुनौती भी उभर रही है। हर कंटेंट क्रिएटर का अपना दृष्टिकोण और एजेंडा होता है, जो कई बार तथ्यों पर भारी पड़ता है। नतीजतन, सूचना और मत की सीमाएँ धुंधली हो रही हैं, जिससे निष्पक्ष समाचारों की पहचान कठिन हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर लगभग एक-चौथाई लोग न्यूज-फोकस्ड कंटेंट क्रिएटर्स से भी समाचार ले रहे हैं।

खबरें पहले से अधिक हैं, लेकिन भरोसा पहले से कम। राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक दबाव और तकनीकी बदलावों ने सूचना-थकान व संशय बढ़ाए हैं। रिपोर्ट संकेत देती है कि समाचारों में रुचि लगातार घट रही है, जबकि अविश्वास बढ़ता जा रहा है। इसके बावजूद अधिकांश लोग निष्पक्ष और संतुलित समाचारों को लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त मानते हैं। यही आज के समाचार जगत का सबसे बड़ा विरोधाभास है। सार्वजनिक सेवा प्रसारण संस्थानों पर बढ़ता दबाव इस चुनौती को और गहरा कर रहा है। ऐसे समय में विश्वसनीयता प्रचार से नहीं, बल्कि पारदर्शिता, तथ्य-जाँच और उत्तरदायी पत्रकारिता से ही अर्जित होगी।

अब खबरें पढ़ी कम, देखी अधिक जा रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 77 प्रतिशत लोग हर सप्ताह ऑनलाइन न्यूज वीडियो देखते हैं। शॉर्ट वीडियो, लाइव स्ट्रीम, इंटरैक्टिव कंटेंट और आकर्षक विजुअल्स दर्शकों को लंबे समय तक जोड़े रख रहे हैं। इससे मुद्रित समाचार माध्यम और पारंपरिक प्रसारण व्यवस्था अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा से जूझ रहे हैं। किंतु इस तेज़ रफ्तार प्रस्तुति के बीच प्रश्न है—क्या हर आकर्षक दृश्य के पीछे पर्याप्त संदर्भ और तथ्य हैं? कई बार सबसे पहले पहुँचने की होड़ में गहराई, पड़ताल और विश्लेषण पीछे छूट जाते हैं। वास्तविक पत्रकारिता की शक्ति केवल गति में नहीं, बल्कि सत्य की पुष्टि और संदर्भ की संपूर्णता में है। इसलिए बदलते प्रारूपों के साथ पत्रकारिता को अपनी विश्वसनीयता बनाए रखनी होगी।

समाचार संस्थानों के सामने सबसे बड़ा सवाल प्रासंगिक बने रहने का है। एआई आधारित खोज-सारांश ने समाचार वेबसाइटों का गूगल सर्च ट्रैफिक लगभग 33त्न घटा दिया है। रिपोर्ट के अनुसार अगले तीन वर्षों में यह आधे के करीब रह सकता है। एक ओर डिजिटल मंच दर्शकों का ध्यान खींच रहे हैं, दूसरी ओर स्वतंत्र न्यूज़ क्रिएटर प्रतिभाओं को आकर्षित कर रहे हैं। ऐसे समय में अनेक प्रतिष्ठित संस्थान खोजी पत्रकारिता, जमीनी रिपोर्टिंग और मानवीय सरोकारों से जुड़ी कहानियों पर फिर जोर दे रहे हैं। भारत जैसे देशों में, जहाँ विश्वास का संकट पहले से है, यह बदलाव और कठिन होगा। फिर भी पारदर्शिता, विश्वसनीयता और सामाजिक उत्तरदायित्व को आधार बनाने वाली संस्थाएँ ही इस दौर में टिक सकेंगी।

समाचारों का भविष्य अब केवल तकनीक नहीं, हमारी सोच भी तय करेगी। एआई चैटबॉट्स तेजी और सुविधा लाएंगे, न्यूज़ क्रिएटर्स दर्शकों से निकटता बढ़ाएँगे और पारंपरिक मीडिया अपनी विश्वसनीय जड़ों के साथ नई तकनीक अपनाएगा, तो उसकी प्रासंगिकता बनी रहेगी। किंतु सबसे बड़ा प्रश्न तकनीक का नहीं, समाज का है—क्या हम केवल सूचना के उपभोक्ता बनकर रह जाएँगे, या उसे परखकर, समझकर और उसके आधार पर विवेकपूर्ण निर्णय लेने वाले जागरूक नागरिक बनेंगे? भविष्य उसी का होगा, जो बदलते माध्यमों के बीच सत्य की पहचान बनाए रखेगा, क्योंकि अंततः समाचारों की सबसे बड़ी शक्ति गति नहीं, विश्वसनीयता है।

-प्रो. आरके जैन

नीतिगत विफलता हैं पेपरलीक के मामले

भारत में प्रतियोगी परीक्षाएं केवल रोजगार या उच्च शिक्षा में प्रवेश का माध्यम नहीं हैं, बल्कि करोड़ों युवाओं और उनके परिवारों की आकांक्षाओं का आधार हैं। एक छात्र वर्षों तक कठिन परिश्रम करता है, परिवार अपनी बचत को कोचिंग, पुस्तकों और रहने-खाने पर खर्च करता है और पूरा भविष्य एक परीक्षा पर टिका होता है। ऐसे में जब प्रश्नपत्र लीक होने या परीक्षा में अनियमितताओं की खबर सामने आती है तो केवल एक परीक्षा नहीं, बल्कि पूरी व्यवस्था की विश्वसनीयता कठघरे में खड़ी हो जाती है। पिछले कुछ वर्षों में देश ने अनेक बड़े पेपरलीक और परीक्षा विवाद देखे हैं। राजस्थान की रीट, उत्तर प्रदेश की यूपीटेट, विभिन्न राज्यों की पुलिस एवं कर्मचारी चयन आयोगों की भर्ती परीक्षाएं, एसएससी से जुड़े विवाद, यूजीसी-नेट परीक्षा का रद होना तथा नीट पेपरलीक जैसी एक के बाद एक घटनाओं से यह स्पष्ट होता है कि समस्या किसी एक राज्य या संस्था तक सीमित नहीं है। वस्तुतः पेपरलीक की समस्या राजनीतिक से कहीं अधिक नीतिगत और संरचनात्मक विफलता का परिणाम है। इसलिए इसका समाधान भी राजनीतिक नारों में नहीं, बल्कि व्यापक नीतिगत सुधारों में तलाशना होगा। नीट पेपरलीक की घटना केवल परीक्षा संचालन में हुई एक चूक नहीं है। जब तक इसके मूल कारण को नहीं समझा जाएगा, तब तक केवल सख्ती, गिरफ्तारी, प्रशासनिक कार्रवाई या एक मंत्री के इस्तीफे से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। एक सामान्य मध्यमवर्गीय परिवार अपने बच्चे को डाक्टर बनाने के सपने के लिए वर्षों तक लाखों रुपये कोचिंग पर खर्च करता है। अनेक परिवार अपनी क्षमता से कहीं अधिक आर्थिक बोझ उठाते हैं। जब सफलता की संभावना अत्यंत सीमित हो और प्रतिस्पर्धा अत्यधिक तीव्र हो, तब कुछ लोग गलत रास्तों की ओर भी आकर्षित हो जाते हैं। पेपरलीक और परीक्षा माफिया इसी विकृत व्यवस्था की उपज है। इसलिए इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानना पर्याप्त नहीं होगा। दरअसल यह समस्या उस शिक्षा व्यवस्था का परिणाम भी है, जिसमें मेडिकल प्रवेश परीक्षा धीरे-धीरे विद्यालयी शिक्षा से अलग एक समानांतर व्यवस्था बन चुकी है। आज देश में सीबीएसई, आइसीएसई और विभिन्न राज्य बोर्डों के लाखों विद्यार्थी बारहवीं कक्षा की पढ़ाई करते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा का स्वरूप और तैयारी की पद्धति इन बोर्डों की नियमित पढ़ाई से काफी अलग हो चुकी है।

इसी विसंगति ने देश में कोचिंग उद्योग को असाधारण रूप से विस्तार दिया है। समस्या का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू मेडिकल शिक्षा में उपलब्ध सीटों और अभ्यर्थियों की संख्या के बीच लगातार बढ़ती खाई है। हर वर्ष लाखों विद्यार्थी मेडिकल कालेजों में प्रवेश की परीक्षा नीट देते हैं, जबकि सरकारी मेडिकल कालेजों में सीटों की संख्या सीमित है। निजी मेडिकल कालेजों में सीटें अपेक्षाकृत अधिक हैं, लेकिन उनकी फीस इतनी अधिक है कि अधिकांश परिवारों के लिए वहां प्रवेश लेना संभव नहीं होता।

-सुनील कुमार महला

कठोर श्रम के पसीने से जीवन में सफलता का गहरा रहस्य

सफलता रातों रात नहीं मिलती,जो सफलता भाग्य से मिलती है वह जल्द ख़त्म भी हो सकती है। इसलिए निरंतर मेहनत,श्रम करने आदत होनी चाहिए,साथ में यदि उच्च मनोबल हो तो सोने पे सोहागा होती है,और इससे प्राप्त सफलता स्थाई और चिरंतर होती है,जीवन में अच्छे लक्ष्य को लेकर की गई मेहनत सार्थक होती है और कभी व्यर्थ जाया नहीं होती है। वर्तमान के आपाधापी एवं कठिन जीवन शैली में हर व्यक्ति चाहता है कि उसे प्राथमिकता मिले और उसके सब कार्य तत्काल पूर्ण हो जाए। भारत की जनसंख्या के हिसाब से हर स्थान, हर जगह जबरदस्त प्रतियोगिता का वातावरण निर्मित हो चुका है। एक काम के लिए हजारों लोग लाइन में लगे हुए हैं, मूलत किसी पद को पाने के लिए इतनी ज्यादा प्रतियोगिता एवं प्रतिस्पर्धा है कि साधारण कद काठी एवं सामान्य व्यक्तित्व का व्यक्ति भीड़ में कहीं खो जाता है अपने निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने से वंचित रह जाता है।असफलता के कारण मानसिक दबाव जिंदगी भर रहने लगता है, ऐसे व्यक्तित्व विकास मनुष्य के जीवन में एक कड़ी और चुनौतीपूर्ण जीवन रेखा है। एसे में व्यक्ति को शानदार व्यक्तित्व बनाने के लिए बड़ी मेहनत एवं कठिन तपस्या की आवश्यकता होती है। तभी वह इस प्रतिस्पर्धात्मक जीवन शैली में अपने आप को सही और सटीक स्थापित कर पाता है।

व्यक्तित्व विकास के साथ मनुष्य अपना जीवन दूसरों की तुलना में बेहतर तरीके से गुजार पाता है, ऐसे में लोगों एवं आप के संपर्क में आने वाले व्यक्तियों के मन में आपके प्रति सकारात्मक एवं अच्छे विचार आते हैं। आपका प्रभाव भी लोगों पर आपकी कार्यप्रणाली पर अच्छा होने लगता है। अच्छे व्यक्तित्व का मालिक अपने प्रतिदिन के काम में सर्वश्रेष्ठ ऊर्जा तथा शक्ति प्रदान कर पाता है और धीरे-धीरे वह लोगों से अलग दिखाई देने लगता है, आमजन उससे जुड़ना चाहते है, और आपकी तरह बनने के सपने देखने लगते हैं। वर्तमान समय में शायद ऐसा ही कोई व्यक्ति होगा जो शानदार व्यक्तित्व का धनी एवं मालिक ना बनना चाहता होगा। यदि आपकी पर्सनैलिटी याने व्यक्तित्व साधारण एवं निम्न स्तर का है, तो आपको अपने व्यक्तित्व को निखारना ही होगा, तब जाकर आप किसी अच्छे पद,व्यवसाय किसी महान लक्ष्य को संचालित कर सकते हैं। ऐसे में आप यदि नकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं तो आपको अपने व्यक्तित्व निर्माण में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है,। नकारात्मक सोच के व्यक्ति को हमेशा कार्यों में परेशानियों का सामना करना पड़ता है, और उसे इन्हीं परेशानियों का निदान भी सूझता नहीं है,पर जिनका का सकारात्मक रवैया होता है,उन्हें हर कठिनाई, परेशानी में निदान के उपाय एवं तरीके अपने सूझ बुझ से निकालने का फार्मूला मालूम होता है, ऐसे व्यक्तियों का काम कभी रुकता नहीं और वे निर्बाध गति से आगे बढ़ते जाते हैं।

यह सर्वविदित सत्य है की आपका संव्यवहार आपके व्यक्तित्व का दर्पण होता है। हर कार्य के संचालन संपादन में आपके व्यक्तित्व की परछाई स्पष्ट परिलक्षित होती है, आपका व्यवहार आपके चरित्र तथा स्वभाव के बारे में सब कुछ बता देता है, और उसका इसका बड़ा व्यापक प्रभाव भी दृष्टिगोचर होता है, व्यक्तित्व विकास न सिर्फ आपकी निजी जिंदगी में प्रभाव डालता है वरन आपकी व्यवसाय और लक्ष्य में भी सकारात्मक एवं प्रभावकारी होता है। जब आप एक अच्छे व्यक्तित्व और सकारात्मक विचार वान व्यक्ति होते हैं तो आप काफी उत्साही एवं आत्मविश्वास से भरपूर भी हो सकते हैं, और आत्मविश्वास से परिपूर्ण व्यक्ति जिंदगी में हर मुश्किल को पार कर एक सफल व्यक्तित्व का धनी हो जाता है। उसे हर जगह सफलता ही सफलता प्राप्त होती है। सफल व्यक्तित्व बनाने के लिए आप अपने व्यवहार को अत्यंत नम्र, शालीन और आत्मविश्वास से भरा ही रखें, किसी भी व्यक्ति से चाहे छोटा हो बड़ा हो अमीर हो गरीब हो मिलते समय उसका यथा योग्य अभिवादन शिष्टाचार पूर्वक अवश्य करें। इससे आपकी पहुंच एवं प्रभाव का दायरा विस्तृत होने लगेगा, सफलता ही सफलता से आप आगे बढ़ने लगेंगे, किसी भी व्यक्ति से अशिष्टतापूर्वक व्यवहार न करें ,आपको यदि यह महसूस होता है कि सामने वाला कुछ गलती पर है या गलत कार्य कर रहा है तो उस पर नाराज ही जाए ना कर उसे बड़े ठंडे दिमाग से समझाई दीजिए, इससे आपका प्रभाव गलत ना होकर शानदार होने लगेगा।

प्रभावशाली व्यक्तित्व के निर्माण में समय की प्रतिबद्धता एवं समय पर कार्य करने की अदम्य लालसा का बड़ा महत्व है। यदि आप सही समय पर सही कार्य करेंगे एवं अपने संपूर्ण कार्य समय पर प्रतिपादित करने की आदत डालेंगे, तो कार्यों की सफलता की एक तरह से संपूर्णता दिखाई देने लगती है यदि कहीं मीटिंग या किसी व्यक्ति को अपने समय दिया है तो आप वहां समय पर ही पहुंच कर मीटिंग का संपादन करें, आज के युग में किसी को किसी का इंतजार करना पसंद नहीं आता है। ऐसे में काम की सफलता की गुंजाइश कम हो जाती है। और किसी को किसी भी कार्य के लिए इंतजार करवाना अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण के प्रतिकूल प्रभाव डालता है,। यदि आप नौकरी में हैं,व्यवसाय में हैं या जन प्रतिनिधि हैं, तो लोगों की बातें सुनने का आप में पर्याप्त संयम भी होना चाहिए, यदि आप किसी व्यक्ति की बातें धैर्य पूर्वक सुनते हैं तो उसे आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली लगता है एवं कार्य की सफलता में संदेह नहीं रह जाता। अनावश्यक किसी भी व्यक्ति से बिना उसकी बात सुने समझे बहस करने की थोड़ी भी गुंजाइश ना रखें, अन्यथा कार्य विपरीत स्वरूप भी ले सकता है।सामने वाला व्यक्ति यदि सचमुच गलत है तो ही अपनी बात आप रखें या बोले, इसमें महत्वपूर्ण बिंदु यह है कि आप अपनी शक्ति एवं दुर्बलताओं को अच्छे से पहचाने और जाने। आपको जब अपनी शक्ति और क्षमता का पता होगा तो आप उस कार्य को अच्छे से कर पाएंगे एवं इससे आपके आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी, और अपनी कमजोरियों को सफलता के पीछे सुधार करने में सफल भी होंगे। आप प्रयास करें कि हमेशा मुस्कुराहट आपके चेहरे पर हो एवं आपका चेहरा चिड़चिड़ा या परेशान ना दिखाई दे, क्योंकि यह नकारात्मक ऊर्जा का एक बड़ा प्रतीक है।यह सफलता में कठिनाई पैदा करने वाला कारक माना जाता है। मुस्कुराते हुए चेहरे से लोग प्रसन्न होकर उसकी बात सुनना चाहेंगे और यही एक ऐसा तत्व है जो आपके आत्मविश्वास को कई गुना बढ़ा देगा और आपकी सफलता में कोई गुंजाइश नहीं रह जाएगी। मुस्कुराते हुए चेहरे के आचरण को लोग ज्यादा पसंद करते हैं अपना मित्र भी बनाना चाहेंगे।,

आप जो भी कार्य करते हैं पढ़ते हैं नौकरी करते हैं, व्यवसाय या समाज सेवा करते हैं, उसके संबंध में आपके पास गहरी और संपूर्ण जानकारी होना चाहिए। अधूरा ज्ञान बहुत ही खतरनाक और असमंजस निर्माण करने वाला होता है और कार्य की सफलता में संदेह भी पैदा करता है। क्योंकि अधूरी जानकारी आपके काम करने की प्रणाली पर सवालिया निशान लगा देती है। इसमें आप फिर जवाब देने की स्थिति में भी नहीं रह पाएंगे। अधूरा ज्ञान नकारात्मक होकर आपके आत्मविश्वास को भी डगमगा देता है। आप फिर उस कार्य को करने में डरने लगेगे। इसलिए किसी कार्य को करने के पूर्व उसके प्रति अच्छी जानकारी सम्यक रूप से होमवर्क की तरह कर ले। और सदैव कार्यों की प्राथमिकता तैयार रखें आसान एवं सरल कार्य पहले संपादित करें, जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि हो सके फिर काम के लिए आप अपनी तैयारियां पूर्ण कर सकेंगे, आपका आसान काम करने के बाद का आत्मविश्वास आपको कठिन कार्य करने के लिए उत्प्रेरित करेगा और कठिन कार्य करने में आप आसानी एवं सरलता महसूस करने लगेंगे। किसी भी कार्य को करने से पहले बिल्कुल भी किंचित मात्र भयभीत ना हो क्योंकि डर के कारण कई काम स्वतः बिगड़ जाते हैं।, अतः काम करने से पूर्व निडर होकर कार्य करें क्योंकि गलतियां तो इंसान से ही होती हैं, और जो ज्यादा काम करता है उससे ज्यादा गलती की संभावना होती है । ऐसे में किसी भी तरह के डर या चिंता से मुक्त रहकर अपने कार्य को निष्पादित करें, सफलता आपकी पर्सनालिटी को देखते हुए आपके सामने होगी।

शानदार व्यक्तित्व के विकास में समय का उपयोग और अनुप्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि आप समय का सदुपयोग अच्छे से करते हैं तो आधी सफलता आपके सामने होती है। संपूर्ण आत्मविश्वास के साथ इस कार्य को किस समय करना है, यह आपके समझ में जल्दी आ जाता है तो आपका सफलता का ग्राफ बहुत जल्दी ऊपर की ओर जाने लगेगा, क्योंकि समय की कीमत जो व्यक्ति जानता है समय उसकी इज्जत करता है। और उसे सफलता की सीढ़ियां चढ़ने से कोई रोक नहीं सकता, समय का अनुशासन सबसे बड़ा सबक है, काम को सही समय में करना एक तरह की बड़ी ईमानदारी मानी जाती है। यदि आप समय के प्रति प्रतिबद्ध हैं एवं ईमानदारी से कार्य करने की हिमायती हैं तो आपको सफल व्यक्तित्व की श्रेणी में लाने से कोई रोक नहीं सकता,इसी तरह अप एक अच्छे राष्ट्र के निर्माण में योगदान भी कर सकते हैं,अच्छे व्यकितत्व के निर्माण से ही शक्तिशाली,विकसित राष्ट्र का निर्माण किया जासकता है,अपने व्यक्तिव्य के निर्माण के साथ शिक्षित संस्कारी देश को सर्वोपरि मान कर राष्ट्रीय हित में सर्वस्व त्यागना होगा, तब जाकर एक महान राष्ट्र की नीव राखी जासकती है।

-संजीव ठाकुर

उद्योगों के लिए पारदर्शी व्यवस्था

जब कोई राज्य उद्योगों के लिए भरोसेमंद और पारदर्शी व्यवस्था को कानून का हिस्सा बना देता है, तो यह केवल सरकारी प्रक्रियाओं में सुधार नहीं होता, बल्कि सरकार और उद्योगों के बीच भरोसे के रिश्ते को भी मजबूत करता है। 16 जुलाई को छत्तीसगढ़ विधानसभा ने छत्तीसगढ़ ईज आफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 पारित किया। इसे कानूनी जिम्मेदारी बनाने का फैसला भी लिया गया है। निवेशकों, उद्यमियों और उद्योगों के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भरोसा तभी बनता है, जब नियम स्पष्ट हों, काम तय समय-सीमा में हो और जवाबदेही भी तय हो।

यह अधिनियम एक सरल सोच पर आधारित है कि नियम के अनुसार काम करने वाले उद्योगों को अनावश्यक मंजूरियों, लाइसेंस के नवीनीकरण और एक ही काम के लिए बार-बार अलग-अलग अनुमतियां लेने की प्रक्रिया से नहीं गुजरना चाहिए। निवेशक अवसरों को महत्व देते हैं, लेकिन उनके लिए यह भरोसा भी उतना ही जरूरी है कि सरकारी प्रक्रियाएं स्पष्ट, तय नियमों के अनुसार और समय पर पूरी हों।

उद्यमी चाहते हैं कि उनके काम में तेजी आए, लेकिन वे ऐसी शासन व्यवस्था भी चाहते हैं, जो स्पष्ट, पारदर्शी और समय पर निर्णय लेने वाली हो। हमारा यह सुधार उन्हें ये दोनों सुविधाएं देता है, अनावश्यक प्रक्रियाओं में कमी और यह भरोसा कि राज्य तय नियम और निर्धारित समय सीमा के अनुसार काम करेगा। हमने यह कानून केवल रैंकिंग में सुधार के लिए नहीं बनाया है, बल्कि वास्तविक बदलाव और बेहतर परिणाम लाने के उद्देश्य से बनाया है।

छत्तीसगढ़ ईज आफ डूइंग बिजनेस अधिनियम, 2026 इस व्यवस्था को बदलकर जोखिम के आधार पर काम करने वाली प्रणाली लागू करता है। कम जोखिम वाले उद्योग बिना भौतिक निरीक्षण के स्व-प्रमाणन के आधार पर आगे बढ़ सकेंगे। मध्यम जोखिम वाले उद्योग सूचीबद्ध तृतीय-पक्ष विशेषज्ञों से प्रमाणन प्राप्त कर सकेंगे।

वहीं, उच्च जोखिम वाले उद्योगों की गहन तकनीकी जांच पहले की तरह जारी रहेगी, क्योंकि भरोसे पर आधारित व्यवस्था का मतलब जोखिम की अनदेखी करना नहीं है। लेकिन ऐसे मामलों में भी जांच तय समय-सीमा के भीतर पूरी करनी होगी। यदि छत्तीसगढ़ लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत निर्धारित समय-सीमा में प्रमाणपत्र जारी नहीं किया जाता, तो स्वीकृति स्वतः प्राप्त मानी जाएगी। वहीं, तीन दिन से अधिक की किसी भी देरी का मामला सीधे कार्यपालक परिषद को भेजा जाएगा।

इस व्यवस्था के पीछे सोच स्पष्ट है। जहां जोखिम ज्यादा है, वहां सरकारी निगरानी भी उतनी ही मजबूत होनी चाहिए और जहां जोखिम कम है, वहां प्रक्रिया भी उतनी ही सरल होनी चाहिए। इसका मतलब नियमों को खत्म करना नहीं, बल्कि उन्हें और बेहतर एवं प्रभावी बनाना है। यदि किसी उद्योग का जोखिम कम है, तो उसे अनावश्यक मंजूरियों और लंबी प्रक्रियाओं से नहीं गुजरना चाहिए। वहीं, जिन उद्योगों में तकनीकी जांच जरूरी है, वहां सरकार पूरी जांच करेगी, लेकिन यह भी सुनिश्चित करेगी कि यह काम तय समय-सीमा के भीतर पूरा हो। इसलिए यह अधिनियम जहां जरूरत से ज्यादा औपचारिकताएं हैं, उन्हें कम करता है और जहां निगरानी जरूरी है, वहां पारदर्शिता और सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता।

इस पहल का सबसे बड़ा फायदा राज्य के 15 लाख से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को मिलेगा, जो हमारी अर्थव्यवस्था की असली ताकत हैं। यही उद्यम लाखों लोगों को रोजगार देते हैं, स्थानीय आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाते हैं और विकास का लाभ औद्योगिक क्षेत्रों से आगे गांवों और छोटे शहरों तक पहुंचाते हैं। इनके लिए सरकारी नियमों और प्रक्रियाओं को पूरा करने में लगने वाला समय केवल एक औपचारिकता नहीं होता, बल्कि वही समय उनके उत्पादन, रोजगार बढ़ाने, ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने और कारोबार का विस्तार करने में लग सकता है।

अनावश्यक मंजूरियों और बार-बार होने वाले नवीनीकरण की प्रक्रियाओं में बचाया गया हर घंटा उनके विकास के काम आ सकता है। जब सरकार अनावश्यक प्रक्रियाओं और बाधाओं को कम करती है, तो छोटे उद्योग अपने कारोबार को बढ़ाने, रोजगार सृजित करने और बाजार की जरूरतों को बेहतर तरीके से पूरा करने पर अधिक ध्यान दे पाते हैं। निवेशकों से हर बातचीत में एक बात बार-बार सामने आती है कि उनके लिए अवसर जितने महत्वपूर्ण हैं, उतना ही जरूरी भरोसा और निश्चितता भी है। निवेश वहीं आता है, जहां सरकार की नीतियां स्पष्ट और स्थिर हों, जरूरी मंजूरियां तय समय पर मिलें और पूरी व्यवस्था जवाबदेह हो। जो राज्य स्पष्ट नियम, तेज फैसले और जवाबदेह व्यवस्था उपलब्ध कराएगा, वही निवेशकों और उद्यमियों की पहली पसंद बनेगा। इसी सोच के साथ छत्तीसगढ़ ने इस अधिनियम के माध्यम से अपने लिए एक नया मानक तय किया है।

अनावश्यक प्रक्रियाओं की जगह साझेदारी को और विवेकाधिकार की जगह जवाबदेही को प्राथमिकता दी है। देशभर के उद्यमियों और दुनिया भर के निवेशकों को हमारा सीधा संदेश है कि छत्तीसगढ़ ऐसी शासन व्यवस्था के साथ आपके साथ काम करने के लिए तैयार है।

-धनंजय राजौरा

पद आभूषण नहीं यह जिम्मेदारी हैः एसपी

कौटिल्य एज्यूकेशन में हुआ पद अलंकृण समारोह का आयोजन, एसपी ने लगाए बैच

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। पद तो हर किसी को मिल जाता है लेकिन इस पर बने रहना आसान नहीं होता। यह आभूषण नहीं होता बल्कि जिम्मेदारी होती है जिसे निभाना आसान नहीं होता। पद मिलने के बाद आपको जिम्मेदारी का निर्वहन इस तरीके से करना होता है कि लोग आपका अनुसरण करें। आज विद्यालय ने आपको इस पद के लिए काबिल समझा है तो आपको भी उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना बहुत जरूरी है। ताकि आप लोगों के लिए उदाहरण प्रस्तुत कर सकें और लोग आपकी मिसाल दें।

यह बात पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने एबी रोड स्थित कौटिल्य एज्यूकेशन में आयोजित पद अलंकृण समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि आप केवल जिम्मेदारी नहीं ले रहे हैं बल्कि आपको वह अवसर मिल रहा है जिससे आप खुद को बदल सकते हो। उन्होंने कहा कि जीवन में बार-बार हर किसी को मौके नहीं मिलते हैं। यह मौका आज आपको विद्यालय परिवार द्वारा दिया जा रहा है जिसका आप फायदा ले सकते हैं। आज कई युवा राजनीति में, परिवार में और खेल के मैदान में अपनी नेतृत्व क्षमता से खुद की पहचान बनाए हुए हैं। आपको भी विद्यालय द्वारा दिए जा रहे इस अवसर का लाभ लेते हुए अपने परिवार और देश का नाम रोशन कर सकें। विशेष अतिथि एएसपी घनश्याम मालवीय ने कहा कि पद मिलने के बाद आपको अपने अंदर नेतृत्व क्षमता का विकास करना होता है वह भाव लाना होता है कि आप सामान्य नहीं किसी दल के केप्टन हैं जिन्हें आपको साथ लेकर चलना है। क्योंकि उस दल की सफलता और असफलता आपके नेतृत्व पर निर्भर करती है। इसलिए आज ही से अपने अंदर वो बदलाव लाएं ताकि लोग आपका अनुसरण करें और आपका उदाहरण दें। विद्यालय संचालक ब्रजेश यादव ने कहा कि आज आप किसी कक्षा के विद्यार्थी ही नहीं बल्कि अपनी टीम के कप्तान हैं। जैसा आप करेंगे उसी का अनुसरण आपकी टीम करेगी। यह आप पर निर्भर करता है कि आप खुद को अपनी टीम के सामने किस तरह प्रस्तुत करते हैं। कार्यक्रम को विद्यालय संचालिका शशि यादव, विद्यालय प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया, प्रशासनिक समिति अधिकारी पंकज यादव, आर्यन यादव ने भी संबोधित किया। संचालन उप प्राचार्य रामकृष्ण पाटीदार ने किया।

विद्यार्थियों को लगाए बैच, दी शुभकामनाएं- कौटिल्य एज्यूकेशन एकेडमी परिवार द्वारा जिन विद्यार्थियों को चुना था उन सभी को एसपी शुक्ला ने बैच लगाकर इस पद के लिए शुभकामनाएं दी। इस दौरान सभी विद्यार्थियों ने अपने पद की गरिमा बनाए रखने की शपथ भी ली। इसके बाद अतिथियों ने सभी नए पदाधिकारियों का स्वागत किया।

नाटक के जरिए दिखाया नशे का भयानक चेहरा- पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार तथा पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में जिलेभर में चलाए जा रहे ''नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0'' अभियान के तहत शनिवार को कौटिल्य स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। जहां विद्यालय परिसर में उपस्थित विद्यार्थियों के साथ ही वहां उपस्थित शिक्षक-शिक्षिकाओं को एक जीवंत एवं प्रभावशील नाट्य प्रस्तुति दी। इसके माध्यम से उन्होंने पान-गुटखा, तंबाकू, शराब, सिगरेट और ड्रग्स जैसे घातक व्यसनों के दुष्प्रभावों को बेहद संजीदगी से प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित जनसमूह ने काफी सराहा। इस अवसर पर एएसपी घनश्याम मालवीय, थाना प्रभारी कोतवाली संतोष वाघेला, डायरेक्टर बृजेश यादव एवं शशि यादव, प्राचार्य नरेंद्रसिंह डोडिया विद्यालय का समस्त शिक्षण स्टाफ, छात्र-छात्राएं एवं पुलिस अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक संस्था परिसर में पौधारोपण कर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वरिष्ठ नागरिक संस्था के सदस्य श्याम कुमार शाह के जन्मदिन के अवसर पर मल्हार स्मृति मंदिर, वरिष्ठ नागरिक संस्था परिसर में प्रधानमंत्री के आह्वान एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर जन्मदिन मनाया गया।इस अवसर पर गंगा सिंह सोलंकी, बुद्धसेन पटेल, एम.डी. सिन्हा, प्रकाश खाड्से, रश्मी पाण्डेकर, उषा जोशी, सत्यनारायण वर्मा, मनीष शर्मा, मनीष वैद्य, हिमांशु कुमावत, गजेंद्र बरगोदे, कैलाशचंद्र नागर, सुशील कुमार तिवारी एवं अन्य सदस्यों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। पर्यावरण संरक्षण कार्यकर्ता बुद्धसेन पटेल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जन्मदिन एवं अन्य शुभ अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसकी देखभाल करे। इससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सकेगा।

देवास के निशानेबाजों का मप्र स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 29वीं मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप इंदौर स्थित एमराल्ड हाइट्स इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित हुई। जिसमे देवास की आर्ट ऑफ शूटिंग संस्था के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में एयर राइफल सीनियर मेन वर्ग में सुयश कसेरा, ध्रुव शर्मा एवं शुभ्रांश सोनी की टीम ने कांस्य पदक हासिल किया। वहीं एयर राइफल जूनियर मेन वर्ग में ध्रुव शर्मा, शुभ्रांश सोनी एवं युवराज पटेल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम किया। संस्था के सभी खिलाड़ी आईएसएसएफ (आईएसएसएफ) एवं नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) से प्रमाणित कोच सुयश कसेरा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर आन्या तोमर, आनंद कहार, सुमित अस्ताया, वंशराज चौहान एवं सौम्यजीत पटेल ने एयर पिस्टल वर्ग में तथा हर्षिता सोनगरा , गर्व नाटेकर , ऐराफ मेव ने एयर राइफल वर्ग में आगामी माह आयोजित होने वाली प्री-नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। इस उपलब्धि पर खेल एवं सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों ने सभी खिलाड़ियों और कोच सुयश कसेरा को बधाई देते हुए राष्ट्रीय स्तर की

तबियत बिगड़ने पर हाईवे पर खड़ा किया था ट्रक, सुबह हो गया गायब, कौटिल्य स्कूल के पास से अज्ञात बदमाशों ने दिया वारदात को अंजाम

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र में कौटिल्य स्कूल के पास खड़ा एक ट्रक चोरी हो गया। चोरी हुए ट्रक की कीमत करीब 60 लाख रुपए बताई जा रही है। घटना शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चालक ने अचानक तबियत खराब होने पर कौटिल्य स्कूल के पास एबी रोड पर ट्रक खड़ा किया था।

ट्रक मालिक अजहरुद्दीन (40) निवासी दादाबाड़ी कोटा (राजस्थान) ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि ट्रक क्रमांक आरजे 20 जेडी- 0505 भोपाल में चूना खाली करने के बाद नलखेड़ा से गिट्टी लोड करने जा रहा था। रास्ते में शाजापुर के पास चालक की तबीयत खराब हो गई। उसने ट्रक को कौटिल्य स्कूल के पास खड़ा किया और इलाज के लिए अस्पताल चला गया। चालक को रातभर अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा। शनिवार सुबह चालक अस्पताल से लौटकर मौके पर पहुंचा तो ट्रक वहां नहीं था। इसके बाद मालिक को सूचना दी गई और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। चोरी हुए ट्रक की कीमत 55 से 60 लाख रुपए के बीच बताई जा रही है। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले।

शनिवार को भी हटाये अस्थाई अतिक्रमण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। निगम व यातायात पुलिस प्रशासन के द्वारा संयुक्त रूप से निरंतर की जा रही अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में शनिवार 25 जुलाई को भी शहर के प्रमुख मार्गो से अस्थाई अतिक्रमण हटाये जाने की कार्रवाई की गई। शहर के व्यस्ततम मार्गो से आवागमन सुगम करने के लिए व्यवसायकों द्वारा सडकों पर अस्थाई अतिक्रमण कर व्यवसाय किया जा रहा है जिससे आवागमन बाधित हो रहा है ऐसे सभी प्रमुख मार्गो से अस्थाई अतिक्रमण हटाये जाने की कार्रवाई की जा रही है।

निगमायुक्त दलीप कुमार के निर्देशन में एबी रोड के साथ साथ शहर के प्रमुख एवं व्यवसाईक क्षेत्रों से अस्थाई अतिक्रमण हटाने के साथ ही आवागमन को सुगम एवं सूचारू रूप से करने के लिए निगम की टीम को निरंतर अस्थाई अतिक्रमणों को हटाने की कार्रवाई की गई। निगम व यातायात पुलिस के द्वारा शनिवार को पीठा रोड एवं सुपर मार्केट के आसपास के क्षेत्रों से अस्थाई अतिक्रमण हटाये जाने की कार्रवाई की गई। अस्थाई अतिक्रमण कर व्यवसाय करने वाले व्यवसायकों को स्वंय अपने अतिक्रमण हटाने के लिए निगम द्वारा अलाउंसमेंट सूचना के साथ अपील भी की जा रही है।

खाते में आए थे 49 हजार, बैंक पहुंची तो बचे 65 रू.

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र में एक महिला के बैंक खाते से 49,900 रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है। मुथूट फाइनेंस से गोल्ड लोन की राशि बैंक खाते में आते ही अज्ञात ठग ने यूपीआई के जरिए पैसे निकाल लिए, जिसकी शिकायत पीड़िता ने साइबर सेल और कोतवाली थाने में दर्ज कराई है।

महुपुरा पटेलवाड़ी निवासी 37 वर्षीय सालेहा बी का केनरा बैंक की धोबी चौराहा शाखा में खाता है। उन्होंने 21 जुलाई को मुथूट फाइनेंस से 48 हजार 100 रुपए का गोल्ड लोन लिया था जो उनके केनरा बैंक खाते में ट्रांसफर हुआ था। पीड़िता इसी खाते से फोन-पे ऐप का इस्तेमाल करती हैं। पीड़िता जब 24 जुलाई को बैंक से पैसे निकालने पहुंचीं तो खाते में केवल 65 रुपए शेष मिले। खाते का स्टेटमेंट निकलवाने पर पता चला कि 22 जुलाई की शाम 4 बजकर 6 मिनट पर 49,900 रुपए दीपक दास नाम के एक यूपीआई नंबर पर ट्रांसफर कर दिए गए थे। सालेहा बी ने बताया कि उन्होंने यह लेनदेन नहीं किया था और किसी अज्ञात व्यक्ति ने धोखाधड़ी कर उनकी रकम गायब कर दी है। महिला की शिकायत के बाद कोतवाली थाना पुलिस और साइबर सेल शाजापुर ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

सीआईएस एवं साइबर फ्रॉड विषय पर पैरालीगल वालेन्टियर्स का प्रशिक्षण आयोजित

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा सीआईएस एवं साइबर फ्रॉड विषय पर एक दिवसीय पैरालीगल वालेन्टियर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने किया।

इस अवसर पर प्रधान जिला न्यायाधीश ने कहा कि पैरालीगल वालेंटियर न्यायपालिका एवं आमजन के बीच एक सशक्त सेतु है। समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करने में उनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, उन्होंने कहा कि नालसा एवं सालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभपात्र व्यक्तियों तक पहुंचाने में पैरालीगल वालेन्टियर्स की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। प्रशिक्षण का उद्देश्य केवल तकनीकी ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं है, बल्कि ज्ञान को आमजन तक पहुंचाना है। डिजिटल न्याय प्रणाली में सीआईएस एवं सायबर धोखाधड़ी संबंधी विषयों को जानना अति आवश्यक है। सचिव श्रीमती स्वप्नश्री सिंह ने प्रशिक्षण के उद्देश्य बताते हुये कहा कि पैरालीगल वालेन्टियर्स विधिक सेवा प्राधिकरण की रीढ़ है।

प्रशिक्षण के प्रथम सत्र में जूनियर सिस्टम एनालिस्ट श्रीमती रश्मि दुबे, सिस्टम असिस्टेंट श्री संदीप बिसोपिया द्वारा प्रकरण सूचना प्रणाली ष्टद्बस् विषय पर विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही ई-फाइलिंग, ई-समन, ई-कोर्ट सर्विस एप्लीकेशन, केश स्टेटस, कॉज लिस्ट आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। श्री सुशील साल्वे द्वारा साइबर फ्राड विषय पर सायबर क्राइम से बचाव एवं सावधानी, मोबाइल हेकिंग, मोबाइल डाटा प्रायवेसी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुये सायबर क्राइम पोर्टल, टोल फ्री शिकायत नम्बर 1930 आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

एसपी पुनीत गेहलोद और पुलिस अधिकारियों ने युवाओं संग खेला वॉलीबॉल मैच

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 जनजागरूकता अभियान के अंतर्गत वॉलीबॉल, पिट्ठू एवं एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।प्रतियोगिताओं में विकासखंडों एवं विभिन्न विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद एवं पुलिस अधिकारियों ने स्वयं खिलाड़ियों के साथ वॉलीबॉल मैच खेला। अधिकारियों को खिलाड़ियों के साथ मैदान में खेलते देख युवाओं में विशेष उत्साह का माहौल रहा।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद ने खिलाड़ियों एवं युवाओं को नशे से नाता छोड़ने और खेलों से नाता जोड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास, स्वस्थ जीवनशैली एवं सकारात्मक सोच प्रदान करते हैं। समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रत्येक युवा को खेलों से जुड़ना चाहिए। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेलों के माध्यम से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा समाज में सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना है। पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद द्वारा उपस्थित समस्त खिलाड़ियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा सभी से समाज को नशामुक्त बनाने में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया गया।

थर्ड जेंडर से कराई शादी, एक माह बाद हुआ खुलासा

बातचीत करने बुलाया तो हिंसक हुए रिश्तेदार, की मारपीट

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कोतवाली थाना क्षेत्र में शनिवार को शादी के करीब एक महीने बाद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। शाजापुर निवासी 28 वर्षीय युवक का विवाह 29 जून 2026 को राजगढ़ जिले के पचोर स्थित एक मंदिर में हिंदू रीति-रिवाज से हुआ था। पीड़ित परिवार का आरोप है कि शादी के एक महीने बाद उन्हें पता चला कि दुल्हन थर्ड जेंडर है, जिसके बाद दोनों पक्षों में शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष और मारपीट में बदल गया।

पीड़ित युवक ने शुक्रवार को थाने में शिकायत की। जिसके अनुसार शुक्रवार रात करीब 10 बजे पचोर से लड़की के परिजन आजाद, राकेश और चंदो बाई उसके घर पहुंचे और दुल्हन को तुरंत ले जाने की जिद्द करने लगे। जब युवक ने सुबह जाने की बात कही तो आरोपियों ने गाली-गलौज और झूमाझटकी शुरू कर दी। शोर सुनकर जब युवक के भाई और भाभी बीच-बचाव करने आए तो आरोपियों ने उन पर भी हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने लकड़ी से वार कर भाभी के दोनों हाथों को चोट पहुंचाई और दांत से काट लिया। वहीं, सब्जी काटने वाले चाकू से हमला कर भाई की उंगली को जख्मी कर दिया गया।

शादी के नाम पर 1 लाख रुपए लेने का भी आरोप- पीड़ित के भाई का कहना है कि उन्होंने शादी के लिए लड़की के परिजनों को 1 लाख रुपए भी दिए थे। शादी के बाद जब दुल्हन की सच्चाई सामने आई तो बातचीत के जरिए मामला सुलझाने के लिए परिजनों को बुलाया गया था, लेकिन वे हिंसा और मारपीट पर उतर आए। जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी भी दे गए।

पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ किया मामला दर्ज- कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी आजाद, राकेश, राजा, चंद्रोबाई और लक्ष्मीनारायण (सभी निवासी पचोर, जिला राजगढ़) के खिलाफ आपराधिक धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सामने आया पुलिस का मानवीय चेहरा, विकलांग महिला की मदद को आधी रात को पहुंची कोतवाली पुलिस

एम्बुलेंस की व्यवस्था जुटाकर पहुंचाया अस्पताल, अस्पताल प्रबंधन से भी किया उचित उपचार का निवेदन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। अपराधियों के लिए सख्त रहने वाली पुलिस का मानवीय चेहरा उस समय सामने आया जब आधी रात को पैरों से विकलांग पति-पत्नी अपने घर में मदद के लिए किसी को ढूंढ रहे थे। ऐसे में कोतवाली पुलिस फरिश्ता बनकर पहुंची और महिला की मदद कर उसे उपचार दिलाया। केवल उपचार ही नहीं बल्कि पुलिस ने खुद अस्पताल पहुंचकर महिला के उचित उपचार के लिए वहां उपस्थित चिकित्सकों से भी निवेदन किया।

दरअसल नाथवाड़ा में नंदराम वर्मा और उनकी पत्नी शोभा वर्मा रहते हैं जो दोनो ही विकलांग हैं और बमुश्किल जीवन यापन कर पा रहे हैं। शुक्रवार-शनिवार की रात करीब 2 बजे 50 वर्षीय शोभा वर्मा सोते समय पलंग पेटी से नीचे गिर गई जिससे उनका पैर फ्रैक्चर हो गया और वे दर्द से कराहने लगी। उनकी आवाज सुनकर उनके घर वाले जागे। वहीं आसपास के लोग भी वहां पहुंच गए। जब परिजनों ने मोहल्ले वालों से मदद मांगी लेकिन कोई भी मदद नही कर सका क्योंकि किसी के पास वाहन उपलब्ध नहीं था। ऐसे में किसी ने कोतवाली पुलिस के रमेशचंद्र जाटवा को फोन किया और उन्हें स्थिति से अवगत कराया। रात्रि गश्त कर रहे रमेशचंद्र जाटवा तुरंत अपना मोबाइल वाहन लेकर वहां पहुंचे। जहां उन्होंने स्थिति देखी और तुरंत एम्बुलेंस को कॉल किया। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस वहां पहुंची और महिला को बैठाकर जिला अस्पताल लेकर आई। उनके साथ रात्रि गश्त कर रहे अन्य पुलिसकर्मी भी उनके साथ अस्पताल पहुंचे और वहां मौजूद स्टॉफ को स्थिति से अवगत कराया और निवेदन किया इनका उचित उपचार किया जाए। इस पर चिकित्सकों ने शोभा वर्मा का उपचार शुरू किया। पुलिस की इस मानवीयता को देखकर सभी ने पुलिसकर्मियों का धन्यवाद दिया।

घरों पर बरस रहे ईंट और पत्थर, दो दिनों से दहशत में जी रहे धोबी चौराहा निवासी, पुलिस के हाथ भी नहीं लगे आरोपी

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। धोबी चौराहा क्षेत्र में रहने वाले लोग पिछले दो दिनों से दहशत में जी रहे हैं। हर पल उन्हें कहीं से ईंट, पत्थर या टाईल्स के टूकड़े गिरने का भय लगा रहता है। यहां पिछले दो दिनों से कुछ शरारती तत्व लोगों पर पत्थर फेंक रहे हैं। बीती रात भी सूचना मिलने पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने छतों और घरों के आसपास जांच की लेकिन पुलिस को कुछ हाथ नहीं लगा।

रहवासियों ने बताया कि शुक्रवार रात जब एक महिला घर के बाहर बैठी थी तभी अचानक ईंट और टाइल्स के टुकड़े आकर गिरे। गनीमत रही कि महिला को चोट नहीं लगी। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने कोतवाली पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छतों और आसपास के इलाके में तलाशी ली, लेकिन पुलिस को कोई नहीं मिला। हालांकि पुलिस के पहुंचते ही पत्थरबाजी भी बंद हो गई।

दो दिनों से कर रहे परेशान

रहवासियों ने बताया कि गली में छोटे बच्चे और बुजुर्ग शाम के समय बाहर बैठते हैं। पिछले दो दिनों से लगातार हो रही पत्थरबाज़ी से पूरे इलाके में डर का माहौल बना हुआ है। इस डर से हमने बच्चों को घर से बाहर निकालना बंद कर दिया है। मामले को लेकर कोतवाली थाना प्रभारी संतोष वाघेला ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि इस तरह की हरकत करने वाले असामाजिक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रभारी मंत्री ने की कुबेरेश्वर धाम पर गुरु पूर्णिमा महोत्सव की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बैठक लेकर आगामी कांवड़ यात्रा के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं के दिए निर्देश

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कुबेरेश्वर धाम में आयोजित गुरू पूर्णिमा महोत्सव और आगामी कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत पिछड़ा वर्ग मंत्री एवं जिले की प्रभारी मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने रेस्ट हाउस तथा कुबेरेश्वर धाम पर बैठक आयोजित कर आयोजन की सभी व्यवस्थाओं के संबंध में बिंदुवार चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों एवं आयोजन समिति को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आयो?जन में बाड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए सभी तैयारियां चाक चौबंद रखी जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था, असुविधा अथवा सुरक्षा संबंधी समस्या उत्पन्न न हो। उनहोंने कहा कि समिति प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य सुनिश्चित करे। उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया। कलेक्टर श्री बालगुरू के., एसपी श्रीमती सोनाक्षी सक्सेना ने प्रभारी मंत्री को गुरू पूर्णिमा महोत्सव के लिए की गई व्यवस्थाओं तथा आगामी कांवड़ यात्रा के सुचारू आयोजन की कार्ययोजना के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

बैठक में यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था की जानकारी लेते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी स्थिति में जाम की समस्या न बने। पार्किंग स्थलों का स्पष्ट चिन्हांकन, अलग-अलग पार्किंग जोन निर्धारण तथा वाहनों की सुव्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित की जाए। हाईवे एवं मुख्य मार्गो पर प्रभावी डायवर्जन प्लान लागू रहे तथा पर्याप्त संकेतक, फ्लेक्स व सूचना बोर्ड लगाए जाएं। उन्होंने अनाउंसमेंट सिस्टम सतत संचालित रखने तथा फायर ब्रिगेड, अग्निशमन उपकरण व आपातकालीन व्यवस्थाएं उपलब्ध रखने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने पर्याप्त पेयजल की उपलब्धता और स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रवेश-निकास द्वार, पार्किंग, कंट्रोल रूम एवं चिकित्सा व्यवस्थाओं के संबंध में भी निर्देश दिए। इसके साथ ही सीवन नदी से कुबेरेश्वर तक आयोजित होने वाली कांवड़ यात्रा के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखी जाएं, ताकि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित एवं श्रद्धामय वातावरण प्राप्त हो सके।

नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान के तहत कौटिल्य स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

पुलिस अधीक्षक प्रियंका शुक्ला ने विद्यार्थियों को दिलाई नशामुक्ति की शपथ

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला के मार्गदर्शन में जिलेभर में संचालित ÷नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0÷ अभियान के अंतर्गत शनिवार को थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित कौटिल्य स्कूल में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक श्रीमती प्रियंका शुक्ला ने विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं नागरिकों को नशे के सामाजिक, पारिवारिक और स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों की जानकारी दी। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों को स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार, गांव और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प दिलाया।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नशा व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर करने के साथ-साथ पूरे परिवार को भी प्रभावित करता है।

स्वस्थ एवं सुरक्षित समाज के निर्माण के लिए युवाओं को नशे से दूर रहना आवश्यक है।

कार्यक्रम के दौरान कौटिल्य स्कूल के छात्र-छात्राओं ने नशे के दुष्परिणामों पर आधारित प्रभावशाली नाट्य प्रस्तुति दी। इस प्रस्तुति में पान-गुटखा, तंबाकू, शराब, सिगरेट एवं ड्रग्स जैसी बुराइयों के दुष्प्रभावों को सजीव रूप में दर्शाया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री घनश्याम मालवीय, थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक श्री संतोष वाघेला, कौटिल्य स्कूल के डायरेक्टर श्री बृजेश यादव एवं श्रीमती शशि यादव, प्राचार्य श्री नरेंद्र सिंह डोडिया, विद्यालय का शिक्षण स्टाफ, छात्र-छात्राएं तथा पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंत में शाजापुर पुलिस ने जिलेवासियों से अपील की कि वे नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 अभियान से जुड़कर नशे जैसी सामाजिक बुराई से दूर रहें और स्वस्थ, सुरक्षित एवं समृद्ध समाज के निर्माण में अपना योगदान दें।

महावीर भवन में 27 जुलाई से प्रारंभ होगा वर्धमान आयंबिल तप, श्रद्धालुओं से पाया लेने-बढ़ाने का आग्रह

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मीडिया प्रभारी नितिन बुड़ावन वाले ने बताया कि स्थानकवासी जैन श्री संघ के तत्वावधान में आगामी 27 जुलाई 2026 सोमवार से महावीर भवन में पावन वर्धमान आयंबिल तप का शुभारंभ होगा। इस धार्मिक आयोजन में बड़ी संख्या में समाजजन भाग लेकर तप, आराधना एवं धर्म लाभ प्राप्त करेंगे। आयोजन समिति ने समाज के श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि जो भी धर्मावलंबी आयंबिल तप का पाया डालना अथवा पाया बढ़ाना चाहते हैं, वे अपना नाम शीघ्र दर्ज करा दें ताकि व्यवस्थाएं सुचारु रूप से की जा सकें। श्रीमती संगीता सकलेचा को अपने नाम लिखा सकते है समिति ने अधिक से अधिक समाजजनों से इस पुण्य आयोजन में सहभागिता निभाने तथा वर्धमान आयंबिल तप का लाभ लेने की अपील की है।

शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का इस्तीफा, ब्लॉक् कांग्रेस देपालपुर ने की आतिशबाजी, व मिठाई बाटी

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीट के पेपर लिक मामले मे देश के शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के स्तिफे की मांग के बाद आज उन्होंने इस्तीफा दिया, कांग्रेस पार्टी इसे छात्रों की जीत मानते हुए, आज ब्लॉक् कांग्रेस देपालपुर द्वारा स्थानीय चमन चौराहे, पर आतिशबाजी कर मिठाई वितरण की, इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश बड़वाया, पूर्व जिला कांग्रेस महामंत्री मिथलेश जोशी, पूर्व पार्षद निराला डागर, कांग्रेस नेता दिलीप खेर, मुंशी गौड़, जितेंद्र बड़वाया,अशोक कौशिक, पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष रामचरण दयाल,सईद मंसूरी, रईस मंसूरी, राजू जेसवाल, मोईनखान,आदि कांग्रेस जन उपस्थित थे।

गरोठ पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एमडी ड्रग्स फैक्ट्री का भंडाफोड़, 2 गिरफ्तार, 4 फरार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाये जा रहे नशा मुक्ति अभियान नशे से दूरी है जरूरी विशेष अभियान 2.0 के तहत पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीणा के द्वारा दिये गये निर्देशों के तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गरोठ राम सनेही मिश्रा, एसडीओपी गरोठ विजय कुमार यादव के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी गरोठ उनि बलवीरसिंह यादव व टीम द्वारा एम.डी. ड्रग्स तस्करी के विरूद्ध कठोर कार्यवाही करते हुए 02 तस्करों से 173 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी. ड्रग्स व एम.डी. ड्रग्स निर्माण हेतु उपयोग में लाये जाने वाले केमिकल 24.570 किलोग्राम जप्त किया है। घटना अनुसार दिनांक 25.07.2026 को सउनि धन्नालाल योगी द्वारा प्राप्त मुखबीर सूचना पर कार्यवाही करते हुए घटनास्थल रणजीतसिंह निवासी पावटी के खेत पर बने बाडे पर छापा मारा। यहां से 173 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एम.डी. ड्रग्स व एम.डी. ड्रग्स निर्माण हेतु उपयोग मे लाये जाने वाले केमिकल हाईड्रोक्लोरीक एसडी 12 किलो 750 ग्राम, एमएमए केमीकल 6 किलो 460 ग्राम, एमडीसी केमीकल 5 किलो 360 ग्राम कुल 24.750 किलोग्राम तथा उक्त जप्तशुदा एम.डी. ड्रग्स व केमिकलों के परिवहन हेतु आरोपीगणो द्वारा उपयोग मे लाई जा रही एक सफेद रंग की वेन्यु कार क्रमांक एमपी 14 जेडई 2197 तथा एक सफेद रंग की स्विफ्ट कार क्रमांक एमपी 14 सीसी 4035 को जप्त कर मौके से आरोपीगण रणजीत सिंह पिता पर्वतसिंह सोंधिया उम्र 30 साल निवासी पावटी व ईश्वर सिंह पिता सोदानसिंह सोंधिया उम्र 37 साल निवासी ढाकनी को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण में अग्रीम अनुसंधान जारी है।

ये हैं गिरफ्तार और फरार आरोपी - गिरफ्तार आरोपी में 1. रणजीत सिंह पिता पर्वतसिंह सोंधिया उम्र 30 साल निवासी पावटी थाना गरोठ, 2. ईश्वर सिंह पिता सोदानसिंह सोंधिया उम्र 37 साल निवासी ढाकनी थाना गरोठ हैं। साथ ही फरार आरोपी में 1. दीपक गुर्जर निवासी गोघटपुर थाना माचलपुर जिला राजगढ, 2. विक्रम उर्फ गुड्डुसिंह पिता बापुसिंह सोंधिया निवासी बरखेड़ी मिठ्ठु, 3.राजेन्द्र सिंह पिता किशन सिंह सोंधिया निवासी बर्डीया अमरा, राजु लाला निवासी सुरजनी थाना सीतामऊ है, जिनकी तलाश की जा रही है। मौके से एक सफेद रंग की वेन्यु कार, सफेद रंग की स्वीफ्ट कार, चार एन्ड्रोयड मोबाईल भी जब्ती में लिए गए हैं। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गरोठ उनि बलवीरसिंह यादव तथा टीम का सराहनीय योगदान रहा।

श्री सत्य साईं सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सारंगपुर में कारगिल विजय दिवस श्रद्धा एवं देशभक्ति के साथ मनाया गया

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के सुप्रसिद्ध सीबीएसई विद्यालय श्री सत्य साई सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सारंगपुर में कारगिल विजय दिवस श्रद्धा, सम्मान एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर विद्यालय परिवार ने कारगिल युद्ध के अमर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके अदम्य साहस, सर्वोच्च बलिदान एवं राष्ट्रभक्ति को नमन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं अमर शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, प्रेरणादायक भाषण, कविताओं एवं आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से कारगिल के वीर सैनिकों के शौर्य और बलिदान को जीवंत किया।

विद्यालय के प्राचार्य श्री केदार गोवेकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि कारगिल विजय दिवस हमें देश के वीर जवानों के त्याग, साहस एवं राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा देता है। उन्होंने विद्यार्थियों से देशहित को सर्वोपरि रखते हुए अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक पालन करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर विद्यालय के संचालक श्री विष्णु सिंह सिसोदिया, मुख्य अतिथि एल.एस. सोलंकी, उप-प्राचार्या श्रीमती किरण जोशी, स्कूल कोऑर्डिनेटर श्री इमरान खान, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएँ, कार्यालयीन स्टाफ एवं विद्यार्थियों ने सहभागिता कर वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए सदैव समर्पित रहने का संकल्प लिया।

कारगिल विजय दिवस प्रतिवर्ष 26 जुलाई को वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना की ऐतिहासिक विजय एवं वीर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान की स्मृति में मनाया जाता है।

माय भारत पोर्टल पर चल रहा है देशव्यापी युवा पंजीकरण अभियान

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। युवा मामले एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय भारत (MY Bharat), सीहोर द्वारा जिले के 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं के लिए 01 जुलाई 2026 से 15 अगस्त 2026 तक विशेष युवा पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को एक साझा डिजिटल मंच पर जोड़कर उन्हें राष्ट्र निर्माण की दिशा में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करना है। माय भारत पोर्टल न केवल एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, बल्कि यह देश के युवाओं की आकांक्षाओं को साकार करने, उनके कौशल को विकसित करने तथा उन्हें विभिन्न अवसरों से जोड़ने का एक प्रभावी माध्यम भी है। माय भारत सीहोर द्वारा युवाओं को विभिन्न राष्ट्रीय पहलों से जोड़ने पर भी विशेष बल दिया जा रहा है।

स्थानकवासी जैन श्रीसंघ के अध्यक्ष सतीश जैन सांवेरवाला ने घोषित की नई कार्यकारिणी

युवा सोच और अनुभवी नेतृत्व का संगम, समाज को नई दिशा देने की पहल

नागदा/ सुनिल सकलेचा, अनुज नाहर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानकवासी जैन श्रीसंघ के नवनियुक्त अध्यक्ष सतीश जैन सांवेरवाला ने पदभार ग्रहण करने के मात्र आठ दिन के भीतर अपनी नई कार्यकारिणी एवं पदाधिकारियों की घोषणा कर समाज में नई कार्यशैली और सक्रिय नेतृत्व का संदेश दिया है। अध्यक्ष सतीश जैन ने अनुभवी एवं ऊर्जावान युवाओं का संतुलित समावेश करते हुए समाज को संगठित, सशक्त एवं विकासोन्मुख बनाने के उद्देश्य से विभिन्न जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

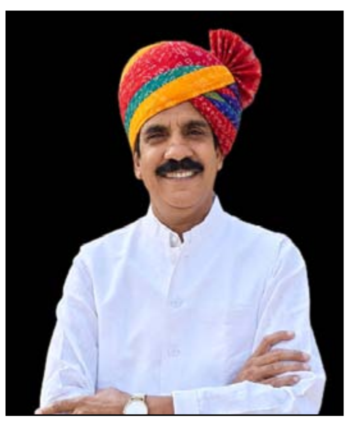

मीडिया प्रभारी नितिन जैन (बुड़ावनवाला) ने बताया कि अध्यक्ष सतीश जैन की नई टीम समाजहित, संगठन की मजबूती, सामाजिक गतिविधियों के विस्तार तथा नई पीढ़ी को समाज से जोड़ने की सोच के साथ कार्य करेगी। कार्यकारिणी की घोषणा के बाद समाज में उत्साह एवं हर्ष का वातावरण है।

नई कार्यकारिणी में अनिल पावेचा को सचिव नियुक्त किया गया है। संरक्षक मंडल में मनोहरलाल कांठेड़, गम्भीरमल पावेचा, प्रकाशचन्द्र लुणावत, प्रकाशचन्द्र (बुड़ावनवाला), चन्द्रशेखर खिंदावत एवं राजेन्द्र कांठेड़ को शामिल किया गया है।

उपाध्यक्ष पद पर श्रेणिक बम, निर्मल दलाल, राजा कर्नावट एवं मनीष चपलोत को जिम्मेदारी सौंपी गई है। जितेश भण्डारी को कोषाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि अशोक कोलन, राजेश सकलेचा एवं नवीन तरवेचा सह सचिव नियुक्त किए गए हैं।

मीडिया प्रभारी नितिन जैन (बुड़ावनवाला) तथा सह मीडिया प्रभारी जीवनलाल जैन (चाय वाले) बनाए गए हैं। जनसंपर्क पदाधिकारी का दायित्व पारसचन्द्र पोखरना को सौंपा गया है।

प्रमुख सलाहकार मंडल में दिलीप कांठेड़, कमल सिसोदिया (सहारा), मुकेश धोका एवं चन्द्रप्रकाश कांठेड़ को शामिल किया गया है।

संगठन समन्वय की जिम्मेदारी अमरचन्द राजावत, वर्धमान जैन (नवादा वाले), राजेन्द्र लुणावत, संजय मुरडिया, सुनील सकलेचा, सुरेन्द्र पितलिया, निर्मल चपलोत, धर्मेन्द्र बम, आकाश वोरा, राजेन्द्र ओरा (अरिहंत टेन्ट), सुशील कोलन, अरविन्द नाहर, मनीष भंडारी, हितेश कांठेड़, मनोज चपलोत, अमित बम, आशीष पोखरना, सुभाष छोरिया, मयंक चपलोत, नरेश ओरा एवं कनक कांठेड़ को सौंपी गई है।

संचालक मंडल में संदीप चपलोत, आशीष वोरा, यशवंत धुपिया, संजय गोरखरू, रवि संघवी, तनु कोलन, विजय संघवी, आशीष पोखरना, नितिन ओरा (खरसोद वाले), शुभम सकलेचा, प्रशांत नाहर, सिद्धार्थ कांठेड़, हर्ष तरवेचा, रसमन तांतेड़, प्रथम कांठेड़, अनुज कांठेड़ एवं अनुज नाहर को शामिल किया गया है।

महिला मंडल में रानी नाहर, बिन्दु कांठेड़, अंतिमा संघवी, शिखा वोरा, प्रिया नवादावाला, प्रतिभा ओरा एवं सोना कांठेड़ को दायित्व प्रदान किया गया है।

इनका भी रहेगा सहयोग - श्री चन्दनबाला महिला मण्डल, श्री ब्राही बहु मण्डल, श्री आर्दश श्राविका मण्डल, श्री नमो सिद्धांण ग्रुप, श्री जय जिनेन्द्र ग्रुप, श्री आदर्श बालिका मण्डल आदि सस्थाओ का सहयोग भी रहेगा अध्यक्ष सतीश जैन सांवेरवाला ने कहा कि समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर पारदर्शिता, सक्रियता और सामूहिक सहभागिता के साथ कार्य किया जाएगा। समाज के धार्मिक, सामाजिक एवं सेवा कार्यों को नई गति देना उनकी प्राथमिकता रहेगी।

कार्यकारिणी की घोषणा के बाद समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों ने अध्यक्ष सतीश जैन सांवेरवाला सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष रवि कांठेड़ एवं ट्रस्ट सचिव पंकज मारू एव पुर्व संघ अध्यक्ष प्रकाशचन्द्र जेन सावेर वाले एव सचिव अरविन्द नाहर ने भी नई कार्यकारिणी को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि अध्यक्ष सतीश जैन सांवेरवाला के नेतृत्व में स्थानकवासी जैन श्रीसंघ संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक एकता एवं जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

हाथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े कारीगरों के लिए चलाई जा रही कौशल विकास योजना

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला हथकरघा कार्यालय द्वारा हथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्रों में कार्यरत बुनकरों, शिल्पियों, प्राथमिक बुनकर सहकारी समितियों, स्व-सहायता समूहों तथा उद्यमियों के लिए कौशल तकनीकी विकास योजना-2021 संचालित की जा रही है है। योजना का उद्देश्य हथकरघा एवं हस्तशिल्प से जुड़े कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाना तथा ग्रामोद्योग उत्पादों को बाजार योग्य बनाना है।

वर्षा सीड्स एवं बायोटेक के प्रोपराईटर ने की कृषि अधिकारियों के साथ अभ्रदता, निरीक्षण करने पर धमकाया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मेसर्स-वर्षा सीड्स एवं बायोटेक, मन्दसौर की अनियमित व्यापार करने की शिकायतें कृषि विभाग में प्राप्त होने पर 30 जून 2026 को विभाग के अधिकारियों द्वारा उनकी फर्म का निरीक्षण करने हेतु पहुंचे, उपरांत फर्म के प्रोपराईटर रमेश प्रजापति द्वारा अधिकारियों के साथ अभ्रदता की गई एवं निरीक्षण करने पर दुकान की शटर बंद कर धमकाया गया साथ ही दल को कोई भी अभिलेख (दस्तावेज) उपलब्ध नहीं कराये गये तथा शासकीय कार्यों में बाधा उत्पन्न की गई।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास उप संचालक मोदी ने कंपनी से जिले में बीज व्यापार हेतु सत्यरूप बीज, किस्में, रिसर्च वैरायटी एवं शंकर किस्मों के बीज उत्पादन, भण्डारण एवं बीज आपूर्ति से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराने हेतु लेख किया गया, परन्तु कंपनी के द्वारा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। जो बीज अधिनियम 1966 की धारा 19ए के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है। उक्त कृत्य हेतु फर्म को 6 जुलाई 2026 को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया। कंपनी द्वारा कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया। 14 जुलाई 2026 को कंपनी का लायसेंस निलंबित कर 03 दिवस में निर्धारित दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बावजूद कंपनी द्वारा ना तो कोई जवाब प्रस्तुत किया गया ना ही अपने पक्ष में कोई दस्तावेज प्रस्तुत किये।

कंपनी को बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968 एवं बीज नियत्रंण आदेश 1983 के तहत गंभीर अपराध का दोषी माना गया। बीज (नियंत्रण) आदेश 1983 के खण्ड 15 का उपयोग करते हुये पंजीयन अधिकारी एवं उप संचालक कृषि मन्दसौर ने मेसर्स वर्षा सीड्स एवं बायोटेक, मन्दसौर को प्रदत्त बीज विक्रय क्रमांक 588 दिनांक 31.12.2026 तक वैध को तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिया है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास उप संचालक श्री मोदी ने बताया कि जिले में अमानक के विरूद्ध कठोर कार्यवाही जारी है। अभी तक जिले में वैधानिक कार्यवाही करते हुये अनियमितता करने वाले कृषि व्यापारियों तथा कंपनीयों पर विभाग द्वारा 03 बीज विक्रेताओं के लायसेंस निलंबित एवं 02 निरस्त किये गये है। इसी प्रकार उर्वरक विक्रेताओं 03 लायसेंस निलंबित किये है तथा कीटनाशी विक्रेताओं के 02 लायसेंस निलंबित किये गये है। उर्वरक निर्माता कंपनी मेसर्स सुप्रीम कामधेनू गुजरात पर अमानक उर्वरक विक्रय करने के विरूद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

ऑन द स्पॉट समाधान- स्टाफ की कमी पर तुरंत भोपाल उच्च अधिकारियों से की बात

सिंगोली में 15 करोड़ 65 लाख से बनेगा 50 बेड का सिविल अस्पताल, विधायक सखलेचा ने किया भूमि का निरीक्षण

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जावद विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने और आमजन को बेहतर इलाज मुहैया कराने के उद्देश्य से विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने शनिवार को सिंगोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का विस्तृत दौरा किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 15 करोड़ 65 लाख रुपये की लागत से स्वीकृत 30 बिस्तरों से बढ़ाकर 50 बिस्तरों के सिविल अस्पताल में उन्नयन के लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ प्रस्तावित भूमि का स्थल निरीक्षण किया और स्थान का चयन परखा।

स्टाफ व संसाधनों की कमी पर अधिकारियों और नागरिकों संग खुली चर्चा- भूमि निरीक्षण के पश्चात विधायक सखलेचा ने स्थानीय गणमान्य नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ एक खुली बैठक की। संवाद के दौरान नागरिकों और चिकित्सा अधिकारियों ने अस्पताल में चिकित्सकों एवं पैरामेडिकल स्टाफ की भारी कमी को प्रमुखता से उठाया। इसके अलावा दैनिक उपयोग में आने वाले स्वास्थ्य संसाधनों व उपकरणों की कमियों से भी अवगत कराया।

जनता की समस्याएं सुनते ही विधायक ओमप्रकाश सखलेचा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल भोपाल में स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा की और खाली पड़े पदों को शीघ्र भरने तथा आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवा मेरी पहली प्राथमिकता, धन की कोई कमी नहीं बैठक में उपस्थित नागरिकों को आश्वस्त करते हुए विधायक सखलेचा ने कहा- क्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को उसके घर के पास ही त्वरित और गुणवत्तापूर्ण इलाज मुहैया कराना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। प्रदेश की भाजपा सरकार आमजन के स्वास्थ्य को लेकर पूरी तरह गंभीर है। पीड़ितों के उपचार और अस्पतालों के कायाकल्प के लिए सरकार के पास बजट की कोई कमी नहीं है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में निरंतर जारी हैं प्रयास- गौरतलब है कि विधायक ओमप्रकाश सखलेचा लंबे समय से अपने विधानसभा क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्था को सुदृढ़ करने के प्रयासों में जुटे हैं। उनके प्रयासों के चलते ग्रामीण इलाकों में नए स्वास्थ्य केंद्र स्वीकृत और निर्मित किए जा रहे हैं।

हाल ही में उनके द्वारा जावद क्षेत्र के प्रत्येक गांव में निशुल्क विशाल स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भी किया गया था, जिसमें बाहर से आए विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम द्वारा हजारों ग्रामीणों का निःशुल्क परीक्षण, जांच और उपचार किया गया था।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख जनप्रतिनिधि रहे मौजूद इस अवसर पर विधायक के साथ स्थानीय प्रशासन और संगठन के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से-

सुरेश बगड़ा (अध्यक्ष, नगर परिषद सिंगोली)

अशोक विक्रम सोनी (महामंत्री, जिला भाजपा)

लोकेश पटवा (अध्यक्ष, नगर भाजपा)

ओंकारलाल धाकड़ (मंडल महामंत्री)

इनके अलावा नगर के अनेक गणमान्य नागरिक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सिविल अस्पताल के निर्माण की दिशा में बढ़े इस कदम से सिंगोली और आसपास के ग्रामीण अंचलों के हजारों लोगों को अब गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा।

संयुक्त दल ने किया बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम एवं बाल सुरक्षा के प्रति जागरूक

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट, बाल कल्याण समिति, विदिशा सोशल वेलफेयर सोसायटी तथा रेलवे सुरक्षा बल के संयुक्त दल द्वारा बाल भिक्षावृत्ति रोकथाम अभियान के अंतर्गत सीहोर के रेलवे स्टेशन तथा आसपास के क्षेत्रों में नागरिकों एवं बच्चों को जागरूक किया गया। इस दौरान सीहोर रेलवे स्टेशन एवं आसपास के क्षेत्रों का भ्रमण किया गया और लोगों को बाल संरक्षण एवं बाल सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी गई।

संयुक्त दल द्वारा विशेष रूप से जिले के बाहर से आने वाले लोगों के साथ आए बच्चों एवं उनके अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। इसके साथ ही जीआरपी के माध्यम से रेलवे स्टेशन परिसर में अनाउंमेंट कर यात्रियों को बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही अभिभावकों को सलाह दी गई कि वे अपने बच्चों को अपने मोबाइल नंबर एवं घर का पता याद कराएं अथवा संपर्क नंबर लिखकर बच्चों की जेब में रखें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में बच्चों को सुरक्षित रूप से उनके परिजनों तक पहुँचाया जा सके। संयुक्त दल ने उपस्थित नागरिकों से अपील की कि यदि कोई बच्चा भिक्षावृत्ति करते हुए, असहाय अवस्था में अथवा किसी प्रकार के शोषण का शिकार दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल संबंधित विभाग, पुलिस अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 पर दें।

ग्राम पटेल शासन-प्रशासन और ग्रामीणों के बीच विश्वास की मजबूत कड़ी हैं : कलेक्टर

कृषि उपज मंडी झाबुआ में ग्राम पटेलों की बैठक आयोजित, शांति व्यवस्था, साइबर सुरक्षा एवं नशा मुक्ति पर किया गया संवाद

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार की अध्यक्षता में शनिवार को कृषि उपज मंडी, झाबुआ में जिले के ग्राम पटेलों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, कानून-व्यवस्था, साइबर अपराधों की रोकथाम, गोवंश संरक्षण तथा नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट ने कहा कि ग्राम पटेल शासन-प्रशासन और ग्रामीणों के बीच एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाते हैं। उनका दायित्व केवल शासन की योजनाओं और सूचनाओं को गांव तक पहुंचाना ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों की समस्याओं और सुझावों को प्रशासन तक पहुंचाना भी है। उन्होंने कहा कि ग्राम पटेल की व्यवस्था सैकड़ों वर्षों से चली आ रही एक ऐतिहासिक व्यवस्था है, जिसने विभिन्न कालखंडों में प्रशासन और समाज के बीच विश्वास बनाए रखा है।

कलेक्टर ने कहा कि पूर्व में संचार और परिवहन के साधनों के अभाव में पटेल एवं तड़वी प्रशासन तक सूचनाएं पहुंचाने का महत्वपूर्ण कार्य करते थे। आज तकनीक और संचार के साधनों ने व्यवस्थाओं को सरल बनाया है, लेकिन ग्राम स्तर पर पटेल की भूमिका आज भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि जिले के समग्र विकास के लिए सबसे पहले शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना आवश्यक है। यदि कहीं गोवंश से संबंधित अवैध गतिविधियां अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित करने वाली कोई घटना सामने आती है, तो उसकी तत्काल सूचना प्रशासन एवं पुलिस को देना प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक तथा ग्राम पटेल का कर्तव्य है।

पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार ने कहा कि ग्राम पटेल गांव, सामान्य प्रशासन और पुलिस प्रशासन के बीच सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। वे गांव की सामाजिक परिस्थितियों, लोगों की पृष्ठभूमि, स्थानीय परंपराओं एवं सामाजिक गतिविधियों से भली-भांति परिचित होते हैं। उन्होंने वर्षों से बिना किसी मानदेय के निस्वार्थ भाव से ग्राम हित एवं प्रशासनिक सहयोग में योगदान देने वाले सभी ग्राम पटेलों का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति के साथ अपना आधार नंबर, ओटीपी, बैंक खाता अथवा अन्य गोपनीय बैंकिंग जानकारी साझा न करें, क्योंकि इससे साइबर धोखाधड़ी का शिकार होने की संभावना रहती है। उन्होंने ग्रामीणों को नौकरी दिलाने, पैसा दोगुना करने अथवा अन्य प्रलोभनों के नाम पर होने वाली ठगी से सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही गांवों में नशे का अवैध कारोबार करने वालों अथवा नशीले पदार्थों के उपयोग की जानकारी तत्काल पुलिस को उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

पटेल संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री राजेश पटेल ने कहा कि ग्राम पटेल राजस्व व्यवस्था का एक महत्वपूर्ण अंग हैं तथा शासन की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि गांवों में गोवंश के अवैध परिवहन अथवा किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस एवं प्रशासन को देना ग्राम पटेलों का दायित्व है। उन्होंने शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सक्रिय सहयोग करने का भी आह्वान किया।

बैठक के समापन पर उपस्थित सभी ग्राम पटेलों एवं अधिकारियों को नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान के अंतर्गत नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई तथा समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनजागरूकता फैलाने का संकल्प लिया गया।

औषधि प्रशासन विभाग ने किया मेडिकल स्टोर्स का निरीक्षण

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव तथा नियंत्रक खाद्य एवं औषधि प्रशासन भोपाल के निर्देशानुसार आगर मालवा जिले के सुसनेर तहसील के मोड़ी एवं सुसनेर मै औषधि निरीक्षक श्रीमती रोशनी धुर्वे ने मेडिकल स्टोर का औचक निरीक्षण किया जिसमें मोड़ी में एक मेडिकल स्टोर बिना फार्मासिस्ट के मेडिकल संचालित पाया गया एवं अन्य मेडिकल स्टोर मैं कुछ अन्य अनियमिताएं पाई गईं। औचक निरीक्षण में कुछ मेडिकल स्टोर ताला बंद कर ,मेडिकल स्टोर संचालक चले गए। ड्रग इंस्पेक्टर श्रीमती रोशनी धुर्वे ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि अनियमिताओं के लिए उक्त मेडिकल स्टोर पर औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के तहत कार्यवाही की जायेगी। निरीक्षण में दवाई के सैंपल भी लिये गये है जिसे राज्य औषधि प्रयोगशाला भोपाल जांच हेतु भेजा जायेगा। यदि जांच मैं दवाई अवमानक पाई जाती है, तो औषधि एवं प्रसाधन अधिनियम 1940 एवं नियमावली 1945 के अंतर्गत कार्यवाही की जायेगी

प्रभारी मंत्री श्री चौहान का सर्किट हाउस पर आत्मीय स्वागत

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा आगर जिले के प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान का शनिवार को आगर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस पहुंचने पर जनप्रतिनिधियों, नागरिकों और अधिकारियों ने आत्मीय स्वागत किया। प्रभारी मंत्री श्री नागर के सर्किट हाउस आगर पहुंचते ही कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव,अपर कलेक्टर डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ श्री बी.एस सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रविंद्र बोयत, आदिम जाति कल्याण विभाग के जिला संयोजक श्री शेखर उइके ने पुष्प गुच्छ भेंट कर प्रभारी मंत्री जी का आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर विधायक आगर श्री माधव सिंह गहलोत,जिला अध्यक्ष श्री ओम मालवीय एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने प्रभारी मंत्री जी का शाल ओढ़ाकर एवं पुष्प गुच्छ भेटकर स्वागत किया। इस मौके पर एसडीएम श्री मिलिंद ढोके, एसडीओपी श्री मोतीलाल कुशवाहा, सहायक संचालक जनसंपर्क श्री जगदीश चंद्र मालवीय एवं जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

आगर-मालवा जिले में अब तक औसत 385.4 मि.मी. वर्षा दर्ज

आगर मालवा/**दैनिक मालवा हेराल्ड।** आगर मालवा जिले में वर्तमान वर्षाकाल में 1 जून से 25 जुलाई 2026 की प्रातः 8ः00 बजे तक औसत 385.4 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। गत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत 268.7 मि.मी. वर्षा हुई थी। जिले में चालू वर्षाकाल में अब तक तहसील नलखेड़ा में 484.0 मि.मी., आगर में 408.0 मि.मी., सोयतकलां में 402.0 मि.मी., सुसनेर में 390.0 मि.मी. एवं बड़ोद में 243.0 मि.मी., इस वर्ष अब तक जिले में कुल 1927.0 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

गत वर्ष इस अवधि में कुल 1343.5 मि.मी. वर्षा दर्ज हुई थी। गत वर्ष आगर में 170.0, बड़ोद में 295.0, नलखेड़ा में 250.0, सोयतकलां में 323.5 एवं सुसनेर में 305.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई थी।

जिले में 25 जुलाई को प्रातः 8ः00 बजे तक 24 घंटों में औसत 2.6 मि.मी. वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि जिले में कुल वर्षा 13.0 मि.मी. हुई है। तहसीलवार 24 घंटे में आगर में 12.0 मि.मी., नलखेड़ा में 1.0 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। बड़ोद , सोयतकलां एवं सुसनेर उसे देर में पिछले 24 घंटे में कोई वर्षा दर्ज नहीं हुई है।

वन स्टॉप सेंटर की काउंसलिंग से मां-बेटे के बीच दूर हुई गलतफहमी

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महिला हेल्पलाइन 181 पर प्राप्त एक प्रकरण में एक विधवा महिला ने अपने बेटे के संबंध में चिंता व्यक्त करते हुए उसकी काउंसलिंग कराने का अनुरोध किया। महिला का कहना था कि वह अपने बेटे के भविष्य को लेकर चिंतित है और चाहती है कि समय रहते उसे सही मार्गदर्शन मिले।

प्रकरण प्राप्त होने पर वन स्टॉप सेंटर द्वारा महिला को केंद्र पर बुलाकर उनकी समस्या को विस्तार से सुना गया। महिला ने बताया कि वह एक छोटी सी गुमटी में कपड़ों का व्यवसाय कर अपने परिवार का पालन-पोषण करती हैं।

उनके परिवार में दो बेटियां और एक अविवाहित बेटा है। उन्होंने बताया कि उन्हें आशंका थी कि उनका बेटा देर रात तक मोबाइल पर किसी लड़की से बात करता है तथा सिगरेट पीने की आदत भी रखता है, जिससे वह चिंतित थीं।

इसके बाद वन स्टॉप सेंटर द्वारा युवक को भी काउंसलिंग के लिए बुलाया गया। काउंसलिंग के दौरान युवक ने बताया कि वह वीडियो एडिटिंग का कार्य करता है, जिसके कारण उसे कई बार देर रात तक काम करना पड़ता है। उसने स्पष्ट किया कि उसकी मां को गलतफहमी हुई है और वह किसी लड़की से बातचीत नहीं करता।

युवक ने यह भी स्वीकार किया कि वह पहले सिगरेट पीता था, लेकिन अब इस आदत को छोड़ने का संकल्प ले चुका है। उसने अपनी मां को विश्वास दिलाया कि वह जिम्मेदारीपूर्वक जीवन जीएगा तथा परिवार की भावनाओं का सम्मान करेगा। वन स्टॉप सेंटर में हुई समझाइश और काउंसलिंग के बाद मां और बेटे के बीच की गलतफहमियां दूर हो गईं। दोनों ने एक-दूसरे की भावनाओं को समझा और आपसी विश्वास के साथ प्रसन्नतापूर्वक अपने घर लौट गए। यह प्रकरण दर्शाता है कि समय पर संवाद, पारिवारिक समझ और प्रभावी काउंसलिंग से कई पारिवारिक समस्याओं का सकारात्मक समाधान संभव है।

फ्यूज़न क्लासरूम एडुटेक लिमिटेड का आईपीओ शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 को खुलेगा; प्राइस बैंड 151 से 159 प्रति इक्विटी शेयर निर्धारित

मुख्य बिंदु-

24,55,200 तक इक्विटी शेयरों का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम।

प्रति इक्विटी शेयर प्राइस बैंड 151 से 159 निर्धारित।

न्यूनतम बोली आकार 1,600 इक्विटी शेयर तथा उसके बाद 800 इक्विटी शेयरों के गुणकों में आवेदन किया जा सकेगा।

एंकर निवेशकों के लिए निर्गम 30 जुलाई 2026 को खुलेगा।

आईपीओ 31 जुलाई 2026 को खुलेगा और 4 अगस्त 2026 को बंद होगा।

फ्लोर प्राइस इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य का 15.10 गुना तथा कैप प्राइस अंकित मूल्य का 15.90 गुना है।

फ्यूज़न क्लासरूम एडुटेक लिमिटेड (कंपनी), जो भारत के तेजी से विकसित हो रहे हाइब्रिड एडटेक प्लेटफॉर्म्स में से एक है और के-12 शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, पेशेवर कौशल उन्नयन तथा एआई/एमएल लर्निंग समाधान प्रदान करती है, ने अपने प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम की घोषणा की है। यह आईपीओ शुक्रवार, 31 जुलाई 2026 को खुलेगा और मंगलवार, 4 अगस्त 2026 को बंद होगा। एंकर निवेशकों के लिए बोली/निर्गम अवधि गुरुवार, 30 जुलाई 2026 से शुरू होगी, जो आईपीओ खुलने से एक कार्य दिवस पहले है।

यह प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम 19,89,400 तक नए इक्विटी शेयरों तथा 4,65,800 तक इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश का सम्मिलित प्रस्ताव है। इस प्रकार कुल 24,55,200 इक्विटी शेयर, प्रत्येक का अंकित मूल्य 10, इस निर्गम का हिस्सा होंगे। प्राइस बैंड, न्यूनतम बोली आकार तथा निर्गम का अंतिम आकार, सेबी के नियमों के अनुसार, आईपीओ खुलने से पूर्व घोषित किया जाएगा।

निर्गम से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग कंपनी द्वारा लिए गए कुछ बकाया ऋणों के पूर्ण अथवा आंशिक पूर्वभुगतान/पुनर्भुगतान, प्रौद्योगिकी एवं एआई/एमएल मॉडल विकास, सर्वर एवं क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर पर व्यय, कंटेंट डेवलपमेंट हेतु पूंजीगत व्यय, नए ऑफलाइन केंद्रों की एआई/एमएल प्रयोगशालाओं के लिए डेस्कटॉप एवं लैपटॉप की खरीद हेतु पूंजीगत व्यय, विपणन (मार्केटिंग) पहलों पर व्यय तथा अज्ञात अधिग्रहणों के माध्यम से अकार्बनिक विकास और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा (सामूहिक रूप से इन्हें ÷उद्देश्य÷ कहा गया है)।

इस निर्गम के लिए नार्नोलिया फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर तथा माशितला सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड रजिस्ट्रार टू द इश्यू है। कंपनी के इक्विटी शेयरों को बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध (लिस्ट) किए जाने का प्रस्ताव है।

फ्यूज़न क्लासरूम एडुटेक लिमिटेड के बारे में- वर्ष 2016 में स्थापित, फ्यूज़न क्लासरूम एडुटेक लिमिटेड एक शिक्षा प्रौद्योगिकी कंपनी है, जो पूरे भारत में शैक्षणिक शिक्षा, अधिगम और कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर केंद्रित है। कंपनी अपने Klassroom Education OTT प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करती है तथा मुंबई में स्थित अपने 30 से अधिक साझेदार केंद्रों के जरिए ऑफलाइन शिक्षा एवं कौशल

विकास कार्यक्रम संचालित करती है। इसके अतिरिक्त, कंपनी शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों और सरकारी निकायों के साथ मिलकर शैक्षणिक कार्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षा तैयारी, नई पीढ़ी के कौशल विकास तथा रोजगारोन्मुख पहलों का संचालन करती है।

कंपनी अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यक्तिगत शिक्षार्थियों को सेवाएं प्रदान करती है। साथ ही, यह शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों, उद्यमों और सरकारी निकायों के साथ एंटरप्राइज OTT सब्सक्रिप्शन, कंटेंट डेवलपमेंट, ऑफलाइन प्रशिक्षण तथा शैक्षणिक एवं कौशल विकास के लिए एआई एवं एमएल प्रयोगशालाओं की स्थापना में साझेदारी करती है। इसका विविधीकृत व्यवसाय मॉडल सब्सक्रिप्शन-आधारित सेवाओं, संस्थागत साझेदारियों और सरकारी परियोजनाओं का संयोजन है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक स्केलेबल एवं एसेट-लाइट प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है।

फ्यूज़न क्लासरूम के 6 लाख से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता, 2 लाख से अधिक पेड सब्सक्राइबर हैं तथा कंपनी के पास 100 से अधिक पाठ्यक्रमों की लाइब्रेरी है, जिसमें 3,300 घंटे से अधिक का स्वामित्वयुक्त डिजिटल लर्निंग कंटेंट उपलब्ध है। कंपनी एआई-सक्षम लर्निंग टेक्नोलॉजी, बहुभाषी कंटेंट, नए ऑफलाइन लर्निंग केंद्रों तथा एआई एवं एमएल प्रयोगशालाओं में निरंतर निवेश कर रही है, ताकि सीखने के परिणामों को बेहतर बनाया जा सके और पूरे भारत के शिक्षार्थियों की रोजगार क्षमता में वृद्धि हो सके।

प्रदेश में 200 नए सांदीपनि विद्यालय और बनेंगे-प्रभारी मंत्री श्री चौहान

आगर मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा सुविधाए उपलब्ध करवा रही है, आज प्रदेश में 14000 करोड़ की लागत के 370 सांदीपनि विद्यालय भवनों का लोकार्पण किया जा रहा है प्रदेश में 200 नए सांदीपनि विद्यालय और बनाए जाएंगे।

यह बात प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने शनिवार को आगर में 111.40 करोड़ लागत से नवनिर्मित सर्व सुविधायुक्त आगर, सुसनेर एवं नलखेड़ा के सांदीपनि विद्यालय भवनों के लोकार्पण समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही।

इस मौके पर विधायक श्री माधव सिंह गहलोत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मुन्नाबाई भैरूसिंह चौहान, कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव, नपा अध्यक्ष श्री निलेश जैन पटेल,पूर्व विधायक सुसनेर श्री राणा विक्रम सिंह, जिला अध्यक्ष श्री ओम मालवीय सहित जनपद अध्यक्ष, नगरीय निकायों के अध्यक्ष एवं अन्य जनप्रतिनिधि तथा पदाधिकारी मंचासीन थे।

प्रभारी मंत्री ने प्रारंभ में दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कलेक्टर श्रीमती यादव ने प्रभारी मंत्री का स्वागत किया। सुश्री अंकिता राय, जिला शिक्षा अधिकारी श्री नितेश पांडे, लोक निर्माण विभाग के श्रीज्ञानदीप, सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य आदि ने मंचासीन अतिथियों का पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्वागत उद्बोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संदीपनी विद्यालयों में उपलब्ध शिक्षा सुविधाओं के बारे में बताया।

इस अवसर पर विधायक श्री माधव सिंह गहलोत ने अपने उद्बोधन में कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में नित नए कदम उठा रही है, उन्होंने प्रभारी मंत्री से आगर में नवीन मेडिकल कॉलेज खोलने के लिए स्वीकृति प्रदान करने हेतु प्रस्ताव कैबिनेट में रखवाने का अनुरोध किया। विधायक ने कहा कि क्षेत्र के प्रतिभाशाली 45 विद्यार्थियों को भोपाल ले जाकर मुख्यमंत्री जी से भेंट करवाई है। आगामी बोर्ड परीक्षा के बाद जो भी विद्यार्थी 99त्न से अधिक अंक हासिल करेंगे, उन सभी विद्यार्थियों को वे भोपाल ले जाकर मुख्यमंत्री जी से भेंट एवं चर्चा करवाएंगे। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को अधिकाधिक अंक हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम को जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मुन्ना बाई चौहान एवं जिला अध्यक्ष श्री ओम मालवीय ने भी संबोधित किया।।

प्रभारी मंत्री श्री चौहान ने रिमोट का बटन दबाकर जिले के तीन सांदीपनि विद्यालय भवनों का लोकार्पण किया तथा गत बोर्ड परीक्षाओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्राओं क्रमशः रचना, खुशी, संजना, रानी और शत-प्रतिशत परीक्षा परिणाम देने वाले विद्यालयों के प्राचार्य, संस्था प्रमुख, एवं शिक्षकगणों को शॉल श्रीफल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए, जिसे उपस्थित जनों ने सराहा।

प्रभारी मंत्री श्री नागर सिंह चौहान ने अतिथियों के साथ सांदीपनि विद्यालय आगर के नवनिर्मित भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया और इस भवन में विभिन्न कक्षों का अवलोकन कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सांदीपनि विद्यालयों को भावी पीढ़ी के उज्जवल भविष्य का मजबूत आधार स्तंभ बताया।

इस अवसर पर विधायक श्री माधव सिंह गहलोत, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती मुन्ना बाई चौहान, कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव, जिला अध्यक्ष श्री ओम मालवीय, एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ श्री बीएस सोलंकी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री रविंद्र बोयत सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि, नागरिक, अभिभावक एवं शिक्षक गण, पत्रकार गण तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

कृषि अधिकारियों ने किया फसलों का निरीक्षण, किसानों को दिए वैज्ञानिक खेती एवं फसल प्रबंधन के सुझाव

झाबुआ/दैनिक मालवा हेराल्ड। कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा शनिवार को जिले के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर खरीफ फसलों की वर्तमान स्थिति का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान ग्राम परवट, कल्याणपुरा, खेड़ी गोपालपुरा, मेघनगर, हत्यादेली, सजेली नरसिंहपुरा एवं नौगांव सहित विभिन्न क्षेत्रों में किसानों के खेतों का अवलोकन कर उन्हें फसल प्रबंधन संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जिले में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही वर्षा से कपास, सोयाबीन, अरहर, मक्का, मूंगफली तथा सब्जी वर्गीय फसलों की स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे किसानों को बेहतर उत्पादन की उम्मीद है। भ्रमण के दौरान ग्राम परवट में कृषक श्री हरीश पिता साहू सिंह के खेत पर कपास, सोयाबीन एवं सब्जी फसलों का अवलोकन किया गया। वहीं ग्राम खेड़ी गोपालपुरा में कृषक श्री विमल भाबोर के खेत पर स्थापित बायो रिसोर्स सेंटर (बीआरसी), वर्मी कम्पोस्ट यूनिट तथा अरहर प्रदर्शन प्लॉट का निरीक्षण किया गया।

कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने 8 लेन सड़क का संयुक्त निरीक्षण किया

झाबुआ/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट एवं पुलिस अधीक्षक श्री देवेन्द्र पाटीदार ने थांदला क्षेत्र में स्थित 8 लेन सड़क का टोल नाके से जिले की सीमा तक संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सड़क सुरक्षा, यातायात व्यवस्था तथा यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि 8 लेन मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सड़क पर बने सभी अवैध कटों को तत्काल बंद कराया जाए तथा मार्ग के किनारे किसी भी प्रकार का अतिक्रमण न होने दिया जाए। साथ ही भविष्य में पत्थर फेंकने जैसी अप्रिय घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए प्रभावी निगरानी एवं आवश्यक सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

अधिकारियों ने मार्ग पर स्थित रेस्ट एरिया का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया कि यात्रियों की सुविधा के लिए रेस्ट एरिया एवं ट्रॉमा सेंटर को शीघ्र प्रारंभ करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके तथा यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

सुदवास बन रहा है दोना निर्माण क्लस्टर

दोना निर्माण से समूह महिलाएं बन रही हैं लखपति दीदी

आगर मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। ज़िले के ग्राम सुदवास में आजीविका समूहों से जुड़ी महिलाएं, कलेक्टर श्रीमती प्रीति यादव के मार्गदर्शन में दोना-पत्तल निर्माण से अपनी आजीविका को मजबूत कर रही है। ग्राम में 30 से अधिक दोना पत्तल निर्माण इकाई संचालित है।

शुक्रवार को जिला पंचायत के सीईओ श्री बी.एस. सोलंकी ने ग्राम सुदवास का भ्रमण कर महिलाओं द्वारा संचालित दोना-पत्तल निर्माण गतिविधि का अवलोकन किया।

ग्राम में संचालित इस गतिविधि से महिलाओं को कृषि कार्य के साथ अतिरिक्त एवं नियमित आय का अवसर मिला है। ग्राम में 13 स्व-सहायता समूह संचालित हैं, जिनसे जुड़े 30 परिवार दोना-पत्तल निर्माण कार्य में संलग्न हैं।

गतिविधि के माध्यम से परिवारों की प्रतिदिन की आय सुनिश्चित हुई है। साथ ही महिलाओं की अतिरिक्त आय में वृद्धि हुई है और कई महिलाएं 'लखपति दीदी' की श्रेणी में शामिल हुई हैं।

भ्रमण के दौरान जिला पंचायत सीईओ श्री बी.एस सोलंकी ने समूह की महिलाओं से गतिविधि के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने महिलाओं को उत्पादों के बेहतर मार्केट लिंकेज तथा गतिविधि के विस्तार के लिए बैंक ऋण उपलब्ध कराने संबंधी आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने महिलाओं को समूह के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को और अधिक विस्तारित करने के लिए प्रोत्साहित किया।

लक्ष्मी स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती शोभा बाई ने बताया कि दोना-पत्तल निर्माण गतिविधि से उन्हें प्रतिदिन लगभग ?500 की आय हो रही है। इस कार्य में परिवार के सदस्य भी सहयोग करते हैं। उन्होंने बताया कि कृषि कार्य के साथ इस अतिरिक्त गतिविधि से परिवार की नियमित आय सुनिश्चित हुई है और आर्थिक स्थिति में सुधार आया है. जिला पंचायत सीईओ श्री सोलंकी ने महिलाओं द्वारा किए जा रहे दोना-पत्तल निर्माण कार्य की सराहना करते हुए गतिविधि को और अधिक प्रभावी बनाने तथा बाजार से बेहतर जुड़ाव के लिए आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन का भरोसा दिलाया।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

महाकाल के दरबार में उमड़ेगा आस्था का महासैलाब

रोज 95 हजार यात्रियों की एडवांस बुकिंग, उज्जैन स्टेशन पर पहली बार वन-वे व्यवस्था

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण-भादौ में बाबा महाकाल के दर्शन के लिए इस बार उज्जैन में अब तक का सबसे बड़ा जनसैलाब उमड़ने की उम्मीद है। रेलवे की एडवांस टिकट बुकिंग ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अगस्त और सितंबर के लिए प्रतिदिन करीब 95 हजार यात्रियों ने पहले ही टिकट बुक करा लिए हैं। अनुमान है कि सावन में महाकाल मंदिर और महाकाल लोक में श्रद्धालुओं की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक रहेगी। बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे और प्रशासन ने सुरक्षा तथा भीड़ प्रबंधन के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

इस बार पहली बार उज्जैन रेलवे स्टेशन पर वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। प्रस्ताव के अनुसार प्लेटफॉर्म नंबर-1 से यात्रियों की एंट्री होगी, जबकि प्लेटफॉर्म नंबर-8 की ओर से एग्जिट कराया जाएगा। माल गोदाम की ओर से प्रवेश पूरी तरह बंद रहेगा, ताकि स्टेशन परिसर में भीड़ का दबाव कम किया जा सके और यात्रियों की आवाजाही सुचारु बनी रहे। रेलवे अधिकारियों के अनुसार सामान्य दिनों में उज्जैन स्टेशन पर रोजाना करीब 72 हजार यात्री आते हैं, लेकिन 30 जुलाई से 7 सितंबर तक चलने वाले श्रावण-भादौ मास के दौरान यह संख्या 95 हजार प्रतिदिन से भी अधिक पहुंचने की संभावना है। पिछले वर्ष सावन में प्रतिदिन करीब 70 हजार श्रद्धालु पहुंचे थे, जबकि इस बार पहले से हुई बुकिंग ही रिकॉर्ड स्तर पर है।

भोपाल रूट पर सबसे ज्यादा दबाव, 6 अतिरिक्त ट्रेनें- महाकाल लोक बनने के बाद उज्जैन आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। रेलवे का कहना है कि सबसे अधिक दबाव भोपाल रूट पर रहता है। इसे देखते हुए इस मार्ग पर 6 अतिरिक्त ट्रेनें संचालित करने की तैयारी की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को यात्रा में परेशानी का सामना न करना पड़े।

पहली बार बनेगा वाटरप्रूफ होल्डअप एरिया- स्टेशन के बाहर पहली बार 1200 यात्रियों की क्षमता वाला वाटरप्रूफ होल्डअप एरिया तैयार किया जा रहा है। यहां श्रद्धालुओं के बैठने, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था रहेगी। भीड़ बढ़ने पर यात्रियों को यहीं रोका जाएगा और चरणबद्ध तरीके से स्टेशन के अंदर प्रवेश दिया जाएगा।

ड्रोन से होगी निगरानी, बढ़ेगी सुरक्षा- श्रावण-भादौ में सुरक्षा व्यवस्था को हाईटेक बनाया जा रहा है। स्टेशन और आसपास के क्षेत्र की निगरानी पहली बार ड्रोन कैमरों से की जाएगी। इसके साथ ही 50 अतिरिक्त सुरक्षा जवानों की तैनाती का प्रस्ताव भेजा गया है। स्टेशन परिसर में सीसीटीवी कैमरों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है, ताकि हर गतिविधि पर नजर रखी जा सके और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई हो सके।

सिंहस्थ-2028 की तैयारी का भी होगा ट्रायल- रेलवे और जिला प्रशासन का मानना है कि सावन में लागू होने वाली यह नई व्यवस्था केवल इस बार की भीड़ संभालने तक सीमित नहीं रहेगी। इसे सिंहस्थ-2028 के लिए क्राउड मैनेजमेंट के बड़े अभ्यास के रूप में भी देखा जा रहा है। यदि यह व्यवस्था सफल रही तो भविष्य में बड़े धार्मिक आयोजनों में भी इसी मॉडल को अपनाया जाएगा। इस बार महाकाल की नगरी में आस्था का ऐसा महासैलाब उमड़ने की संभावना है, जिसके लिए रेलवे और प्रशासन पहले से पूरी ताकत के साथ तैयारियों में जुट गया है।

महर्षि संदीपनी गुरु पर्व के राज्य स्तरीय आयोजन की तैयारियों को लेकर कलेक्टर श्री सिंह ने की समीक्षा

29 जुलाई को मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में गीता भवन में होगा भव्य आयोजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में 29 जुलाई, गुरु पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय महर्षि संदीपनी गुरु पर्व कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, व्यवस्थाओं एवं विभिन्न विभागों की जिम्मेदारियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने बताया कि गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर महर्षि संदीपनी गुरु पर्व राज्य स्तरीय समारोह के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में गीता भवन, उज्जैन में आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक, जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक शामिल होंगे।

बैठक में बताया गया कि कार्यक्रम के अंतर्गत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण भी किया जाएगा। साथ ही शिक्षा, खेल एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान भी किया जाएगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम में शामिल होने वाले सभी विद्यार्थी निर्धारित गणवेश में उपस्थित रहें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यक्रम की सभी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूर्ण कर ली जाएं तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए कार्यक्रम को गरिमामय एवं सफल बनाएं। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री श्रेयांश कुमट, सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. अर्पण भारद्वाज, जिला शिक्षा अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गंभीर डैम में 1001 एमसीएफटी पानी, उज्जैन की चिंता फिलहाल खत्म

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर और उज्जैन के कैचमेंट क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से उज्जैन के प्रमुख जल स्रोत गंभीर डैम का जलस्तर बढ़कर 1001 एमसीएफटी पहुंच गया है। इसके साथ ही शहर की पेयजल व्यवस्था को बड़ी राहत मिली है और आने वाले कई महीनों तक जल संकट की आशंका काफी हद तक कम हो गई है। पीएचई विभाग के अधिकारी दिलीप नौधाने ने बताया कि गंभीर डैम की कुल जलधारण क्षमता 2250 एमसीएफटी है। मौजूदा जल संग्रहण के साथ बांध करीब 45 से 50 प्रतिशत तक भर चुका है। उन्होंने बताया कि शहर की एक बार की पूर्ण जलापूर्ति में लगभग 8 एमसीएफटी पानी की आवश्यकता होती है, इसलिए वर्तमान संग्रहण शहर के लिए राहतभरी स्थिति है। अधिकारियों के अनुसार इस बार गंभीर डैम में पानी की आवक केवल उज्जैन और आसपास के कैचमेंट क्षेत्र में हुई अच्छी बारिश से हुई है। इंदौर के यशवंत सागर बांध का अभी तक कोई गेट नहीं खोला गया है। सामान्यतः यशवंत सागर के ओवरफ्लो होने या गेट खुलने पर गंभीर डैम में पानी की आवक और तेज हो जाती है। यदि आने वाले दिनों में बारिश का दौर जारी रहा तो गंभीर डैम का जलस्तर और तेजी से बढ़ने की संभावना है, जिससे शहर की पेयजल व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी।

बारिश में अब पंख फैलाकर नाचते नजर नहीं आते मोर

6 साल से गणना नहीं करा रहा वन विभाग - एक समय था जब हजारों मोर नजर आते थे शहर के आसपास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। एक वक्त था जब उज्जैन में हीरा मिल की चाल क्षेत्र से लेकर कार्तिक मेला क्षेत्र और कोठी रोड़ तथा विश्व विद्यालय परिसर के आसपास बारिश के दिनों में पंख फैलाकर मोर नाचते नजर आते थे। अब यह बीते वक्त की बात हो गई है। हैरत की बात है कि उज्जैन में कितने मोर बचे हैं, इसका आंकड़ा भी स्पष्ट नहीं हैं, क्योंकि वन विभाग ने पिछले 6 साल से मोरों की गणना नहीं कराई है।

उल्लेखनीय है कि बारिश के मौसम में जब मोर पंख फैलाकर नाचता है, तो हर कोई इस सुंदर नजारे का आनंद लेना चाहता है। शहर में यह नजारे पहले काफी आम हुआ करते थे, लेकिन बढ़ते शोरगुल और विकास कार्यों के चलते राष्ट्रीय पक्षी ने अपने क्षेत्र से पलायन करना शुरू कर दिया है। एक समय था जब उज्जैन शहर में ही करीब 3 से 4 हजार मोर हुआ करते थे, लेकिन अब इनकी संख्या में गिरावट आई है। जानकारों की माने तो इसके पीछे बड़ी वजह उज्जैन की भौगोलिक स्थिति में आए बदलाव हैं। इस कारण शहर में मोर की संख्या भी कम होती जा रही हैं। एक समय था जब कोठी रोड और विक्रम वाटिका क्षेत्र मोरों के लिए संरक्षित घोषित था। सबसे ज्यादा मोर इसी क्षेत्र में पाए जाते थे, लेकिन बदलती भौगोलिक स्थिति और गाडियों के शोरगुल के कारण अब मोर भी यहाँ से अन्य जगह पलायन कर गए हैं, लेकिन शहर के आस पास ग्रामीण इलाकों में आज भी मोर देखे जा सकते हैं। मंगरोला और राघवपिपलिया दो गाँव ऐसे हैं जहाँ मोर की आबादी आज भी बची है। यहाँ गाँव वालों ने खुद ही मोर संरक्षण केंद्र खोला है। मोरों के दाने-पानी के इंतजाम के साथ घायल होने पर मोरों के इलाज तक ग्रामीण खुद करते हैं। इसके अलावा शहर से दूर कई एकांत क्षेत्रों में भी मोर वृक्ष और झाडियों के ऊपर अपना जीवन यापन कर रहे हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर अभी तक वहाँ के मोरों को कोई संरक्षण नहीं मिल पाया है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्रों में भी मोरों की संख्या अब कम होती जा रही है। हैरानी की बात यह हैं कि वन विभाग ने वर्ष 2020 में कोरोना काल शुरु होने के बाद से अब तक मोरों की गणना भी नहीं कराई है। अब केवल अनुमान है कि शहर के कुछ इलाकों में 600 के लगभग मोर शेष रह गए हैं। इनमें जंतर मंतर क्षेत्र में 35, इंजीनियरिंग कॉलेज क्षेत्र में 70, प्रशांति सांई मंदिर इको पार्क में 90, हामूखेड़ी टेकरी पर 35, नागझिरी सोयाबीन प्लांट के आसपास 125, सेन्ट्रल स्कूल परिसर में 15, मानविकी अध्ययन शाला परिसर में 50, विक्रम विश्वविद्यालय कोठी क्षेत्र में 60, चामुण्डा माता चौराहा विनोद मिल नगर वन में करीब 100, सामाजिक न्याय परिसर के पास 15, अंकपात मार्ग क्षेत्र में 40 और गढ़कालिका क्षेत्र तथा आसपास 65 के लगभग मोर हो सकते हैं।

इंजीनियर को फेसबुक पर युवती से भारी पड़ी दोस्ती

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। ऑनलाइन फ्रॉड के जाल में इंजीनियर फंस गया। फेसबुक पर युवती से हुई दोस्ती के चक्कर में 48 हजार से अधिक का ट्रांजेक्शन कर दिया। ठगी का आभास पुलिस को शिकायत दर्ज कराई।

बिरलाग्राम थाना प्रभारी जितेन्द्र पाटीदार ने बताया कि शिक्षक कालोनी विधानगर में रहने वाले इंजीनियर विवेकानंद पिता भास्कर मिश्रा 32 साल के साथ हुई ऑनलाइन 48 हजार 500 की धोखाधड़ी के मामले में अज्ञात महिला के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया गया है। इंजीनियर ने शिकायत में बताया कि उसकी कुछ समय पहले फेसबुक पर लंदन के बर्निंघम में रहने वाली युवती से पहचान हुई थी। बातचीत का क्रम वाट्सएप वीडियो कॉल तक आ गया। युवती ने भारत आने की इच्छा जताई। 8 जुलाई को उसने मुम्बई एयरपोर्ट पहुंचने की बात कहीं और बताया कि उसे रोक लिया गया है, दस्तावेज कम होने पर पेलन्टी मांगी जा रही है। मुझे रूपयों की जरूरत है। उसकी बातों में आकर 48 हजार 500 का ट्रांजेक्शन किया। कुछ देर बाद फिर से रूपयों की मांग की गई, उसके पास ऑनलाइन केश नहीं था, वह डराने-धमकाने लगी। जिसके चलते ठगी का आभास हुआ। थाना प्रभारी के अनुसार मामला जांच में लिया गया है, साइबर ठगी करने वालों ने संभवतः पहचान छुपाकर इंजीनियर को अपने जाल में फंसाया था।

चातुर्मास शुरू.... चार माह मांगलिक कार्यों पर लगा ब्रेक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आषाढ़ शुक्ल एकादशी पर शनिवार को देवशयनी एकादशी के साथ सनातन धर्म में चातुर्मास का शुभारंभ हो गया। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु क्षीरसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं और चार माह बाद कार्तिक शुक्ल एकादशी (देवउठनी एकादशी) पर जागृत होते हैं। इस अवधि में विवाह, गृहप्रवेश, मुंडन और अन्य मांगलिक कार्य नहीं किए जाते। चातुर्मास को आत्मसंयम, साधना और धर्म पालन का श्रेष्ठ समय माना गया है। श्रद्धालु इन चार महीनों में भगवान विष्णु, शिव और तुलसी की पूजा, जप-तप, व्रत, दान-पुण्य, धार्मिक ग्रंथों का पाठ तथा भागवत, रामकथा और सत्संग का श्रवण करते हैं। संत-महात्मा भी एक स्थान पर रहकर प्रवचन और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराते हैं। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार चातुर्मास के दौरान सूर्य दक्षिणायन में रहता है। धार्मिक दृष्टि से इस समय आध्यात्मिक साधना और देव उपासना का विशेष महत्व माना गया है। श्रावण से कार्तिक तक शिवभक्ति, जन्माष्टमी, गणेशोत्सव, पितृपक्ष, नवरात्र, दशहरा और दीपावली जैसे प्रमुख पर्व भी इसी अवधि में आते हैं। इसलिए श्रद्धालुओं से इन चार महीनों में धर्म, संयम और सेवा के कार्यों को अधिक महत्व देने की अपील की गई है।

सुचारू एवं बाधा रहित यातायात व्यवस्था के लिए पार्किंग कार्ययोजना तैयार करें - संभागायुक्त

सिंहस्थ- 2028 की तैयारियों को लेकर समन्वय बैठक सम्पन्न

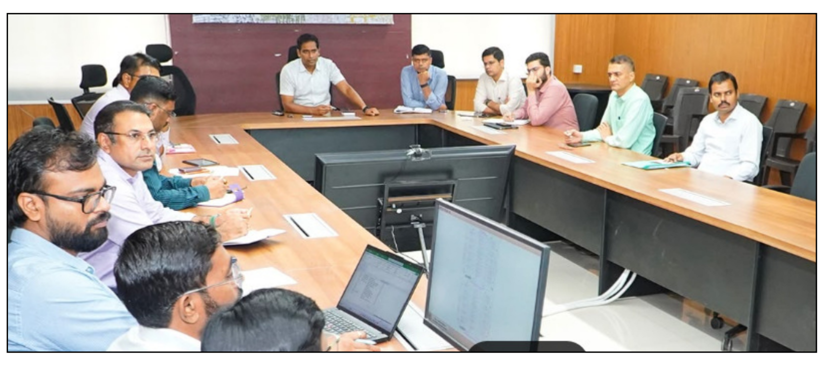

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त एवं सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में शनिवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय सभागार में सिंहस्थक्क2028 की पूर्व तैयारियों के संबंध में समन्वय बैठक आयोजित की गई। बैठक में सिंहस्थ मेले के दौरान सुचारु एवं बाधा रहित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वाहन पार्किंग के लिए कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश संबंधित विभागीय अधिकारियों को दिए गए।

बैठक में सिंहस्थ के दौरान पार्किंग व्यवस्था, मेला क्षेत्र में पेयजल, शौचालय, भोजन एवं नाश्ता, टेंट, संचार व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं से संबंधित तैयारियों की विभागवार समीक्षा की गई। संभागायुक्त श्री सिंह ने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त श्री सिंह ने कहा कि सिंहस्थ-2028 से जुड़े सभी निर्माण एवं विकास कार्य निर्धारित समय-सीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। सिंहस्थ के कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराया जाए। साथ ही प्रत्येक विभाग अपनी कार्ययोजना का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करे।

बैठक में कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के प्रशासक श्री प्रथम कौशिक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री श्रेयांस कूमट सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

धर्म आराधना में विलंब न करें, जीवन का कोई भरोसा नहीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मालवा विभूषण पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय वीररत्नसूरीश्वरजी महाराजा की दिव्य कृपा तथा पूज्य आचार्यदेव श्रीमद् विजय पद्मभूषणरत्नसूरीश्वरजी महाराजा के पावन एवं शुभ सान्निध्य में उज्जैन के अरविंद नगर स्थित श्री वीरमणि प्रवचन मंडप में चल रहे पावन चातुर्मास के अंतर्गत शनिवार 25 जुलाई को आयोजित धर्मसभा में पूज्य पंन्यास प्रवर श्री ऋषभरत्नविजयजी म.सा. ने उपस्थित श्रद्धालुओं को धर्म आराधना में विलंब क्यों नहीं करना चाहिए विषय पर अत्यंत मार्मिक एवं जीवनोपयोगी प्रवचन दिए।

संसार में तीन बातों का नहीं कोई भरोसा- प्रवचन के दौरान पूज्य गुरुदेव ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए फरमाया कि जीवन और सांसारिक गतिविधियों का कोई भरोसा नहीं है, इसलिए धर्म की आराधना को कभी भी कल पर नहीं टालना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि संसार में मुख्य रूप से तीन चीजों का कोई भरोसा नहीं होता।

आयुष्य - मनुष्य जीवन का अंत कब और किस क्षण हो जाए, इसके बारे में कोई कुछ नहीं जानता।

पुण्य -भाग्य और पुण्य का उदय कब तक साथ देगा, यह भी अनिश्चित है। शुभ भाव-मन में उठने वाले शुभ भाव अत्यंत क्षणिक होते हैं, और यदि उन्हें तुरंत धर्म-कर्म में न लगाया जाए, तो वे शीघ्र समाप्त हो जाते हैं।

बिना अनुमति जुलूस निकालने पर फंसे आयोजक

डीजे संचालक पर भी केस दर्ज, मामला महिदपुर का

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला दण्डाधिकारी के आदेशों की अवहेलना कर बिना अनुमति जुलूस निकालने और तेज आवाज में डीजे बजाने पर महिदपुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आयोजक और डीजे संचालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

महिदपुर थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक पाटीदार ने बताया कि 24 जुलाई को सूचना मिली कि गंगावाड़ी मैला रोड स्थित फकीर मोहल्ले से कुछ लोग ताजिये को डीजे वाहन क्रमांक स्क्र3त्क्र2143 के साथ तेज आवाज में डीजे बजाते हुए गंगावाड़ी मैला ग्राउंड से धुलेट तिराहा की ओर ले जा रहे थे। मौके पर पहुंची पुलिस ने जुलूस के आयोजक साबिर शाह निवासी फकीर मोहल्ला से अनुमति मांगी तो उन्होंने बताया कि जुलूस के संबंध में कोई अनुमति नहीं ली गई है।

डीजे चला रहे विनोद निवासी रामलीला मैदान से भी अनुमति के संबंध में पूछताछ की गई तो उसके पास भी अनुमति नहीं पाई गई। डीजे तेज आवाज में बज रहा था जिससे राहगीरों और आसपास रहने वाले लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा उत्पन्न हो रहा था। जुलूस में करीब 600 पुरुष-महिलाएं शामिल थे। बिना अनुमति जुलूस निकालने और निर्धारित डेसीबल से अधिक ध्वनि में डीजे बजाने पर पुलिस ने आयोजक साबिर शाह और डीजे संचालक विनोद के विरुद्ध धारा 223(क्र) क्क्रस् एवं कोलाहल अधिनियम 1985 की धारा 7/15 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

जान की जोखिम में डाल आरोपी को पकड़ने वाले थाना प्रभारी सम्मानित

घायल की जान बचाने वाले आरक्षक को भी इनाम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। टॉवर चौक फायरिंग की घटना में साहस और मानवता का परिचय देने वाले पुलिसकर्मियों को पुलिस अधीक्षक उज्जैन द्वारा सम्मानित किया गया।पुलिस अधीक्षक ने थाना माधवनगर के थाना प्रभारी गजेन्द्र पचौरिया को 10 हजार के नगद पुरस्कार और घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर मदद करने वाले यातायात आरक्षक अनमोल को 5 हजार का नगद पुरस्कार दिया।

शुक्रवार दोपहर टॉवर चौक पर हुई फायरिंग के आरोपी के पास 4 अतिरिक्त कारतूस भी मौजूद थे। आरोपी द्वारा दोबारा फायरिंग कर बड़ी जनहानि की आशंका थी। ऐसी गंभीर परिस्थिति में थाना प्रभारी गजेंद्र पचौरिया ने अपनी जान की परवाह किए बिना साहसपूर्वक आरोपी का पीछा किया और पकड़ लिया। उनकी त्वरित कार्रवाई से एक संभावित बड़ी घटना टल गई। वहीं घटना के बाद घायल को तत्काल जिला चिकित्सालय पहुंचाकर उपचार में मदद करने और आवश्यक पुलिस कार्रवाई में सहयोग देने वाले यातायात आरक्षक अनमोल की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही थी । पुलिस अधीक्षक ने दोनों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि कर्तव्य के प्रति समर्पण और मानवता का यह उदाहरण अन्य पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणा है। थाना प्रभारी अपनी जान जोखिम में नहीं डालते तो आरोपी किसी और पर भी फायर कर सकता था, जिससे किसी की जान भी जा सकती थी। वहीं आरक्षक अगर गोली लगने पर घायल वृद्ध को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचता तो उसकी मौत हो सकती थी। दोनों ही पुलिसकर्मियों द्वारा अपनी कर्तव्य निष्ठा और पुलिस विभाग की कार्य शैली को जिम्मेदारी से निभाया है।

आजाद जयंती पर भाजयुमो ने चलाया स्वच्छता अभियान, दी पुष्पांजलि आजाद प्रेरणा पर्व के तहत चंद्रशेखर आजाद उद्यान में हुआ कार्यक्रम

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहीद पं. चंद्रशेखर आजाद की जयंती के अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर जिला उज्जैन द्वारा आजाद प्रेरणा पर्व अभियान के अंतर्गत स्वच्छता अभियान एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम चंद्रशेखर आजाद उद्यान, महाकाल सिंधी कॉलोनी, दो तालाब के पास आयोजित हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने उद्यान परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर कचरा उठाया, झाड़ियां साफ की और परिसर को सुंदर बनाने का संकल्प लिया। साथ ही युवाओं को स्वच्छता और देशभक्ति का संदेश दिया गया।

देशभक्ति और स्वच्छता का दिया संदेश - इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष बड़ी बहन श्री मती कलावती जी यादव ने कहा कि चंद्रशेखर आजाद ने देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। उनकी जयंती को केवल याद करने से नहीं, बल्कि उनके विचारों को जीवन में उतारने से सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर देश और समाज सेवा में आगे आने का आह्वान किया।

भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि आजाद प्रेरणा पर्व हमें त्याग, बलिदान और राष्ट्रभक्ति की याद दिलाता है। स्वच्छता भी राष्ट्र सेवा का एक रूप है। इसी उद्देश्य से आज उद्यान की सफाई कर आजाद जी को नमन किया गया।

कार्यकर्ताओं ने लिया संकल्प - कार्यक्रम में भाजपा नगर महामंत्री आनंद सिंह ,नवनियुक्त भाजयुमो ज़िलाध्यक्ष नितिन सेन, मुकेश यादव उपाध्यक्ष यूडीए ,मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र अंजना, मंडल अध्यक्ष मुकेश पोरवाल, प्रदेश मंत्री कार्तिकेय मिश्रा, हर्ष वर्धन कुशवाह सहित भाजपा के पदाधिकारीगण, वरिष्ठजन और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजयुमो पदाधिकारियों ने कहा कि आजाद जी के आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए युवा मोर्चा पूरे वर्ष विभिन्न सेवा और सामाजिक कार्यक्रम आयोजित करेगा। अंत में सभी ने देश सेवा और स्वच्छ भारत के संकल्प के साथ पुष्पांजलि अर्पित की।

उम्र को मात देकर 51 साल के गुलरेज ने नेशनल पावरलिफ्टिंग में जीते 4 गोल्ड, उठाया 300 किलो वजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। उम्र के 51वें पड़ाव पर शहर के गुलरेज खान ने अपनी ताकत का लोहा मनवाते हुए स्वर्णिम इतिहास रचा है। महाराष्ट्र में आयोजित राष्ट्रीय मास्टर्स इक्विप्ड और क्लासिक पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में उन्होंने शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए हैं। इस बड़ी सफलता के साथ उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर मध्य प्रदेश और उज्जैन का मान बढ़ाया है।

पॉवर लिफ्टिंग इंडिया के मार्गदर्शन में छत्रपति संभाजी महाराज जिला पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा इस राष्ट्रीय स्पर्धा का आयोजन किया गया था। चैंपियनशिप के मास्टर्स-2 के 120 किलोग्राम वर्ग समूह में गुलरेज खान ने कुल 300 किलोग्राम का सर्वाधिक वजन लिफ्ट किया। उन्होंने स्क्वाट में 90 किलो, बेंच प्रेस में 70 किलो और डेड लिफ्ट में 140 किलो वजन उठाकर यह सफलता हासिल की।

उज्जैन जिला पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष जय सिंह यादव और सचिव कमल नंदवाना ने बताया कि गुलरेज खान ने चार गोल्ड मेडल जीतकर पूरे देश में शहर को गौरवान्वित किया है।

इस शानदार उपलब्धि के बाद शहर लौटने पर उनका भव्य अभिनंदन किया गया। संस्था के कोषाध्यक्ष नरेंद्र मालवीय, सह सचिव अनिल चावड़ा, आनंद सोलंकी, लीगल एडवायजर अभिषेक सिंह राठौड़, पॉवर लिफ्टर परवेज मोहम्मद, लखन पोरवाल और फहीम उस्मानी ने गुलरेज खान पर पुष्प वर्षा कर और माला पहनाकर उनका जोरदार स्वागत किया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।